Ranchi ● Monday, 10 March 2025 ● Year : 03 ● Issue : 56 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज़
Published from Ranchi

CHAMPIONS WIN CHAMPIONS

इफ्तार (सोमवार) : 05:58
सेहरी (मंगलवार) : 04:44

SARAFA

सोना	:	8,220
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सीने में दर्द व बेचैनी के बाद उपराष्ट्रपति एम्स में भर्ती

NEW DELHI : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ (73 साल) को दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया। उन्होंने शनिवार की देर रात में बेचैनी और सीने में दर्द की शिकायत की थी। उसके बाद रविवार सुबह करीब 2 बजे उन्हें एम्स में एडमिट किया गया। फिलहाल वह कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. राजीव नारंग की देखरेख में क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) में हैं। उनकी हालत स्थिर बताई गई है। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा उनकी सेहत की जानकारी लेने खुद एम्स गए। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को एम्स हॉस्पिटल जाकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

हिंसा में एक हजार से अधिक लोगों ने गंवाई जान

NEW DELHI : सीरिया के लताकिया और टार्टस में बीते कई दिनों से सेना और पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद के समर्थकों के बीच हिंसक झड़प चल रही है। इस हिंसा से 2 दिनों में 1000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। मौतों का यह आंकड़ा 2011 में सीरियाई गृह युद्ध के बाद सबसे ज्यादा है। यह जानकारी सीरिया में युद्ध पर नजर रखने वाली संस्था सीरियन आब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स कीऔर से दी गई है। संस्था के अनुसार, पिछले दो दिनों में सुरक्षाबलों ने अलावी मुस्लिम समुदाय के 745 से ज्यादा लोगों की हत्या कर दी। इनमें से ज्यादातर को फांसी दी गई है।

34 रन केएल राहुल ने बनाए

04 रन मारकर एक ओवर पहले जाडेजा ने जिताया मैच

केएल राहुल और आर जाडेजा ने नाबाद खेलते हुए जिताया मैच

चैंपियंस ट्रॉफी : फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से रौंदा

AGENCY NEW DELHI : रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मैच में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। 6 गेंद शेष रहते हुए टीम इंडिया ने यह मैच जीत लिया। 49 ओवर में 252 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। रोहित शर्मा ने 76 रन, शुभमन गिल ने 31, विराट कोहली ने 1, श्रेयस अय्यर ने 48, केएल राहुल ने नाबाद 34, आर जाडेजा ने नाबाद 9, हार्दिक पांड्या ने 18, अक्षर पटेल ने 29 रन बनाए। गौरतलब है कि यह मैच उसी पिच पर खेला गया, जिस पर भारत-पाकिस्तान मैच खेला गया था। न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए 251 रन बनाए।

76 सर्वाधिक रन कैप्टन रोहित शर्मा ने बनाए

252 रनों का लक्ष्य 49 ओवर में किया पूरा

दर्दनाक : छतरपुर-हरिहरगंज में दुर्घटना

पलामू में दो सड़क हादसों में तीन युवकों की गई जान

PHOTON NEWS PLAMU : जिले के छतरपुर और हरिहरगंज में दो सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। तीन जख्मी हैं। सभी को इलाज के लिए भर्ती किया गया है। हरिहरगंज में दो, जबकि छतरपुर में एक युवक की मौत हुई। पहली घटना शनिवार देर रात छतरपुर थाना क्षेत्र के छतरपुर-जपला रोड में अरुण आवासीय विद्यालय के समीप दो मोटरसाइकिलों की आमने सामने टक्कर हो गई, जिसमें एक युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। तीन युवक बुरी तरह से जख्मी हो गए। छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के बाद तीनों को मेदिनीनगर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृत युवक और घायल युवक की पहचान नहीं हो सकी है। दूसरी घटना एनएच 139 हरिहरगंज थाना क्षेत्र के अररुआ खुर्द कॉलेज मोड़ पर रविवार तड़के डेढ़ बजे हुई। ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की जान चली गई। दोनों की मौके पर ही मौत हुई।

- हरिहरगंज थाना क्षेत्र में दो युवकों की घटनास्थल पर ही हो गई मौत
- छतरपुर थाना क्षेत्र में हुए हादसे में एक मृतक और एक घायल की नहीं हो सकी पहचान

अन्य सात लोगों की तलाश कर रही है रेस्क्यू टीम

तेलंगाना सुरंग हादसा : 16वें दिन मशीन में फंसा हुआ मिला एक शव

AGENCY NAGARKURNOOL : तेलंगाना टनल हादसे के 16वें दिन रेस्क्यू टीम को मशीन में फंसी हुई एक डेड बॉडी मिली। शव निकालने के लिए मशीन को काटा गया। अन्य सात लोगों की तलाश जारी हैं। 7 मार्च को स्निफर डॉग्स (खोजी कुत्ते) को सुरंग में ले जाया गया था। रेस्क्यू ऑफिसर ने बताया कि मशीन में फंसे शव के केवल हाथ दिखाई दे रहे थे। बीते दिन राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया था कि खोजी कुत्तों ने खास जगह पर तेज गंध का पता लगाया है। पता चला है कि वहां तीन लोग मौजूद हैं। इसके बाद वहां पर जमा मलबा हटाया जा रहा था। अभी यह साफ नहीं है कि शव उसी जगह मिली है या किसी अन्य जगह।

- खोजी कुत्तों ने टनल के भीतर खास जगह पर तेज गंध का लगाया था पता
- अभियान को तेज करने के लिए लगातार रोबोट का किया जा रहा है इस्तेमाल

झारखंड के गुमला के चार मजदूर भी फंसे

बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए रोबोट का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। मजदूरों की तलाश में 525 कर्मी लग हुए हैं। बता दें कि राज्य के नागरकुर्नूल में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को धंस गया था। इस वजह से अंदर काम कर रहे 8 मजदूर फंस गए थे। इन मजदूरों में झारखंड के गुमला के चार मजदूर शामिल थे। बता दें कि श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल प्रोजेक्ट में 800 लोग काम कर रहे हैं।

झारखंड में इसी सप्ताह से झेलनी पड़ सकती है भीषण गर्मी, अलर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : अभी वसंत ऋतु का खुशनुमा मौसम है। चंद दिनों में होली आने वाली है। पिछले कुछ दिनों में मौसम का मिजाज कभी ऊपर तो कभी नीचे होता रहा है। बीच में कुछ दिनों तक गर्मी बढ़ने के बाद फिर तापमान में गिरावट आई और सुबह-शाम और रात में ठंड का एहसास हो रहा। अब मौसम विभाग ने यह अलर्ट जारी किया है कि इसी सप्ताह से झारखंड के लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। चार-पांच दिनों में ही 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक टेंपरेचर में इजाफा हो सकता है। ऐसा अनुमान लगाया गया है कि मार्च के महीने में ही अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार भी जा सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र की ओर से यह जानकारी दी गई है कि झारखंड में अगले एक सप्ताह के दौरान न्यूनतम और अधिकतम तापमान में भारी वृद्धि हो सकती है। 10 मार्च को झारखंड के दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी भागों में आंशिक बादल छाए रहेंगे। राज्य के अन्य हिस्सों में आसमान साफ रहेगा। मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

- 4 से 5 डिग्री सेल्सियस टेंपरेचर बढ़ने का मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट
- मार्च के महीने में ही 40 डिग्री सेल्सियस तक उच्चतम तापमान पहुंचने की आशंका
- आज राज्य के दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी भागों में छाए रहेंगे आंशिक बादल

मौसम शुष्क रहने का अनुमान

रविवार को झारखंड में मौसम शुष्क रहा। राज्य में सबसे अधिक उच्चतम तापमान सरायकेला में दर्ज किया गया। यहां का अधिकतम पारा 37.3 डिग्री सेंटीग्रेड रहा। सबसे कम न्यूनतम तापमान हजारीबाग में 10.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, 11,12 और 13 मार्च को आसमान साफ रहेगा। मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। राजधानी रांची में 10 मार्च से 13 मार्च तक आसमान साफ और मौसम शुष्क रहने का पूवानुर्मान मौसम विभाग ने जारी किया है। अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूतनम तापमान 19 डिग्री सेंटीग्रेड पहुंच जाने का अनुमान है।

फ्री ट्रैफिक मूवमेंट के खिलाफ मणिपुर में कुकी संगठनों ने बुलाया अनिश्चितकालीन बंद

IMPHAL : मणिपुर में फ्री ट्रैफिक मूवमेंट के पहले दिन शनिवार को सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में 40 लोग घायल हुए थे। राज्य में 8 मार्च से सभी इलाकों में सामान्य आवाजाही शुरू की गई, जिसका कुकी समुदाय के लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों की शनिवार की कार्रवाई के खिलाफ कुकी-जो समूहों द्वारा अनिश्चितकालीन बंद का आह्वान किया गया है। कांगपोकपी जिले में रविवार सुबह स्थिति तनावपूर्ण लेकिन शांत रही। यहां अतिरिक्त सुरक्षाबलों को तैनात किया गया। कांगपोकपी जिले के एक अधिकारी ने बताया कि एनएच-2 (इम्फाल-दीमापुर रोड) के साथ गमघीफई और अन्य हिस्सों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वाहनों की गश्त की जा रही है।

चिंताजनक प्राकृतिक आवास की कमी और प्रतिकूलता ने स्वभाव को भी बदला

जलवायु परिवर्तन की मार से बंदरों की कई प्रजातियां बेहाल

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : बीते कुछ दशकों में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न हालात में न केवल मनुष्य को प्रभावित किया है, बल्कि कई वन्य जीवों के लिए बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। इस दृष्टि से देखा जाए तो भारत में जलवायु परिवर्तन की मार से बंदरों की कई प्रजातियां बेहाल हो रही हैं। हाल में किए गए रिसर्च से यह जानकारी सामने आई है कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव बंदरों पर अधिक पड़ा है। न केवल इनकी संख्या लगातार कम हो रही है, बल्कि इनका स्वभाव भी बदल रहा है। पहले की अपेक्षा ये अधिक चिड़चिड़े और हिंसक हो रहे हैं। भारतीय वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि तुलनात्मक रूप से जलवायु परिवर्तन का नर बंदरों अधिक खराब असर देखने को मिल रहा है। मादा बंदरों की अपेक्षा इनकी संख्या ज्यादा घट रही है। उनके व्यवहार में अधिक चिड़चिड़ापन और हिंसा का समावेश हो रहा है। हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्युलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) के वैज्ञानिकों ने नर बंदरों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को समझने के लिए पूर्वोत्तर राज्यों की नौ प्रजातियों कि अध्ययन किया है।

हैदराबाद स्थित सीसीएमबी के वैज्ञानिकों ने लंबे समय तक किया है विशेष अध्ययन

जीनोमेटिक डाटा एनालिसिस के निष्कर्षों की भी विस्तार से दी गई है जानकारी

- मादा की अपेक्षा अधिक तेजी से घटती जा रही नर बंदरों की तादाद
- क्लाइमेट चेंज के हिसाब से जानवरों के संरक्षण का मॉडल तैयार करना जरूरी

भारत में 24 प्रजातियों के साथ नर बंदरों की पाई जाती है एक खास विविधता

- भारत में लगभग 60 साल पहले शुरू कर दी गई थी नर बंदरों पर शोध की प्रक्रिया
- पूर्वोत्तर राज्यों की 9 प्रजातियों को स्पेशल स्टडी में किया गया है शामिल

नई पीढ़ी में अलग प्रकार का बदलाव

स्टडी में जीनोमिक डाटा विश्लेषण भी शामिल है। इससे संबंधित निष्कर्ष की विस्तार से जानकारी दी गई है। स्पेशल स्टडी से यह जानकारी मिली है कि चार प्रजातियां- मकाका, ट्रैचीपिथेकस, हूलॉक और निक्टिसबस को छोड़ बाकी पांच की आबादी लगातार कम होती जा रही है। इन चारों प्रजातियों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव दूसरे तरीके से दिख रहा है। इनके व्यवहार में नया बदलाव आ रहा है। नई पीढ़ी में भी इसकी झलक देखने को मिल रही है।

पीएलएफआई के पांच उग्रवादी गिरफ्तार

एसपी को मिली थी गुप्त सूचना, कर्रा जंगल में की गई छापेमारी

AGENCY KHUNTI : ठेकेदारों से लेवी वसूलने की योजना बना रहे प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई के पांच सक्रिय उग्रवादियों को पुलिस ने शनिवार को कर्रा थाना क्षेत्र के रोन्हे जंगल से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से पुलिस ने एक देसी कारबाईन, मैग्जीन, एक गोली, पीएलएफआई के छह पर्चे, चार बाइक, पांच मोबाइल फोन और एक बैग बरामद किया है। पकड़े गए उग्रवादियों में रांची जिले के इटकी थाना क्षेत्र के तरगड़ी गांव निवासी पवन कुमार उर्फ पवन महतो (26), करमा बारला (38), रामगढ़ जिले के मांडू थाना क्षेत्र के इटमा मोड़ कुजू निवासी सेंटू सिंह (20), पतरातू के हेहल बड़कागाना निवासी अभय कुमार सिंह उर्फ अमन सिंह (22) और दीपक मुंडा (20) शामिल है। यह जानकारी तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने रविवार को कर्रा थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। इसे लेकर कर्रा थाने में विभिन्न धाराओं के तहत माममला दर्ज किया गया है।

एसडीपीओ ने बताया कि एसपी अमन कुमार को शनिवार को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई के कुछ उग्रवादी कर्रा थाना क्षेत्र के रोन्हे जंगल में बैठक करने वाले हैं। बैठक में नक्सलियों की ओर से संगठन का विस्तार करने, लेवी वसूलने और ठेकेदारों के साइट पर फायरिंग कर दहशत फैलाने की योजना है। सूचना के सत्यापन और उग्रवादियों की गिरफ्तारी के लिए तोरपा के एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम में तोरपा अंचल के पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, कर्रा के थाना प्रभारी मनीष कुमार, जरियागढ़ थाना प्रभारी राजू कुमार, रनिया के थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल, कर्रा थाना के सब इंस्पेक्टर दीपक कांत कुमार के अलावा एसडीपीओ के अंगरक्षक और कर्रा थाना सशस्त्र बल के जवानों को शामिल किया गया। टीम से तकनीकी शाखा को जोड़ा गया।

पुलिस ने शनिवार को रोन्हे जंगल में छापामारी कर चारों ओर घेर कर पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को ही गिरफ्तार उग्रवादियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा ● फोटोन न्यूज

संगठन से जुड़ने के लिए बाइक और कपड़ों का लालच देता था सेंटू सिंह

एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने बताया कि अब पीएलएफआइ को स्थानीय स्तर पर कैडर नहीं मिल रहे हैं। इस कारण इसके शीर्ष नेता बाहर के युवकों को प्रलोभन देकर बुलाते हैं। उन्हें अच्छे कपड़े, बाइक, मोबाइल फोन सहित अन्य समान उपलब्ध कराकर संगठन के कामों में लगाया जाता है। इसका सरगना सेंटू सिंह है।

एसडीपीओ ने दावा किया कि जल्द ही पीएलएफआइ नक्सलियों का सफाया कर दिया जाएगा। संगठन के शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार करने की दिशा में पुलिस काम कर रही है। उन्होंने नक्सलियों से अपील किया कि वे जल्द सरकार की नीतियों के तहत आत्मसमर्पण करें। और मुख्यधारा से जुड़ें।

सारंडा में फिर मिला 3 किलो का आईईडी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में नक्सलियों के विरोध में सुरक्षाबलों के अभियान को लगातार सफलता मिल रही है। इसी कड़ी में रविवार को 3 किलो का आईईडी बरामद किया गया है। इसे पुलिस टीम ने जंगल में ही नष्ट कर दिया। जानकारी के अनुसार, पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोन्टो थाना क्षेत्र में सारजोमबुरु, जीम्कीइकीर गांव में सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए जमीन में आईईडी लगाया गया था, लेकिन इसे समय रहते पुलिस बल ने देख लिया। बम निरोधक दस्ते की सहायता से इसे उसी स्थान पर सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया गया। इस अभियान में चाईबासा पुलिस, कोबरा 203 व 209 बटालियन, झारखंड जगुआर एवं सीआरपीएफ 26, 60, 134, 174, 193 व 197 बटालियन ने संयुक्त रूप से नक्सल विरोधी अभियान तेज कर दिया है। विश्वस्त सूचना के अनुसार, 9 मार्च से टोन्टो थाना क्षेत्र में के नक्सलियों के खिलाफ विशेष ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इन नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी

प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के शीर्ष नेताओं मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा सहित कई नक्सली दस्ता सदस्य सारंडा-कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के इरादे से सक्रिय हैं।

ठगी की योजना बनाते तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

DUMKA : जिले के मसलिया थाना क्षेत्र के खुटोजोरी गांव से पुलिस ने तीन साईबर अपराधियों को ठगी का साजिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में असलम अंसारी, उस्मान अंसारी और इमामुद्दीन अंसारी शामिल है। गिरफ्तार अपराधी खुटोजारी गांव के रहने वाले है। मसलिया पुलिस ने अपराधियों के पास से चार मोबाइल भी जब्त किया है। पुलिस ने मामले में बीएनएस और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने तीनों को रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

BRIEF NEWS

होलिका दहन के एक दिन बाद मनेगी होली : चेतन

CHATRA : रंगों का पवित्र त्योहार होली इस बार होलिका दहन के एक दिन बाद मनायी जायेगी। तिथियों के घटने-बढ़ने के समय चक्र के कारण ऐसा हो रहा है। चतरा के कर्मकाण्ड विशेषज्ञ आचार्य पंडित चेतन पाण्डेय ने बताया कि रंगों का पवित्र त्योहार होली इस बार 15 मार्च को मनायी जायेगी। होली इस बार कई शुभ संयोग समेटे आ रही है। आचार्य ने बताया कि 13 मार्च को होलिका दहन होगा। जबकि 14 मार्च को एक दिवसीय आतर रहेगा। ग्रह-नक्षत्र और तिथियों के घटने-बढ़ने के कारण होली इस बार होलिका दहन के एक दिन बाद मनाया जाएगा। होलिका दहन फाल्गुन पूर्णिमा की रात में होता है। होली त्योहार चैत्र कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। इस बार फाल्गुन मास की पूर्णिमा 13 मार्च को दिन में 10:03 बजे प्रवेश कर रहा है। और अगले दिन अर्थात 14 मार्च दिन शुक्रवार को दिन में 11:11 बजे समाप्त हो रहा है। इस दिन भद्रा रात्रि 10:37 बजे तक रहेगा। ऐसे में 13 मार्च दिन गुरुवार को ही रात्रि 10:37 के बाद होलिका दहन किया जाएगा। जबकि 14 मार्च दिन शुक्रवार को उदय कालीन पूर्णिमा तिथि होने के कारण रंगों का पवित्र त्यौहार होली पर ब्रेक रहेगा। अर्थात आतर रहेगा। 14 मार्च को बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में होली मनायी जायेगी।

झुमरीतिलैया में अटल विरासत संगोष्ठी का आयोजन

KODERMA : भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह पर अटल विरासत संगोष्ठी का आयोजन सौरभ होटल में किया गया। कार्यक्रम में होली मिलन कार्यक्रम भी किया गया। इसमें मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष और प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी एक विचारक थे। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं संघ से जुड़ कर समाज सेवा शुरू किया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ मिलकर जनसंघ पार्टी का गठन करवाया और पार्टी को पूरे देश में आगे ले जाने में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा। उन्होंने एक मत के चलते सरकार गिरनी मंजूर की लेकिन खरीद फरोख्त पर विश्वास नहीं किया। रमेश सिंह, प्रकाश राम, वीरेंद्र सिंह, दिनेश्वर प्रसाद, गोपाल कुमार गुतुल ने अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रदेश कार्य समिति सदस्य रामचंद्र सिंह, अशोक उपाध्याय, अध्यक्ष सुरेश यादव, राजेश सिंह, राजकुमार यादव, देवनारायण मोदी, सुधीर सिंह सहित अन्य शामिल थे।

लापता बच्चे का जंगल में मिला शव

LOHARDAGA : जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र उरु ग्राम से लापता ढाई साल के बच्चे का शव रविवार देर शाम जंगल से बरामद किया गया है। गत सात मार्च को ढाई साल का बच्चा लापता हो गया था। बताया जाता है कि उरु निवासी विनोद महतो का ढाई वर्षीय पुत्र पीयूष महतो खेलते खेलते गांव से लापता हो गया था। शनिवार को सेन्हा थाना में लिखित देते हुए परिजनों ने बच्चे को सकुशल बरामद करने का प्रशासन से अपील किया था। लापता बच्चे का शव घर से महज डेढ़ किलोमीटर दूरी पर जंगल में शव होने की सूचना लकड़हारे ने बच्चे के परिजनों को दी। इस घटना के बाद गांव में मातम छाया हुआ है।

टंडवा में बनेगा नया सूर्य मंदिर

CHATRA : टंडवा के सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल चुन्दरु धाम परिसर में नये सूर्य मंदिर बनाने और सफल संचालन के लिए आजीवन सदस्य बने सदस्यों की एक बैठक चुनाव को लेकर हुई। रविवार को आयोजित बैठक की अध्यक्षता टंडवा पंचायत के पूर्व मुखिया राजेन्द्र नायक और संचालन रंजीत गुप्ता ने की। बैठक में सर्वसम्मति से गाड़ी लौंग के कुलदीप साव को अध्यक्ष, शंकर गुप्ता सचिव और व्यवसायी विकास कुमार गुप्ता कोषाध्यक्ष बनाये गये। इसके अलावा कमेटी के अन्य पदों पर चुनाव को लेकर होली के बाद तिथि निर्धारित की जायेगी। चुनाव के बाद होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पर्यवेक्षक टीम के सदस्यों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर बधाई दी। इस मौके पर वनांचल इंटर कॉलेज के सचिव जयप्रकाश नायक, अक्षयवट पांडे, जयमंगल नायक, बासुदेव बसंत, बिगुल गुप्ता, सुभाष गुप्ता, शंकर चौरसिया, तिलेश्वर साव, कृष्णा साहू सहित अन्य शामिल थे।

ग्रामीणों ने बकरी चोर को पीटा इलाज के दौरान हो गई मौत

AGENCY LATEHAR : सदर थाना क्षेत्र के गोवा गांव में शनिवार की देर रात ग्रामीणों ने बकरी चोरी करने वाले एक व्यक्ति की जमकर पिटाई कर दी। इस घटना में आरोपित कर गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में सदर अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान सलीम खान के रूप में हुई है ।यह मध्य प्रदेश का रहने वाला था। वर्तमान में यह एक ईंट भट्ठा में काम करता था। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की देर रात सलीम खान शराब के नशे में धुत होकर गोवा गांव में एक व्यक्ति का बकरी चोरी कर भाग रहा था। बकरी की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। बाद में घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई। इसके बाद थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े के नेतृत्व में पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और घायल सलीम खान को सदर अस्पताल पहुंचाया। यहां इलाज के दौरान सलीम खान की मौत हो गई। इधर इस संबंध में थाना प्रभारी ने रविवार को बताया कि मामले की जानकारी होने के बाद घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। परंतु इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है घटना में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

75 लाख की अंग्रेजी शराब व ट्रक किया गया जब्त, चालक गिरफ्तार

PHOTON NEWS GARHWA : पुलिस ने शनिवार को ट्रक सहित 75 लाख रुपये की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। जब्त ट्रक पर 715 पेटी में 17,840 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब लोड था, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 45 लाख रुपये और ट्रक का मूल्य करीब 30 लाख रुपये है। यह जानकारी रविवार को थाना में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सत्येंद्र नारायण सिंह ने दी।

सत्येंद्र नारायण सिंह ने बताया कि गढ़वा के पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि विंढमगंज, उत्तर प्रदेश से अवैध विदेशी शराब लोड कर एक ट्रक पाल्हेकला टोला निमियाडीह में राष्ट्रीय राजमार्ग-75 के किनारे रॉयल किचन रेस्टोरेंट एंड ढाबा पर खड़ा है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक छापेमारी दल गठित किया गया। जब छापेमारी दल ढाबा पर पहुंचा, तो पाया कि 12 चक्का ट्रक वहां खड़ा है। चालक से पूछताछ की गई, तो उसने बताया कि ट्रक में प्लास्टिक स्क्रैप लोड है और इसके साथ प्लास्टिक स्क्रैप से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए। छापेमारी दल ने ट्रक खोला, तो उसमें अवैध विदेशी शराब लोड पाया गया। शराब की बोतलों पर फॉर सेल इन पंजाब ओनली... लिखा था। चालक ने बताया कि यह शराब एक संगठित गिरोह द्वारा जालंधर, पंजाब से पटना, बिहार में होली के त्योहार के लिए भेजी जा रही थी। ट्रक को जब्त कर थाना लाया गया और चालक, 24 वर्षीय खेता राम को गिरफ्तार किया गया। जब्त शराब की सूची में 750 एमएल का इंपीरियल ब्लू शराब 340 कार्टन में 4,080 बोतल, 180 एमएल का इंपीरियल ब्लू 240 कार्टन में 11,520 बोतल, 375 एमएल का मैकडॉवेल नंबर 1 ओरिजिनल 110 कार्टन में 2,640 बोतल, और 375 एमएल का मैकडावेल नंबर 1 डीलक्स 25 कार्टन में 600 बोतल शामिल है। इसके अलावा, फर्जी दस्तावेज, दो एंड्रॉयड मोबाइल, 30 बोरा धान की भूसी और ट्रक भी जब्त किया गया।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह

बालू का अवैध परिवहन कर रहे 14 ट्रैक्टर किए गए जब्त

PHOTON NEWS KODERMA : अंचल अधिकारी सारांश जैन तथा जयनगर थाना प्रभारी बबलू कुमार संयुक्त छापेमारी में परसाबाद स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप से अवैध बालू परिवहन कर रहे 14 ट्रैक्टर को जब्त किया गया है। सभी जब्त ट्रैक्टर हजारीबाग जिले के विभिन्न गांवों का बताया जा रहा है। इधर प्रशासन की इस कार्रवाई से बालू कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। परसाबाद स्थित बराकर नदी घाट से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में ट्रैक्टर में अवैध बालू लोडकर परिवहन किया जाता है तथा हजारीबाग जिले के विभिन्न स्थानों पर ऊंचे दामों में बेचा जाता है। बता दें कि जयनगर प्रखंड के विभिन्न बालू घाटों से प्रतिदिन अवैध बालू का खनन और परिवहन किया जा रहा है जिससे सरकार को राजस्व की भारी क्षति हो रही है। वहीं आम लोगों को भी काफी ऊंचे दामों में बिचौलियों द्वारा बेचा जा रहा है जिससे अबुआ आवास बनाने वाले लाभुकों को काफी परेशानी उठानी पड रही है। प्रखंड के करियावां, तमाय तथा लतबेधवा घाट से भी प्रतिदिन दर्जनों की संख्या में ट्रैक्टर से अवैध बालू परिवहन कर झुमरी तिलैया के विभिन्न स्थानों में अधिक दामों में बेचा जाता है। वहीं जयनगर प्रखंड मुख्यालय के समीप से ही सरमाटांड नदी से बालू उठाव कर जयनगर में बेचा जा रहा है। बालू परिवहन करने वाले ट्रैक्टर को चालक के द्वारा लाइट बंद कर काफी तेज गति से भगाया जाता हैं, जिससे सड़क पर आते जाते लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है।

परसाबाद घाट से अवैध बालू परिवहन कर रहे जब्त ट्रैक्टर के साथ अंचल अधिकारी सारांश जैन

समिति का दुष्प्रचार करने वालों के खिलाफ प्रशासन करे कारवाई

KHUNTI : बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के पदाधिकारियों की बैठक समिति के अध्यक्ष लाल ज्ञानेंद्र नाथ शाहदेव की अध्यक्षता में हुई, जिसमें सर्वसम्मति प्रस्ताव पारित किया गया कि पिछली बैठक में अध्यक्ष के आदेश से महामंत्री मनोज कुमार ने मेला मैदान का एकरारनामा किया है, वह समिति के नियम और पूरी तरह तर्कसंगत और विधि सम्मत है। इस निर्णय में समिति के सभी लोग एक मत हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि समिति के प्रस्ताव की प्रतिलिपि झारखंड राज्य हिन्दू धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष, जिले के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को देकर समिति के विरुद्ध जो भी दुष्प्रचार सोशल मीडिया में किया जा रहा है, उस पर उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया गया।

खूंटी में एक अप्रैल को निकलेगी सरहुल की भव्य शोभायात्रा

कार्यक्रम की तैयारी से पहले पूजा-अर्चना करते आयोजक ● फोटोन न्यूज

KHUNTI : जनजातियों का महापर्व सरहुल एक अप्रैल को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उस दिन सुबह पूजा-अर्चना के बाद दोपहर में गाजा-बाजा के साथ खूंटी में सरहुल शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान सभी लोग अपने घर-आंगनों, पूजा-स्थलों एवं चौक-चौराहों मे सरना झंडा लगायेंगे। सिलादोन के कोलाद में रविवार को सरना धर्म समिति का शाखा स्थापना दिवस सह सरना धर्म प्रार्थना सभा आयोजित किया गया। मंगरा पाहन और साधो मुंडा की अगुवाई में अनुयायियों के साथ सरना स्थल में भगवान सिंगबोंगा की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और खुशहाली की कामना की गई। इस अवसर पर धर्मगुरु बुधराम सिंह मुंडा ने कहा कि प्रकृति महापर्व सरहुल के लिए एक अप्रैल दिन मंगलवार को सरकारी अवकाश है। उसी दिन अपने-अपने क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ सरहुल मनाया जाएगा और दोपहर को गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी।

प्रदेश प्रभारी ने कार्यकर्ताओं से की सजग रहने की अपील, कहा- साजिशों को करें नाकाम

झारखंड में कांग्रेस के स्लीपर सेल भाजपा को पहुंचा रहे मदद : के. राजू

PHOTON NEWS DUMKA : झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू ने रविवार को दुमका परिसदन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि झारखंड में कांग्रेस के स्लीपर सेल भाजपा को मदद पहुंचा रहे हैं, जिससे पार्टी को नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि भ्रमण के दौरान उन्हें यह जानकारी मिली है कि यहां बड़ी संख्या में कांग्रेसी भाजपा के मददगार बने हुए हैं। इन लोगों को शीघ्र चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

के. राजू ने कहा कि उन्होंने अब तक 18 जिलों का दौरा किया है और पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर तमाम समस्याओं से अवगत हो रहे हैं। इस दौरान कांग्रेसियों के भाजपाइयों के संपर्क में रहने की शिकायतें हर जगह मिली हैं। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा का 'कांग्रेस मुक्त भारत' का सपना कभी साकार नहीं होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से साजिशों का मुकाबला करने के लिए सजग रहने की अपील की।

पत्रकारों को संबोधित करते कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के. राजू व प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ● फोटोन न्यूज

बोर्ड-निगम में हिस्सेदारी और परिसीमन पर विचार

एक अन्य सवाल के जवाब में के. राजू ने कहा कि झारखंड में परिसीमन के मुद्दे पर कांग्रेस के शीर्ष नेता मंथन कर अपना स्टैंड तय करेंगे। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा सिर्फ झारखंड का नहीं, बल्कि पूरे देश का है। कांग्रेस पार्टी तमाम पहलुओं पर विचार करके अपना रुख स्पष्ट करेगी। जब उनसे पूछा गया कि झामुमो ने झारखंड में लोकसभा सीटों के परिसीमन का विरोध किया है, तो इस पर कांग्रेस क्या उनका समर्थन करेगी, के जवाब में उन्होंने कहा कि आलाकमान इस पर निर्णय लेगा। इसके अलावा, बोर्ड-निगमों के गठन पर भी कांग्रेस गंभीर है और समर्पित कार्यकर्ताओं की सूची तैयार की जा रही है, जिसके बाद प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा।

विधि-व्यवस्था पर सरकार गंभीर, हो रही त्वरित कार्रवाई

झारखंड में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर के. राजू ने कहा कि कांग्रेस विधि-व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए गंभीर है। उन्होंने हजारीबाग में एनटीपीसी के डीजीएम की हत्या और दुमका में आदिवासी महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना का जिक्र करते हुए राज्य सरकार के प्रति विश्वास जताया कि अपराध नियंत्रण के लिए त्वरित कार्रवाई हो रही है और जल्द ही स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में होगी। इस मौके पर राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने भी विधि-व्यवस्था को दुरुस्त करने को लेकर सरकार की तत्परता को रेखांकित किया।

सीधे जनता से जुड़ें सभी कांग्रेसी

के. राजू ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कार्यकताओं को निर्देश दिया गया है कि वे जनता की समस्याओं का समाधान करें और उनसे जुड़कर रहें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य सिर्फ चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि जनता की सेवा करना है। महिला, युवा, अल्पसंख्यक, दलित, पिछड़ा और आदिवासियों का सर्वांगीण विकास कांग्रेस की प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड में महिला नेताओं को मजबूत किया जाएगा और संगठन में उन्हें महत्वपूर्ण स्थान दिया जाएगा। साथ ही, एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के लिए वर्किंग ग्रुप बनाए जाएंगे।

BRIEF NEWS

राज्य में भाजपा को और मजबूत बनाएगा बाबूलाल मरांडी का अनुभव : नमन

RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर बीजेपी के युवा नेता नमन भारतीय ने बधाई दी। नमन ने कहा कि झारखंड में बाबूलाल मरांडी का अनुभव और नेतृत्व क्षमता झारखंड में भाजपा को और मजबूत बनाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनके नेतृत्व में भाजपा जनहित के मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठाएगी और राज्य के विकास को नई दिशा देगी। बाबूलाल मरांडी के विधायक दल के नेता बनने के बाद राज्यभर में भाजपा कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। भाजपा ने यह संकेत भी दिया है कि वह मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

शहीद छोटन उरांव का पार्थिव शरीर पहुंचा पैतृक गांव

RANCHI : मांडर के नगड़ा पंचायत स्थित कनभिट्ठा गांव निवासी आर्मी जवान छोटन उरांव का बेंगलुरु में ट्रेनिंग के दौरान आकस्मिक निधन हो गया। शहीद छोटन उरांव बरेली में पदस्थापित थे और वर्तमान में एसी सेंटर, बेंगलुरु में कोर्स कर रहे थे। सात मार्च को अचानक ट्रेनिंग के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने से उनका निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। रविवार को जब शहीद छोटन उरांव का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव पहुंचा, तो माहौल गमगीन हो गया। परिवार के सदस्यों सहित पूरे गांव की आंखें नम थीं। उनकी पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल था। शहीद छोटन उरांव को हाल ही में पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की सहित बड़ी संख्या में लोग गांव पहुंचे। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिवंगत आत्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी और शहीद के परिवार को ढांढस बंधाया।

पंजाबी हिंदू बिरादरी ने की दो सौ लोगों के स्वास्थ्य की जांच

RANCHI : पंजाबी हिंदू बिरादरी ने रविवार को तमाड़ के बरलंगा गांव स्थित उच्च विद्यालय में निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया। चिकित्सा शिविर में डॉक्टर अजय छाबड़ा, डॉक्टर उदीप लाल, डॉक्टर जयकांत प्रसाद, डॉक्टर विजय कुमार, डॉक्टर विजयेता निर्मल और डॉक्टर निरंजना निशी ने लोगों के ब्लड शुगर, बीपी समेत अन्य की जांच की। शिविर का आयोजन तमाड़ के विधायक विकास मुंडा और समाजसेवी प्रदीप महतो के सौजन्य से किया गया था। इस अवसर पर पंजाबी हिंदू बिरादरी के अध्यक्ष सुधीर उग्गल,राजेश मेहरा,राजेश खन्ना, पुनम सखूजा और किरण महतो ने उपस्थित दो सौ मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की और उनमें निशुल्क दवा और फल वितरित किया।

राजधानी में बिना ट्रेड लाइसेंस के चल रहे स्कूलों पर चलेगा निगम का डंडा

- रेंट पर भवनों में चल रहे स्कूलों के लिए होल्डिंग को भी कराना होगा कॉमर्शियल
- पेनाल्टी के बाद लाइसेंस के लिए देना होगा आवेदन
- शहर के सभी निजी विद्यालयों को वैध लाइसेंस लेने का दिया गया निर्देश

» अधिकतर मोहल्लों में खुल गए हैं बड़ी संख्या में प्राइमरी स्कूल » लाइसेंस नहीं लेने वाले विद्यालयों पर लग जाएगा ताला

VIVEK SHARMA RANCHI : राजधानी रांची में अब बिना ट्रेड लाइसेंस के चल रहे स्कूलों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। रांची नगर निगम ने सभी प्राइवेट स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि वे वैध ट्रेड लाइसेंस ले लें। अगर किसी स्कूल के पास यह लाइसेंस नहीं होता है, तो उसे निगम द्वारा सील कर दिया जाएगा। यह कदम इसलिए उठाया गया है, ताकि किसी भी तरह के कारोबार के लिए ट्रेड लाइसेंस लिया जाए। बता दें कि अधिकतर गली-मोहल्लों में बिना किसी निगरानी के छोटे-छोटे किड्स और प्राइमरी स्कूल खुल रहे हैं।

तत्काल करना होगा आवेदन निगम प्रशासन ने इस बारे में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। साथ ही कहा है कि जिन स्कूलों ने अभी तक ट्रेड लाइसेंस प्राप्त नहीं किया है, उन्हें तत्काल आवेदन करना होगा। ट्रेड लाइसेंस जांच के लिए अभियान जारी है। ऐसे में बिना लाइसेंस के चल रहे स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसके तहत उन्हें पेनाल्टी भी भरना पड़ेगा। इसके बाद स्कूलों को कानूनी रूप से लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवेदन करना होगा।

नियम विरुद्ध हो रहा संचालन निगम का कहना है कि इन छोटे और बिना लाइसेंस वाले स्कूलों का संचालन नियमों के विरुद्ध हो रहा है। ये स्कूल शहरी योजनाओं और जोन नियमों का उल्लंघन करते हुए खुले हैं। इससे शहर में भी कई तरह की समस्याएं हो रही हैं। ट्रेड लाइसेंस देने का उदेश्य यह है कि हर स्कूल का संचालन व्यवस्थित हो और वह सभी नियमों का पालन करे। इससे न सिर्फ बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि स्कूलों का मानक भी बढ़ेगा।

डिस्प्ले करना है लाइसेंस

नियम के अनुसार, नगर निगम से कोई भी कारोबार करने के लिए ट्रेड लाइसेंस लेना अनिवार्य है। इसके बाद ट्रेड लाइसेंस को डिस्प्ले बोर्ड पर भी लगाना है, ताकि जांच के दौरान इसे आसानी से देखा जा सके। इतना ही नहीं, अभिभावकों को भी यह जानकारी मिल जाए कि स्कूल ने ट्रेड लाइसेंस लिया है।

लगातार मिल रही है शिकायत

बिना लाइसेंस के स्कूलों के खुलने की शिकायतें मिल रही हैं। इन स्कूलों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि अब निगम के लिए इनका नियंत्रण मुश्किल हो गया है। स्कूलों द्वारा बिना उचित अनुमति के ऑपरेशन करने से शहर में व्यावसिक गतिविधियों का सही तरीके से संचालन प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा निगम ने यह भी सुनिश्चित किया है कि सभी स्कूलों को अब अपनी होल्डिंग को भी कॉमर्शियल श्रेणी में दर्ज कराना होगा। वहीं जो स्कूल रेंट पर चल रहे हैं उन मकान मालिकों को भी अपने भवन का कमर्शियल होल्डिंग कराना होगा। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि स्कूलों का संचालन सही तरीके से किया जा रहा है। वहीं टैक्स और अन्य शुल्क वसूल किए जा सकेंगे।

डीजीपी अनुराग गुप्ता का रुख कड़ा, जल्द से जल्द इनका सफाया करने का निर्देश

संगठित आपराधिक गिरोहों की कमर तोड़ने को एक्टिव हुई पुलिस

- पुराने अपराधियों सहित नए चेहरों पर सीआईडी और एटीएस की पैनी नजर
- गहराई से खंगाले जा रहे सारे रिकॉर्ड बहुत शीघ्र होगी कड़ी कार्रवाई

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न इलाकों में संगठित आपराधिक गिरोहों की गतिविधियां बेलगाम होती जा रही हैं। कई आपराधिक गिरोह पुलिस के लिए सिरदर्द बने हुए हैं। हर दिन नए चेहरे आने से ऐसे गिरोह लगातार मजबूत बना रहे हैं। ऐसे में झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) और एंटी टेरेरिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने गिरोह में शामिल होने वाले नए चेहरों की तलाश शुरू कर दी है। पुराने अपराधियों पर तो कड़ी नजर है ही। बताया जा रहा है कि झारखंड में हाल के दिनों में सक्रिय कई बड़े संगठित आपराधिक गिरोहों में कई नए चेहरे शामिल हुए हैं, जिनका डाटा पुलिस के पास नहीं है। ऐसे नए अपराधी पुलिस के लिए परेशानी का सबब बन रहे हैं। झारखंड के कई जिलों में गोलीबारी की घटनाओं को गिरोह के नए अपराधियों ने अंजाम दिया, जब वे पकड़े गए तो उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं था।

नए लोगों की पहचान शुरू

एटीएस ने ऐसे कई मामलों की जांच की तो पता चला कि संगठित आपराधिक गिरोह नए युवाओं को पैसे की लालच देकर अपने गिरोह में शामिल कर रहे हैं। उनसे अपराध करवा रहे हैं। झारखड एटीएस एसपी ऋषभ झा के मुताबिक अपराध की दुनिया में कई नए चेहरे आ गए हैं। एटीएस ऐसे अपराधियों पर भी नजर रख रही है और उनकी पहचान की जा रही है।

सभी एसपी को कार्रवाई करने का आदेश

राज्य में एक दर्जन से अधिक संगठित आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं। इन गिरोहों पर अंकुश लगाने के लिए गिरोहों और उनके सदस्यों की फिर से पहचान की जा रही है। सीआईडी मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को पत्र लिखकर इस संबंध में कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सीआईडी के निदेर्शानुसार राज्य के प्रत्येक जिले में कौन-कौन से आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं, गिरोह के सदस्य कौन हैं, उनके खिलाफ कितने आपराधिक मामले दर्ज हैं, उनके परिवार के सदस्यों की जानकारी और अपराध से अर्जित संपति के बारे में जानकारी जुटाने का निर्देश सीआईडी मुख्यालय ने दिया है।

व्यवसायियों से मांगी जाती है रंगदारी

ये गिरोह बड़े पैमाने पर कोयला, जमीन कारोबारियों, व्यवसायियों से रंगदारी मांगते हैं। विदित है कि कोयला क्षेत्र में अमन सिंह, अमन श्रीवास्तव, अमन साहू, विकास तिवारी के गिरोह सक्रिय हैं। पिछले कुछ दिनों में इन गिरोहों में नए सदस्य भी शामिल हुए हैं। ऐसे में सभी आपराधिक गिरोहों की नए सिरे से सूची बनाई जा रही है।

सोशल मीडिया पर भी दी जा रही जानकारी

हाल में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है कि राहुल सिंह जैसे अपराधी गिरोह के लोगों की जानकारी भी सोशल मीडिया साइट्स के जरिए दे रहे हैं। राहुल सिंह अपराध की दुनिया में उभरता हुआ एक नया चेहरा है, जो खुद को बड़ा अपराधी मानता है। राहुल सिंह के सोशल मीडिया पेज पर कई ऐसे लोगों के नाम भी हैं, जिन्हें गिरोह से निकाल दिया गया है और उन पर कई तरह के आरोप भी लगाए गए हैं।

विदेश में बैठकर झारखंड में गिरोह चला रहे अपराधियों पर नकेल कसे सरकार : प्रतुल

2जी जैमर का फायदा उठाकर जेलों से साम्राज्य चला रहे अपराधी

PHOTON NEWS RANCHI : जेलों में अभी तक 2 जी जैमर के लगे होने के कारण अपराधी जेल से साम्राज्य चला रहे हैं। इसे सरकार को अपग्रेड करने की जरूरत है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने विधि व्यवस्था की गिरती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से मांग की है कि वह विदेश में बैठकर झारखंड में आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे अपराधियों पर नकेल कसे। हाल के दिन में झारखंड के 6-7 जिले, जहां कोयला का प्रोडक्शन और ट्रांसपोर्टेशन होता है, वहां अपराधिक घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है। लेवी और एक्सटॉर्शन के चलते विदेश में बैठे अपराधी झारखंड में अपने गुर्गों से घटनाओं को अंजाम देकर दहशत पैदा करते हैं।

दो साल पहले भी जीएम की हुई थी हत्या : हजारीबाग में 2 वर्ष पूर्व भी कोयला से जुड़ी एक कंपनी के जीएम की हत्या कर दी गई थी। अब एनटीपीसी के डीजीएम की हत्या हुई। रांची के भीड़ भाड़ वाले इलाके में कोयला व्यापारी पर हमला होता है। इसके अतिरिक्त अपराधी

अलग जिलों में कोयला साइडिंग पर लगातार गोली चला कर दहशत फैला रहे हैं। झारखंड में आज संगठित अपराध भी नक्सलवाद की तरह पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। उन्होंने कहा कि संगठित अपराधिक गिरोह झारखंड में लगातार पैर फैला रहे हैं। अब यह नक्सलवाद की तरह पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा हैं। प्रतुल ने कहा कि आलम ये है कि कई जिलों में कोयला कंपनी से जुड़े अधिकारी बुलेट प्रूफ वाहनों से सफर करते हैं। अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वह घटना को अंजाम देने के बाद फेसबुक पर लिखकर घटना की जिम्मेदारी लेकर भविष्य के लिए चेतावनी भी देते हैं।

हमारे अंदर उमंग भरती है होली : सेठ

PHOTON NEWS RANCHI : नमो श्री अन्न होली मिलन समारोह का आयोजन केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के हेहल स्थित आवास पर रविवार को हास्य मेव जयते, रांची के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के दौरान संजय सेठ के आगमन के साथ होली की गीत से कार्यक्रम स?थल गूंज उठा। मौके पर उपस्थित लोगों ने सांसद को अबीर गुलाल लगाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि होली मिलन समारोह प्रत्येक वर्ष सांसद परिवार के साथ मनाया जाता है जिसमें धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं के अलावा पार्टी के कई लोग शामिल होते हैं।

वहीं कार्यक्रम में संजय सेठ ने कहा कि सनातन धर्म का सबसे बड़ा पर्व होली मिलन समारोह एकता और अखंडता की मिसाल कायम करता है, क्योंकि यह भाईचारे का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है जिस तरह जीवन में हजारों रंग होते हैं उसी तरह रंगों की यह होली इस त्योहार में हमारे अंदर आनंद उमंग भर देती है।

समिति के होली मिलन कार्यक्रम में कलाकारों ने लोगों को झुमाया

RANCHI : रांची में बाबा विद्यापति स्मारक समिति के कार्यालय में रविवार को धूमधाम से होली मिलन समारोह मनाया गया। कार्यक्रम में रांची नगर निगम के पूर्व डिप्टी मेयर और लोक जन विकास मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भुनेश्वर लोहरा ने कार्यक्रम का उदघाटन किया। साथ ही सभी कलाकार और अतिथियों को अंगवस्त्र तथा मिथिला पाग पहनाकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में कलाकार मुकेश झा, आशु झा, अश्वनी आनंद और गौरीशंकर झा ने कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को अपनी प्रस्तुती से झुमा दिया। मौके पर सभी के लिए भांग, ठंडई, मालपुआ, फ्राई चूड़ा, फ्राई मछ्ली से सभी लोगों का स्वागत किया गया।

श्री श्याम फाल्गुन सतरंगी महोत्सव हुआ शुरू, निशान यात्रा में जुटे सैकड़ों श्रद्धालु

PHOTOM NEWS RANCHI : रविवार को श्री श्याम मण्डल रांची द्वारा आयोजित तीन दिवसीय श्री श्याम फाल्गुन सतरंगी महोत्सव का आगाज निशान शोभा यात्रा के साथ शुरू हो गया। महोत्सव की शुरूआत माहेश्वरी धर्मशाला में विधिपूर्वक निशान पूजन और आरती से हुई। इसके बाद 750 भक्त श्रद्धा भाव से श्री श्याम निशान लेकर गगनभेदी जयकारों के बीच झूमते हुए शोभा यात्रा में शामिल हुए। भक्तों के साथ बड़ी संख्या में लोग इस यात्रा में शामिल हुए और नगरभर में श्री श्याम प्रभु की महिमा का गुणगान किया। शोभायात्रा के दौरान दिव्य रथ पर विराजमान प्रभु नगरवासियों को आशीर्वाद दे रहे थे। इस अवसर पर श्री श्याम मण्डल की दो टोलियों ने संगीतमय भजन प्रस्तुत किया। जिसमें डोरी खींच राखिजो यो है बाबा को निशान, श्याम रंगीला पलका उघाड़ों फाल्गुन आ गयो और हर फागण में श्याम धणी, हम पहुंचे खाटू धाम हो जैसे भजन शामिल थे। भक्त रंग, अबीर, गुलाल और भजनों के साथ शोभायात्रा का हिस्सा बने।

श्री श्याम फाल्गुन सतरंगी महोत्सव की शोभा यात्रा में लोग ● फोटोन न्यूज

प्रभु का किया गया स्वागत : भक्तों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों के द्वार पर श्री श्याम प्रभु का पारंपरिक स्वागत किया। साथ ही, श्री श्याम मंडल ने मार्ग में प्रसाद वितरण, शुद्ध जल और जूस का भी वितरण किया। कई धार्मिक संस्थाओं ने भी इस यात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा के अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर पहुंचने के बाद सभी भक्तों ने बड़े भावपूर्ण ढंग से निशान अर्पित किया।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा मांडर का हुआ होली मिलन समारोह

RANCHI : अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा मांडर चान्हो जोन का चतुर्थ होली मिलन समारोह सोसई आश्रण मैदान मांडर सामाजिक परिवेश में रविवार को धूम-धाम मनाया गया। महासभा के अध्यक्ष बसंत शाही की अध्यक्षता में हुए समारोह का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। भारत माता, महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी जी महाराज, पूर्व अध्यक्ष दिवंगत मुनेश्वर शाही सहित सदस्यों के चित्र पर माल्यर्पण कर अबीर चढ़ाया गया।

रंगोत्सव ईको फ्रेंडली होली के प्रति लोगों को किया जा रहा जागरूक

जेएसएलपीएस ने 7 जिलों में शुरू किया पलाश हर्बल गुलाल स्टॉल

- 13 तक रांची, हजारीबाग, पलामू, चतरा, रामगढ़, खूंटी और लोहरदगा में रहेंगे स्टॉल

रांची में डिस्प्ले स्टॉल पर करें खरीदारी

रांची के प्रमुख स्थानों पर 9 से 13 मार्च तक पलाश होली स्पेशल डिस्प्ले स्टॉल लगाए गए हैं। जहां लोग पलाश हर्बल गुलाल के साथ-साथ पलाश रागी लड्डू, हैंडमेड चॉकलेट, कुकीज और नमकीन जैसे शुद्ध उत्पादों की खरीदारी कर सकते हैं। इन स्टॉलों पर ग्राहकों को पांच वैरायटी में रंग-बिरंगे हर्बल गुलाल मिलेंगे। रांची के प्रमुख स्थानों जैसे एफएफपी भवन, सचिवालय, झारखंड उच्च न्यायालय परिसर, रांची मॉल, न्यूक्लियस मॉल, स्प्रिंग सिटी मॉल, डोरंडा बाजार, अटल वेंडर मार्केट और मोरहाबादी मैदान पर ये स्टॉल लगाए गए हैं।

नहीं होता रसायन का इस्तेमाल

त्वचा के लिए सुरक्षित होता है हर्बल गुलाल

सखी मंडल की महिलाएं विभिन्न प्राकृतिक सामग्री जैसे पालक, चुकंदर, पलाश, हल्दी, सिंद्धार और अन्य फूलों का उपयोग करके गुलाल तैयार कर रही हैं। यह गुलाल न केवल रंगों में विविधता प्रदान करता है, बल्कि त्वचा के लिए भी सुरक्षित है। इसके अलावा इस गुलाल में प्राकृतिक एसेंस का भी समावेश किया गया है, जिससे इसका सुगंध भी अत्यंत मनमोहक होता है।

जेएसएलपीएस की मुख्य कार्यपालक अधिकारी कंचन सिंह ने कहा कि पलाश हर्बल गुलाल का उत्पादन पर्यावरण के अनुकूल है। इसके निर्माण में किसी भी प्रकार के रासायनिक या आर्टिफिशियल रंगों का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इस गुलाल को बनाने के लिए प्राकृतिक फूल, पत्तियां, फल और अन्य सामग्री का उपयोग किया जाता है। जिससे यह न केवल सुरक्षित है, बल्कि हमारी संस्कृति और पर्यावरण को भी बढ़ावा मिलता है।

PHOTON NEWS RANCHI : होली के त्योहार को लेकर बाजारों में रौनक आ गई है। इसी बीच पलाश हर्बल गुलाल प्रदर्शनी सह बिक्री अभियान की शुरूआत की गई। यह अभियान झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रोमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के तहत पलाश ब्रांड द्वारा सखी मंडल की महिलाओं द्वारा निर्मित प्राकृतिक हर्बल गुलाल की बिक्री को बढ़ावा देने और ईको फ्रेंडली होली के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत पलाश हर्बल गुलाल के प्रदर्शनी स्टॉल 9 से 13 मार्च 2025 तक रांची, हजारीबाग, पलामू, चतरा, रामगढ़, खूंटी और लोहरदगा जिलों में लगाए गए हैं। रांची में प्रमुख स्थानों पर विशेष स्टॉल लगाए गए हैं, जहां इस हर्बल गुलाल की बिक्री की जा रही है।

ग्रामीण महिलाओं के उत्पाद को मिला बाजार : पलाश ब्रांड के अंतर्गत राज्यभर के विभिन्न जिलों की हजारों ग्रामीण महिला उद्यमियों द्वारा हर्बल गुलाल का उत्पादन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करना और उनके उत्पादों को बाजार में पहचान दिलाना है। पलाश हर्बल गुलाल का उत्पादन न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि इससे इन महिलाओं को रोजगार और आय का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत भी मिल रहा है।

रांची यूनिवर्सिटी के पूर्व सीनेट सदस्य ने शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर उठाए सवाल

अयोग्य उम्मीदवारों की उच्च शिक्षा विभाग में हुई है नियुक्ति : डॉ. अटल

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को रांची विश्वविद्यालय के पूर्व सीनेट और सिंडिकेट सदस्य डॉ. अटल पांडेय एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर राज्य के उच्च शिक्षा विभाग और उसके सचिव की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उच्च शिक्षा निदेशालय ने 7 दिसंबर 2022 को उप निदेशक, उच्च शिक्षा पद के लिए जो विज्ञापन जारी किया था। उसमें स्पष्ट रूप से यह कहा गया था कि इस पद के लिए केवल वही उम्मीदवार योग्य होंगे, जिनका ग्रेड पे 7000 रुपये हो। इसके बावजूद उच्च शिक्षा निदेशालय ने अपने ही विज्ञापन की अवहेलना करते हुए 6000 रुपये ग्रेड पे वाले प्राध्यापकों की नियुक्ति उपनिदेशक के पद पर कर दी।

जान-बूझकर की गई गड़बड़ी पांडेय ने आरोप लगाया कि उच्च शिक्षा सचिव और निदेशक ने जानबूझकर इस प्रक्रिया में गोलमाल किया। अयोग्य व्यक्तियों को इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त कर दिया, जिसका नतीजा राज्य के शिक्षा क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। वर्तमान में राज्य में उच्च शिक्षा विभाग पर सैकड़ों केस दर्ज हो चुके हैं, जिससे सरकार को अतिरिक्त संसाधन खर्च करने पड़ रहे हैं।

राज्यपाल के पास उठाएंगे मुद्दा

पांडेय ने कहा कि राज्य के हजारों शिक्षक और कर्मचारी उच्च शिक्षा विभाग की कार्यशैली से निराश और परेशान हैं। उन्होंने इस मामले को राज्यपाल और मुख्यमंत्री के समक्ष उठाने की बात कही। सीबीआई या उच्च स्तरीय जांच की भी मांग की। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में दर्जनों निजी विश्वविद्यालय, नर्सिंग कॉलेज, बीएड कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज आदि बिना आवश्यक मान्यता के संचालित हो रहे हैं। इन संस्थानों से अधिकारियों का आपसी साठगांठ संभव है।

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

आई मिलन की बेला

यह किसी फिल्म का नाम भर नहीं है, हकीकत है। इस लौहनगरी में ही नहीं, पूरे देश में दीवाली मिलन, दशहरा मिलन और उससे बढ़कर होली मिलन का क्रेज सिर चढ़कर बोलता है। जिन्हें मिलन समारोह करने की आदत है, वे तो एक साल से इसकी तैयारी में जुट जाते हैं। कौन से गायक को बुलाना है, कार्यक्रम कहां करना है, आइटम क्या-क्या होगा। और सबसे अंत में बात होती है कि माला कौन उठाएगा। माला यानी खर्चा-पानी। आयोजक यदि बड़े अधिकारी या बड़े जनप्रतिनिधि हैं तो माला उठाने वालों की कतार लग जाती है। ठेकेदारों की जमात इस बात की पैरवी लगाने लगती है कि एक बार उसे सेवा का अवसर प्रदान किया जाए। खैर-तबीयत आदि देखकर माला उठाने वाले का नाम तय कर दिया जाता है। जैसे ही घोषणा होती है, वह बल्लियों उछल जाता है। फिर कानाफूसी करके इसका प्रचार करा देता है।

बहुत काम का बांस

बांस वैसे तो जंगल-पहाड़ में उगने वाला वनस्पति है, लेकिन यह बहुपयोगी कृषि उत्पाद है। शादी-ब्याह से लेकर रामनवमी आदि

त्योहार तो इसके बिना हो ही नहीं सकते। यह नाम तब भी खूब सुनने में आता है, जब कोई बांस लगाकर ठेका पा जाता है, नौकरी में प्रोन्नति मिल जाती है। इन्हीं सब विधि-विधान में उल्टे बांस बरेली के... भी सुनने को मिल जाता है। बांस से इतने सारे अनुष्ठान कैसे संपन्न हो जाते हैं, यह शोध का विषय हो सकता है। हम यहां बात कर रहे हैं, ट्रैफिक व्यवस्था की। थर्ड मार्च से दो माह पहले जुबिली पार्क की सड़क इसी बांस के सहारे बंद कर दी गई, जिससे उन लोगों पर आफत का पहाड़ टूट पड़ा, जो सड़क किनारे बाइक या कार लगाकर अकेले-दुकेले या सपरिवार पार्क की खूबसूरती का नजारा लेते हैं। अब इसी बांस की बैरिकेडिंग काशीडीह रोड पर दिख रही है।

बस एक फ्लाईओवर चाहिए

अपने शहर में अपनी तरह के पहले फ्लाईओवर का काम द्रुत गति से चल रहा है। पहला इसलिए, क्योंकि इस पर से आम लोग भी अपने दोपहिया-चारपहिया वाहन लेकर गुजर सकेंगे। अब तक जो फ्लाईओवर बने हैं, उसे कंपनी ने अपनी माल ढुलाई के लिए बनाया है। बर्मामाइंस, जुगसलाई और साकची में ऐसा ही फ्लाईओवर है, जिस पर ट्रक-डंपर गुजरते हुए लोग टकटकी लगाकर देखते हैं। इसी तरह का एक फ्लाईओवर बनाने की मांग मेरीन ड्राइव गोलचक्कर से भुइयांडीह के लकड़ी टाल तक हो रही है, ताकि मानगो पुल पर ट्रकों-डंपरों को दिया जाने वाला वीवीआईपी ट्रीटमेंट बंद हो सके। यहां एक दर्जन ट्रकों-डंपरों को ठीक उसी तरह पार कराया जाता है, जैसे प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री, राज्यपाल आदि के गुजरने पर होता है। जब ये भारी वाहन गुजरते हैं, तो वहां मौजूद सफेद के साथ खाकी वर्दी धारियों के चेहरे पर तनाव साफ- साफ दिखता है।

कमल-दल में खलबली

चुनाव में जीत-हार तो लगी ही रहती है, इससे कार्यकर्ता हताश नहीं होते हैं, बल्कि दोगुने उत्साह से अगले लक्ष्य की ओर बढ़ जाते हैं। यह जुमला चुनाव परिणाम आने के बाद आपने अक्सर सुना होगा। खासकर हारने वाले दल के नेता और कार्यकर्ता इस जुमले को घुट्टी की तरह याद कर लेते हैं। लेकिन, फर्क तो पड़ता ही है। कार्यकताओं का मनोबल भी खूब गिरता है, जिसे आप लोग अपने आसपास के कमल-दल वालों के चेहरे पर देख सकते हैं। ताजा खलबली, इस बात को लेकर मची है कि अब प्रदेश के बाद जिलों में भी पदाधिकारी बदले जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष को नेता प्रतिपक्ष बना दिया गया है, तो स्वाभाविक है कि पूर्णकालिक अध्यक्ष का नाम भी होली के बाद तय हो जाएगा। इसके बाद आएगी जिलों की बारी, तो लगे हाथ मंच-मोर्चा के पदाधिकारी भी बदले जाएंगे। इसके लिए सेटिंग-गेटिंग तेजी से हो रही है।

तेज रफ्तार दो बाइकों में सीधी टक्कर, दो की मौत

दो हुए गंभीर रूप से घायल, मागे मेला से लौट रहे थे सभी

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर थाना अंतर्गत कुंद्रीझुर में दो बाइकों में सीधी टक्कर हो गई, जिसमें दो की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, जगन्नाथपुर थाना अंतर्गत गुवासाई निवासी राहुल गोप, सन्नी पूर्ति, गणेश बिरुवा अपनी बाइक से जगन्नाथपुर के कुंद्रीझुर में माघे पर्व मनाकर अपने जीजा के घर जिन्तुगोड़ा जा रहे थे। इसी दौरान कुंद्रीझुर के समीप सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से टक्कर हो गई।

बाइक से जगन्नाथपुर के बड़ानंदा लोहापी निवासी गंगाराम बोबोंगा एवं मनीष बोबोंगा जा रहे थे।

दोनों बाइकों में सीधी टक्कर होने से दोनों के बाइक चालक राहुल

गंगाराम बोबोंगा व राहुल गोप की फाइल फोटो

गोप एवं गंगाराम बोबोंगा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की खबर स्थानीय लोगों ने जगन्नाथपुर पुलिस को बताई। पुलिस ने दोनों मृतक सहित दोनों घायलों को जगन्नाथपुर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लाया, जहां दोनों घयल युवक गणेश बिरुवा एवं सन्नी पुर्ति का प्राथमिक उपचार किया गया। गणेश बिरुवा को डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद चाईबासा रेफर कर दिया। वही सन्नी पुर्ति को हल्की चोटे आई है, जिसका इलाज चल रहा है। इधर पुलिस रविवार को दोनों शव को चाईबासा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया। बताया जाता है कि दोनों बाइक के सवार मागे परब मना कर अपने-अपने घर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि दोनों बाइक सवार नशे में थे।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में मारी टक्कर, एक की मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी थाना अंतर्गत डांगुआपोसी-पुरती दिघिया मार्ग पर तसर बंगला के पास एक तेज रफ्तार गिट्टी लदे डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे एक की मौत हो गई। बाइक पर सवार चारों लोग घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को नोवामुंडी स्थित टाटा अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार पश्चिमी सिंहभूम जिले के डांगुआपोसी उलिहातु गांव निवासी सुरे केराई, चुम्बरु केराई, महिला मसला हेस्सा और एक 10 वर्षीय बच्चा बाइक पर सवार था। ये सभी मागे परब मनाकर अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान यह दुर्घटना हुई। टाटा अस्पताल में चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल सुरे केराई को मृत घोषित कर दिया। तीन घायलों का इलाज किया जा रहा है। इधर मामले का संज्ञान लेते हुए दुर्घटना के बाद फरार हुए डंपर और उसके चालक की धरपकड़ में पुलिस जुट गई।

समाचार सार

सरयू राय के होली मिलन में खूब झूमे लोग

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय द्वारा रविवार को बिष्टुपुर स्थित आवासीय कार्यालय में होली मिलन हुआ, जिसमें होली व फगुआ के गीतों पर लोग खूब झूमे। इसमें सांसद बिद्युत बरण महतो सहित अन्य राजनीतिक दलों के नेता-कार्यकर्ता भी शामिल हुए। सभी ने पूड़ी, कटहल व चने की सब्जी, मालपुआ, दही-वड़ा, कोल्डड्रिंक्स आदि का आनंद भी लिया।

हुलास के होली मिलन में कविता संग्रह विमोचित

JAMSHEDPUR : साहित्यिक संस्था हुलास ने रविवार को बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में होली मिलन किया। इसमें शहर के साहित्यकार सुमन कुमार झा द्वारा लिखित कविता संग्रह मुझे टूटने दो का विमोचन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अशोक 'अविचल', विशिष्ट अतिथि प्रसेनजीत तिवारी, हुलास के संस्थापक अध्यक्ष हरकिशन सिंह चावला, अध्यक्ष श्यामल सुमन आदि ने शहर के वरिष्ठ कलमकार शेषनाथ सिंह 'शरद' को हुलास-गौरव सम्मान- 2025 प्रदान किया।

अटल विरासत सम्मेलन आज

JAMSHEDPUR : पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशताब्दी के अवसर पर भाजपा देशभर में विशेष कार्यक्रम कर रही है। इसी कड़ी में सोमवार को भाजपा, जमशेदपुर महानगर के तत्वावधान में सोमवार को बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में 'अटल विरासत सम्मेलन' होगा जाएगा। इसमें हजारीबाग के पूर्व सांसद सह झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. यदुनाथ पांडेय बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

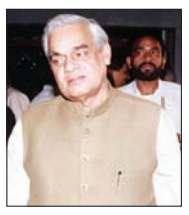

विहिप का 30 से प्रारंभ होगा श्रीरामोत्सव

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में रविवार को विश्व हिंदू परिषद, जमशेदपुर महानगर की बैठक हुई। इसमें बताया गया कि हिंदू नववर्ष 30 मार्च से 12 अप्रैल हनुमान जन्मोत्सव तक मनाया जाएगा। शहर के विभिन्न मंदिरों, अखाड़ों और धार्मिक स्थलों में हिंदू समाज के बीच प्रभु श्रीराम के गौरवमय आदर्श जीवन को जीवंत किया जाएगा।

चिन्मय पंड्या पहुंचे जमशेदपुर

JAMSHEDPUR : गायत्री परिवार, पूर्वी सिंहभूम की ओर से चाकुलिया स्थित गायत्री शक्तिपीठ में मां गायत्री की प्राण-प्रतिष्ठा हो रही है। इस अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के युवा मार्गदर्शक डॉ. चिन्मय पंड्या चाकुलिया पहुंचे। यहां उनका स्वागत चेतना केंद्र बेको, नवयुग दल एवं प्रज्ञा महिला मंडल टाटानगर ने डिमना चौक पर किया गया। सुबह 6 बजे प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत गायत्री शक्तिपीठ चाकुलिया के परिसर में कोलकाता के युवा साथियों ने 749वां पौधारोपण किया, जिसमें चिन्मय पंड्या भी शामिल हुए।

मायुमं का प्रांतीय अधिवेशन 22-23 को

JAMSHEDPUR : मारवाड़ी युवा मंच का प्रांतीय अधिवेशन 22 व 23 मार्च को जमशेदपुर में होगा। इसमें प्रांत की विभिन्न शाखाओं से करीब 500 सदस्य उपस्थित होंगे। प्रांतीय संयोजक सूचना एवं जनसंपर्क दीपक डोकानिया ने बताया कि इसके लिए पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष-युवा नंदकिशोर अग्रवाल की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया है, जो पूरी आयोजन को अंतिम रूप देगी।

बंगाल क्लब में सजी गजलों की महफिल

JAMSHEDPUR : दी बंगाल क्लब व जमशेदपुर म्यूजिक सर्किल के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को साकची स्थित बंगाल क्लब में शाम- ए-गजल का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि टाटा स्टील फाउंडेशन के केशव रंजन एवं विशिष्ट अतिथि किशन सोंथालिया, जमशेदपुर म्यूजिक सर्कल के उपाध्यक्ष विभा मिश्रा, पूरबी घोष, सुभाष बोस एवं बंगाल क्लब के सौम्या सेन ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कपाली में जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट, कई घायल

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर से सटे सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत कपाली ओपी क्षेत्र के बंधुगोड़ा में जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई, जिसमें दोनों ओर से पांच लोग घायल हो गए। यह झगड़ा आपसी रिश्तेदारों के बीच जमीन की हिस्सेदारी को लेकर हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। घटना के बाद दोनों पक्षों ने पुलिस को लिखित शिकायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित पक्ष से नित्यानंद कुम्भकार ने बताया कि उसके चचेरे भाई– राम, बलराम, लखन और विभीषण कुम्भकार– मेरे हिस्से की जमीन बेच रहे थे। हम अपने हिस्से की जमीन पहले ही बेच

एमजीएम अस्पताल में घायल महिला व परिजन ● फोटोन न्यूज

चुके हैं। जब नित्यानंद ने इस पर आपत्ति जताई, तो उनके चचेरे भाइयों ने उन पर हमला कर दिया और पिटाई कर दी। नित्यानंद का आरोप है कि पूरी जमीन खगेन नामक व्यक्ति को बेची गई है और उसी ने इस विवाद को भड़काने में अहम भूमिका निभाई है। वहीं, दूसरे पक्ष से विभीषण कुम्भकार ने आरोप लगाया कि नित्यानंद ने उन्हें बातचीत के लिए घर बुलाया और फिर अचानक उन पर हमला कर दिया। इस झगड़े में विभीषण की मां ममता कुमारी, बड़ी मां बुधनी कुमारी, उनके भाई कार्तिक और खुद विभीषण घायल हो गए। विभीषण ने यह भी दावा किया कि नित्यानंद उनसे जबरन चार कट्ठा जमीन मांग रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार्तिक को छुड़ाकर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल भेजा।

बक्सर-टाटा एक्सप्रेस में आग लगने की जांच आज

JAMSHEDPUR : बक्सर-टाटानगर एक्सप्रेस के जेनरल कोच में आग लगने की जांच होगी। दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने आद्रा रेल मंडल में जांच के लिए 10 और 11 मार्च की तिथि तय की है। ट्रेन में ड्यूटी पर तैनात रहे रेलकर्मियों को आद्रा बुलाया गया है, ताकि बयान दर्ज हो सके। घटना को लेकर लोंको पायलट, गार्ड, एसी मैकेनिक, टीटीई से पूछताछ हो सकती है। बक्सर-टाटा एक्सप्रेस में आग लगने का कारण पता चला है कि यात्रियों द्वारा शौचालय में सिगरेट पीने से घटना हुई थी। आग लगने की सूचना से ट्रेन रुकने व अन्य जानकारी जांच में एकत्र किए जाएंगे। ट्रेन के बेडरोल एवं खानपान वेंडर से पूछताछ होने की उम्मीद है। विभिन्न विभागों के रेल अधिकारियों ने बक्सर एक्सप्रेस के क्षतिग्रस्त कोच का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन किया है।

धर्म का पालन व रक्षा करना हमारा कर्तव्य : शंकराचार्य

CHAIBASA : जिस प्रकार जन्म के समय से हम अपने माता-पिता के साथ रहते हैं, उसी प्रकार हमें अपने जन्म से मिले धर्म का पालन और उसकी रक्षा भी करना चाहिए। उक्त बातें जगतगुरु शंकराचार्य श्री शारदापीठाधीश्वर महाराज स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज ने शनिवार को मनोहरपुर प्रखंड के कुडना गांव स्थित मुनीटुंगरी में आयोजित धर्म संचार सभा में कहीं। शंकराचार्य ने कहा कि हमें अपने धर्म का पालन करना चाहिए, उसका त्याग नहीं करना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील कि वे अपने धर्म स्थलों की रक्षा करें और धर्म परिवर्तन के षड्यंत्र या लोभ में न फंसें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार माता-पिता को नहीं छोड़ा जा सकता, उसी प्रकार हमें अपने जन्म से मिले सनातन धर्म को भी नहीं छोड़ना

प्रवचन देते शंकराचार्य

चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों और पीढ़ियों ने सनातन धर्म का पालन किया है। हमें भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को भी धर्म का ज्ञान दें और उसकी रक्षा करें। उन्होंने लोगों से कहा कि संसारिक कार्यों के साथ-साथ हमें भगवान का भजन करना चाहिए, माता-पिता, गुरु और धर्म की सेवा करनी चाहिए। जिससे हम पाप से मुक्त हो सकते हैं। शंकराचार्य ने कहा कि धर्म के विकास के लिए संकल्प लेना आवश्यक है।

टाटा लीज की बैठक आज विस्थापितों ने की तैयारी

डिमना डैम के पास जुटे विस्थापित ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : टाटा लीज के नवीकरण को लेकर सोमवार को जिला प्रशासन व इसकी कमेटी की बैठक होने वाली है। इसके लिए विस्थापितों ने रविवार को तैयारी की। डिमना डैम के हेलीपैड मैदान में डिमना डैम और टाटा कंपनी के विस्थापितों की बैठक हुई। इसमें विस्थापितों ने अपनी मांगों और समस्याओं को रखा और सरकार तथा टाटा कंपनी से समाधान की मांग की। सोमवार की बैठक के लिए जो प्रस्ताव पारित किए गए, उसमें टाटा कंपनी और डिमना डैम के विस्थापितों को विस्थापित प्रमाणपत्र दिया जाए। 1932 खतियान के आधार पर विस्थापितों को चिह्नित कर पुनर्वास किया जाए व मुआवजा दिया जाए। 1996 के सर्वे सेटलमेंट को रद्द किया जाए। डिमना डैम के विस्थापितों के साथ सरकार और कंपनी की त्रिपक्षीय वार्ता प्रारंभ की जाए। डिमना डैम और टाटा कंपनी की जो जमीन कंपनी के अधीन नहीं है, उसे अधिक भूमि अधिग्रहण कानून-2013 के तहत पुनः विस्थापितों को लौटाई जाए।

शहर में एक अप्रैल को निकलेगी विशाल सरहुल शोभायात्रा

JAMSHEDPUR : केंद्रीय सरहुल पूजा समिति, पूर्वी सिंहभूम की बैठक रविवार को राजन कुजूर की अध्यक्षता में सीतारामडेरा स्थित सरना भवन में हुई। इसमें 1 अप्रैल को प्रकृति के महापर्व सरहुल पूजा एवं शोभायात्रा धूमधाम से निकालने का निर्णय लिया गया। इस शोभायात्रा में आदिवासी एवं मूलवासी समुदाय से उरांव, हो, मुंडा, मुखी, भुइयां, तुरी व अन्य जनजाति समुदाय के महिला-पुरूष और बच्चे-बच्चियां पारंपरिक परिधान एवं वाद्य यंत्रों के साथ शामिल होंगे। शोभायात्रा दोपहर 3 बजे पुराना सीतारामडेरा से प्रारंभ होकर लाको बोदरा चौक, एग्रिको लाइट सिग्नल, भालूबासा चौक, रामलीला मैदान, साकची गोलचक्कर, बसंत टॉकीज, टुइलाडुंगरी, गोलमुरी होकर सीतारामडेरा लौटेगी।

बैठक में राकेश उरांव, दुर्गमानी बोईपाई, राजेश कांडयोंग, सावन लकड़ा, उपेंद्र बानरा, शंभू मुखी, जयनारायण मुंडा, बिंदु पाहन, सोमा कोया, रामु तिर्की, बबलू खलखो, किशोर लकड़ा, संतोष लकड़ा, रोशन मिंज आदि उपस्थित थे।

बसंत उत्सव में दिखा संगीत, सौंदर्य व मानवता का अद्भुत संगम, झूमे लोग

PHOTON NEWS JSR : बसंत उत्सव समिति ने रविवार को एग्रिको पोस्ट ऑफिस मैदान में बसंत उत्सव का आयोजन किया। अतिथियों ने अपने संबोधन में विश्वकवि रवींद्रनाथ ठाकुर द्वारा शांतिनिकेतन में प्रारंभ किए गए बसंत उत्सव की चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह उत्सव प्रकृति के प्रति प्रेम और सौंदर्य को दर्शाता है।

कार्यक्रम में संगीत की मोहक प्रस्तुतियां हुईं। स्थानीय संगीतकार सव्यसाची चंद ने आमी बांगलाए गान गाई..., ओरे भाई फागुन लेगेछे बोने बोने... जैसे गीतों से समां बांधा। शांता बनर्जी ने ए गाने प्रोजापोती पाखाय पाखाय रंग छोराए..., ओ तूई नयन पाखी आमार रे...और वंदे माया लागाइछे पिरिती सिखाइछे...प्रस्तुत किए। आयुष मित्रा ने ओ चांद, संभालो जोछनाके..., दोले दोदुल दोले

एग्रिको में नृत्य करती बच्ची ● फोटोन न्यूज

झूलोना... और बाजे गो वीना...जैसे गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अजोर्मा झा ने नृत्य प्रस्तुत किए।

कोलकाता की बांग्ला संगीत गायिका केमेलिया दास ने लाल पहाड़ीर देशे जाबो.., एकटा कालो भोमोर...., मोने कोरी आसाम जाबो... प्रस्तुत कर श्रोताओं को मोहित किया, वहीं गायक कुमार अर्कित ने देखो आलोय आलो..., जीबोने की पाबो ना... और से प्रथम प्रेम आमार नीलांजना... गाकर समां बांधा।

इस अवसर पर विभिन्न स्टॉल लगाए गए, जिसमें फूड फेस्टिवल प्रमुख आकर्षण रहा। इस बार बसंत उत्सव में मानवता को सर्वोपरि रखते हुए पहली बार रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन और जमशेदपुर ब्लड सेंटर के सहयोग से आयोजित इस शिविर में 55 महिला-पुरुषों ने रक्तदान किया।

दिन-रात चल रहा काम, समयसीमा से पहले तैयार हो जाएगा फ्लाईओवर

मानगो फ्लाईओवर के 57 में से 37 फाउंडेशन तैयार, 21 पियर बन चुके

MUJTABA RIZVI @ JSR

मानगो में 3 किलोमीटर 400 मीटर लंबे फ्लाईओवर का निर्माण काफी तेजी से चल रहा है। इसके लिए रात में भी काम हो रहा है। इस तरह, फ्लाईओवर के निर्माण में इब्रास्कान और गुजरात की दिनेश चंद्र अग्रवाल के ज्वाइंट वेंचर वाली कंपनी रात-दिन एक किए हुए है। फ्लाईओवर में काफी काम हो गया है।

इसके निर्माण में 57 फाउंडेशन तैयार होने हैं। इसमें 37 पाइल फाउंडेशन तैयार कर लिए गए हैं। इसमें से 31 फाउंडेशन में पाइल कैप भी तैयार है। 20 फाउंडेशन बनाने का काम बाकी है। इसमें से कुछ फाउंडेशन तैयार करने का काम चल रहा है। अभी स्वर्णरेखा नदी और मानगो के

फ्लाईओवर के लिए पिलर खोदाई का काम जारी ● फोटोन न्यूज

छोटे ब्रिज के पास फाउंडेशन बनाने का काम चल रहा है। इसी तरह, नदी के इस पार साकची की तरफ गांधी घाट और स्वर्णरेखा लिंक रोड के किनारे फाउंडेशन के लिए ड्रिल का काम तेजी से चल रहा है। बाकी फाउंडेशन न्यू पुरुलिया रोड पर मानगो चौक से पायल टाकीज की तरफ बनाया जाना है। अभी इधर फाउंडेशन के लिए ड्रिल का काम शुरू नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि कंपनी अन्य सभी तरफ फाउंडेशन बनाने के बाद इस रोड पर अंत में ड्रिल करेगी, ताकि लोगों को अधिक असुविधा नहीं झेलनी पड़े। क्योंकि, इस तरफ रोड थोड़ा संकरा होने की वजह से यातायात को सुचारू करने में दिक्कत आएगी।

जो 37 फाउंडेशन बनाए गए हैं उनमें अधिकतर डिमना रोड पर हैं। इनमें से सभी फाउंडेशन पर पियर बनाने का काम तेजी से चल रहा है। 21 फाउंडेशन पर पियर तैयार कर लिए गए हैं। बाकी 16 पियर पर फाउंडेशन बनाने का काम भी चल रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सभी फाउंडेशन पर पियर बन कर तैयार हो जाएंगे। जो 21 पियर तैयार हुए हैं उनमें से 15 के ऊपर पियर कैप भी बना दी गई है। इसी पियर कैप पर ओवरब्रिज टिकेगा।

क्या होता है पियर कैप

पियर कैप पिलर के ऊपर बनाया जाता है। पियर कैप वह संरचना होती है, जिस पर ओवरब्रिज के गार्डर रखे जाते हैं। पूरे ओवरब्रिज का लोड इन्हीं पियर कैप पर होता है।

क्या होती है पाइल कैप

पाइल कैप एक मोटी कंक्रीट की चटाई होती है, जिसे फाउंडेशन में बिछाया जाता है। यह कंक्रीट पर टिका होता है। यह नींव के अंदर होता है। इसी पर पियर तैयार किए जाते हैं। पियर वह खंभा होता है, जिसके ऊपर पियर कैप रख कर उस पर ओवरब्रिज के गार्डर रखे जाते हैं।

अप्रैल तक शुरू हो जाएगा सेगमेंट का काम

जिस तेजी से मानगो के ओवरब्रिज का काम चल रहा है, इंजीनियरों का मानना है कि अप्रैल से इसके सेगमेंट का काम शुरू हो जाएगा। इस ओवरब्रिज में लगभग 52 स्पैन होंगे। स्पैन दो पियर के बीच की दूरी के हिसाब से तय होते हैं। कंपनी के इंजीनियरों का मानना है कि चार दिन में एक स्पैन का काम खत्म कर लिया जाएगा। इस तरह, कहा जा रहा है कि ओवरब्रिज का काम करने वाली कंपनी काफी अनुभवी है। इस वजह से तेजी से काम किया जा रहा है। फ्लाईओवर के निर्माण में इसका गार्डर अलग से बनाया जाएगा। 57 पियर कैप का निर्माण होने के बाद इसके ऊपर लाकर गार्डर रखने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

BRIEF NEWS

मवेशी को नहलाने के दौरान नदी में डूबकर 2 बच्चों की मौत

BEGUSARAI : बेगूसराय के मटिहान थाना इलाके के चाक गांव के पास गंगा नदी में अचानक पांच किशोर डूबने लगे, स्थानीय लोगों की मदद से दो किशोर को सकुशल पानी से बाहर कर लिया जबकि तीन किशोर डूब गए। डूबने वाले सभी किशोर सभी एक ही परिवार से हैं, जो आपस में चचेरे भाई हैं। मुखिया प्रतिनिधि रंजन सिंह नें बताया की उन्हें जानकारी मिली हैं। डूबने वाला किशोर अपने दादी के स्थान गंगा स्नान करने गया हुआ था। वहीं गांव के दो किशोर एक भैस के बच्चा पारी को गंगा नदी में धो रहा था। इसी दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण एक बच्चा डूबने लगा जिसे बच्चाने के लिये अन्य चार बच्चे पानी के अंदर चले गए और वो भी डूबने लगे।

चंद्रशेखर रावण की पार्टी बिहार में लड़ेगी विधानसभा चुनाव

PATNA : आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद रावण रविवार को बिहार के कैमूर पहुंचे। यहां उन्होंने जिले के मोहनिया स्थित चांदनी चौक पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान रावण ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि पिछली बार बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने मजबूती से चुनाव लड़ा था, हालांकि उस समय पार्टी नई थी और उसका चुनाव चिह्न भी नया था, जिसके कारण वे अपनी उपस्थिति सही ढंग से दर्ज नहीं करा पाए। पिछली बार हमारी पार्टी की स्थिति कुछ कमजोर थी, लेकिन इस बार हमारे प्रदेश की टीम ने जिस तरह से मेहनत की है, उससे हमें पूरा विश्वास है कि आजाद समाज पार्टी यहां एक बड़ी और ताकतवर पार्टी बनेगी।

युवाओं को साधने की तैयारी में कांग्रेस, कन्हैया कुमार निकालेंगे नौकरी यात्रा

PATNA : बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच कांग्रेस ने बड़ा कदम उठाया है। पार्टी की युवा और छात्र इकाई 16 मार्च से 14 अप्रैल तक ह्लबिहार को नौकरी दो यात्राह्व निकालने जा रही है। इस यात्रा का नेतृत्व एनएसयूआई प्रभारी कन्हैया कुमार कर सकते हैं। यह यात्रा पूर्वी चंपारण के गांधी आश्रम से शुरू होकर पटना तक जाएगी। इस दौरान 20 जिलों में करीब 400-500 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। इस यात्रा के दौरान कांग्रेस बेरोजगारी, बीपीएससी पेपर लीक और बिहार से पलायन जैसे मुद्दों को उठाकर युवाओं को पार्टी से जोड़ने की कोशिश करेगी। इस यात्रा से पहले 12 मार्च को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी बिहार के नेताओं के साथ बैठक करेंगे, जिसमें यात्रा को औपचारिक मंजूरी दी जाएगी। इस दौरान विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की रणनीति, आरजेडी के साथ सीट तालमेल जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है।

रोजगार मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से बच्चों को मन से शिक्षित करने का किया आग्रह

राज्य में 51 हजार 389 नवनियुक्त शिक्षकों को सौंपा गया नियुक्ति पत्र

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के चयनित 51 हजार 389 शिक्षिकों में से कुछ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर इसकी शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी शिक्षकों को बच्चों को ठीक से पढ़ाने और उन्हें शिक्षित करने का आग्रह किया और सभी बच्चों को मन लगाकर पढ़ने की नसीहत दी। बच्चों की पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा नहीं हो, इस पर सभी लोग विशेष ध्यान रखें।

रविवार को गांधी मैदान पर आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीपीएससी के चयनित 51 हजार 389 शिक्षिकों को नियुक्ति पत्र सौंपने की शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने नूतन कुमारी, आरती कुमारी, वर्षा राज, खुशबू कुमारी, पंकज कुमार, सानिया परवीन, काजल कुमारी, आशुतोष आनंद, आनंद एवं मिश्रा खुशबू सुनील को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र सौंपे। गांधी मैदान पर आयोजित कार्यक्रम में आज 10 हजार शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए, जबकि शेष लोगों को जिलों से नियुक्तिपत्र सौंपे गए।

नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य मंत्री

» बच्चों की पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा नहीं हो, इस पर सभी विशेष ध्यान रखें

» गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में 10 हजार शिक्षकों को दिया गया नियुक्ति पत्र

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में मौजूद शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज जिन नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्तिपत्र सौंपा गया है, वे बेहतर ढंग से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। मुझे बहुत खुशी है कि हाल ही में बिहार लोक सेवा आयोग ने 51 हजार 389 शिक्षकों का चयन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम लोगों को यहां काम करने का मौका मिला तो शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरी के लिए कई कदम उठाए गए हैं। नियोजित शिक्षकों की बहाली की गई। वर्ष 2023 में बिहार लोक सेवा आयोग ने नये शिक्षकों की बहाली की है। पहले चरण में 1 लाख 20 हजार 336 शिक्षकों का तथा द्वितीय चरण में 94 हजार 833 शिक्षकों की बहाली की गई है। दोनों चरणों के नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र पहले ही दिया जा चुका है। आज तीसरे चरण ओ 51 हजार 389 नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्तिपत्र सौंपे गए हैं। इस प्रकार तीनों चरणों को मिलाकर कुल 2 लाख 68 हजार 548 नये शिक्षक बहाल हो गए हैं।

बिहार बजट : सुल्तानगंज और भागलपुर में एयरपोर्ट बनने से लोगों में खुशी : शाहनवाज

AGENCY BHAGALPUR : बिहार की तरक्की के साथ साथ भागलपुर की भी तरक्की तय हो गई है। दोनों बजट को मिलाकर भागलपुर और आसपास के इलाकों को सबसे ज्यादा मिला है। भागलपुर और आसपास के लोगों को दो दो एयरपोर्ट की सौगात मिली है। एक सुल्तानगंज में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट और दूसरा भागलपुर में छोटे विमानों की उड़ान के लिए एयरपोर्ट। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने रविवार को भागलपुर में एक प्रेस वार्ता के दौरान कही। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि बिहार बजट 2025-26 बिहार को तेजी से तरक्की के रास्ते पर ले जाने का रोडमैप है और इसके साथ ही ये भागलपुर के लिए भी वरदान है। बिहार बजट 2025-26 में बिहार के हर कोने के लोगों के लिए हवाई यातायात को सुगम बनाने के प्रावधान कर राज्य की औद्योगिक उड़ान को सुनिश्चित किया गया है। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि इन एयरपोर्ट्स के तैयार होने से बिहार में आर्थिक निवेश बढ़ेंगे और राज्य की औद्योगिक तरक्की तेज रफ्तार पकड़ेगी। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि बिहार बजट 2025-26 ही नहीं बल्कि केंद्रीय बजट में भी भागलपुर को बड़ी सौगातें मिली। विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय बनना तय होने के साथ बिहार में स्थापित होने वाले कृषि के क्षेत्र में तीन नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में एक की स्थापना भागलपुर में होगी। शाहनवाज हुसैन ने कहा केंद्र और राज्य की एनडीए सरकार की इनायत हमेशा भागलपुर पर रही है।

एमजीसीयू में वाणिज्य व प्रबंधन में भारतीय ज्ञान की खोज विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

AGENCY CHAMPARAN : महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पं. मदन मोहन मालवीय वाणिज्य एवं प्रबंधन विज्ञान विद्यालय द्वारा वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान की खोज विषय पर अंतरराष्ट्रीय दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में भारत और विदेश के कई प्रतिष्ठित विद्वानों ने भाग लिया और अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधन विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. सपना सुगंधा के स्वागत भाषण से हुआ। संगोष्ठी को ऑनलाइन संबोधित करते मुख्य अतिथि पंकज दुबे (सदस्य, नीति आयोग एवं संस्थापक, डीएसपीआईएन प्राइवेट लिमिटेड) ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्धि और उसके वाणिज्य एवं प्रबंधन में उपयोग की संभावनाओं पर निर्भर है। गेस्ट ऑफ ऑनर सिस्टर बीके विधात्री (राजयोग शिक्षिका, ब्रह्मकुमारी, दिल्ली), सुरेंद्र नाथ तिवारी (यूएसए), शिव कुमार सिंह (यूएसए) एवं डॉ. राज कुमार (यूएसए) ने भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी को संबोधित करते विशेष अतिथि प्रो. प्रसून दत्ता सिंह (प्रॉक्टर, एमजीसीयू) ने भारतीय प्रबंधन सिद्धांतों और आधुनिक नवाचारों के समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में भारतीय ज्ञान प्रणाली की अद्वितीयता और उसकी आधुनिक वाणिज्य एवं प्रबंधन पद्धतियों में उपयोगिता पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी अंत में, प्रो. शिरीष मिश्रा (डीन, पं. मदन मोहन मालवीय वाणिज्य एवं प्रबंधन विज्ञान विद्यालय) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते संगोष्ठी को ज्ञान-विज्ञान के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी ने परंपरा और नवाचार के समन्वय को नई दृष्टि प्रदान की है, जिससे शोधार्थियों और विशेषज्ञों को वाणिज्य एवं प्रबंधन के क्षेत्र में भारतीय ज्ञान प्रणाली के महत्व को समझने का एक अनूठा अवसर मिला।

प्रभात फेरी निकालकर नशामुक्त होली मनाने के लिए किया गया जागरूक

AGENCY SAHARSA : जिला के महिषी उग्रतारा भारती मंडन विकास समिति द्वारा नशा मुक्त होली मनाने हेतु प्रभात फेरी निकाल लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर उग्रतारा मंदिर परिसर से निकले प्रभात फेरी को थानाध्यक्ष,सरपंच, मुखिया एवं समिति के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।प्रभात फेरी को थानाध्यक्ष, सरपंच, मुखिया, समिति के सदस्यों एवं ग्रामीण अभिभावकों के सहयोग से छात्र - छात्राओं द्वारा संपन्न किया गया। यह प्रभात फेरी महिषी गांव में सभी टोले मोहल्ले में घूम घूम कर लोगों को जागरूक किया गया।

संस्था के सचिव अभिषेक रंजन द्वारा बताया गया कि संस्था पिछले 10 वर्षों से क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सभी क्षेत्रों में अनवरत कार्य कर रही है।वही सामाजिक विकास व उत्थान के लिए सतत क्रियाशील है।वही शैक्षणिक एवं खेलकूद के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आप सबों से निवेदन कि हर्ष एवं उल्लास के इस पर्व होली को नशा मुक्त हो। हर्षोल्लास, समरसता एवं भाईचारे के साथ मनाएं एवं महिषी को आदर्श गांव बनाने में उग्रतारा भारती मण्डन विकास समिति का सहयोग करें।

छापेमारी दल ने तीन उपभोक्ताओं को बिजली चोरी करते रंगे हाथ पकड़ा

ARARIYA : विद्युत अधीक्षण अभियंता एसटीएफ किशनगंज एवं विद्युत कार्यपालक अभियंता फारबिसगंज के निर्देश पर बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ एक छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल में फारबिसगंज विद्युत आपूर्ति प्रशाखा के कनीय विद्युत अभियंता कैलाश कुमार के नेतृत्व में मानव बल सुरेंद्र महतो, मो. अनवारुल, शंभू शरण सिंह, मो. ताहिर आदि ने नगर परिषद क्षेत्र में रविवार को छापेमारी कर तीन उपभोक्ताओं को बिजली चोरी कर उपयोग करते रंगेहाथ पकड़ा। छापेमारी दल ने बंगाली टोला वार्ड संख्या 24 में सचिन यादव पिता अशोक कुमार के घर छापेमारी की। जिसमें 28 हजार 146 रुपए बकाया बिल के कारण कटे विद्युत कनेक्शन के बावजूद अवैध रूप से टोका लगाकर बिजली का उपयोग करते पकड़ा।

22वीं बिहार राज्य सब-जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता के लिए टीम रवाना

AGENCY SAHARSA : जिला कबड्डी संघ सहरसा के सचिव आशिष रंजन सिंह ने बताया बिहार राज्य कबड्डी संघ केञ तत्वाधान में आयोजन दरभंगा जिला कबड्डी संध एव किडस हेवन पब्लिक स्कूल के द्वारा आगामी 10 मार्च से 12 मार्च 2025 तक 22 वीं बिहार राज्य सब जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता जो नेहरू स्टेडियम पोलो मैदान लहेरिया सराय के मैदान में रखा गया है।उसे सहरसा स्टेडियम से आज रवाना किया गया है । सिंह ने बच्चों को कहा जीत हार मायने नहीं रखती बस अच्छा खेल और सभ्यता का परिचय साथ ही साथ सहरसा का मान बढ़ते हुए आना। ज्ञात हो कि जिले में कबड्डी संघ द्वारा नियमित अभ्यास कराकर खिलाडियो को प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिसके कारण स्थानीय खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे है।वही जिले का नाम रौशन किया जा रहा है।

फारबिसगंज में श्रीठाकुर अनुकूलचंद्रजी के 137वें जन्मोत्सव पर निकाली गई शोभायात्रा

AGENCY ARARIYA : फारबिसगंज में श्री ठाकुर अनुकूलचंद्रजी का 137वां जन्मोत्सव रविवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह के वेला में आईटीआई कॉलेज के पास स्थित मंदिर सह सत्संग केंद्र से एक शोभायात्रा निकाली गई,जो पूरे शहर का परिक्रमा करते हुए पुनः सत्संग केंद्र में आकर समाप्त हुई।गाजे बाजे और वन्दे पुरुषोत्तम के नारे के साथ निकले श्रद्धालु झूमते नाचते गाते नजर आए। शोभायात्रा जुलूस में जगह जगह अनुयायियों ने पुष्प वर्षा के साथ शोभायात्रा में शामिल भक्तों के बीच शरबत,पानी और चॉकलेट आदि का वितरण किया।

शोभायात्रा जुलूस के बाद मंदिर सह सत्संग केंद्र में आयोजित धर्म सभा का आयोजन हुआ।जिसमें बिहार के विभिन्न जिलों के साथ पश्चिम बंगाल और नेपाल से आए श्रद्धालुओं ने अपनी भागीदारी दी। मौके पर कटिहार से आए बालमुकुंद चौधरी उर्फ मिस्टर दा ने अपने संबोधन में कहा कि अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाकर जो हमें बचने -बढ़ने का सही पथ दिखाए वही होतें हैं सद्गुरु। इससे पूर्व उत्सव की शुरूआत सुबह उषा कीर्तन पश्चात सामूहिक प्रार्थना से हुई।

मधुबन में नशेड़ियो ने 13 वर्षीय किशोर की चाकू गोदकर की हत्या

AGENCY CHAMPARAN : जिले के मधुबन थाना क्षेत्र में नशेड़ियो ने एक 13 वर्षीय बच्चे की चाकू गोद कर हत्या कर दी। मृतक टीकम गांव निवासी जगदीश ठाकुर का बेटा सोनू कुमार उर्फ गोलू है। जानकारी के अनुसार सुलेशन सुंघने वाले नशेड़ियो के गैंग ने किशोर से पैसे की मांग की, नही देने पर उसको से चाकू मार कर हत्या कर दी। मृतक के पिता के अनुसार शनिवार की देर रात उनका पुत्र सोनू मेरे सैलून दुकान से साइकिल से घर लौट रहा था। इसी बीच ब्लॉक गेट के पास 3-4 किशोरों ने उसे घेर कर पैसे की मांगने लगे। सोनू ने मना कर दिया। इस पर बदमाशों ने उस पर चाकू से कई वार कर दिए।स्थानीय लोगों की मदद से घायल सोनू को मधुबन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही सोनू ने दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार मधुबन ब्लॉक कार्यालय के पास नाबालिग नशेड़ी अक्सर सुलेशन सूंघते हैं। वे राहगीरों और बच्चों से पैसे छीनते हैं। पूर्व में भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं।

प्रदर्शन पटना में तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर साधा निशाना, कहा-

गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र देने का हमारा था आइडिया

AGENCY PATNA : 65 फीसद आरक्षण की मांग को लेकर पटना में धरने पर बैठे तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ऐतिहासिक गांधी मैदान में शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपा है। इसपर तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि गांधी मैदान में ज्वाइनिंग लेटर बांटने का आइडिया भी मेरा ही थी। राजद दफ्तार के बाहर सैकड़ों पार्टी कार्यकताओं और नेताओं के साथ धरने पर बैठे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि 2020 के चुनाव में हमने कहा था कि सरकार बनी तो बेरोजगारी दूर करने के लिए 10 लाख सरकारी नियुक्तियां होंगी। इसके पहले कोई बेरोजगारी की चर्चा नही करता

था। इसके पहले हमने बेरोजगारी मुक्ति यात्रा निकाली थी लेकिन कोरोना के कारण स्थगित करना पड़ा था। जब एनडीए की सरकार बनी तो किसी ने रोजगार पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन जब हमारी सरकार बनी तो पांच लाख नौकरी दी और गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र बंटवाया। इसके साथ ही जातिगत गणना कराया। उस वक्त कोई प्रश्नपत्र लीक नही हुआ। स्वास्थ्य विभाग में डेढ़ लाख नौकरी की व्यवस्था की,जिस पर आजतक नही नियुक्ति हुई।

तेजस्वी यादव ने भाजपा को आरक्षण,संविधान, लोकतंत्र विरोधी बताया और बजट में पलायन रोकने, गरीबी खत्म करने, रोजगार देने की कोई चर्चा नहीं की। गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र बांटने का आइडिया भी हमने ही दिया था,जिसको आज क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज आरक्षण हुआ होता तो 51 हजार में से 8222 पिछड़े अति पिछड़े लोगों को रोजगार मिला होता। उन्होंने सवाल किया कि 9 माह तक क्यों नहीं आरक्षण को तमिलनाडु के तर्ज पर नौंवी अनुसूची में नहीं डाला गया। आरक्षण की लड़ाई को तेजस्वी लड़ेगा और इसे मुकाम तक पंहुचाएगा। इसे जगह-जगह पार्टी कार्यकर्ता पहुंचाए।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार रोजगार व नौकरी सृजन में बना अग्रणी : उमेश कुशवाहा

AGENCY PATNA : बिहार प्रदेश जनता दल (यू0) के अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को बयान जारी कर शिक्षक भर्ती के तृतीय चरण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले 51 हजार से अधिक शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारे नेता की दूरदर्शी नीतियों के कारण सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में निरंतर रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को रोजगार और नौकरी सृजन में अग्रणी राज्य बताते हुए कहा कि सूबे की सरकार युवाओं के भविष्य को संवारने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस सहित अन्य विभागों में व्यापक पैमाने पर तेजी से भर्तियां

हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश सरकार में अब तक तकरीबन 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियों में नियुक्ति हो चुकी है। हमारे नेता का लक्ष्य 2025 चुनाव से पहले कुल 12 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी से जोड़ने का है। इसके अलावे 38 लाख रोजगार सृजन की दिशा में भी सरकार तेजी से अग्रसर है। शिक्षक नियुक्ति की सबसे खास बात यह है कि कुल चयनित प्रारभिक शिक्षको में 56 फीसदी सिर्फ महिलायें हैं, यह आँकड़ें राज्य में महिला सशक्तिकरण के भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। राजद पर भी हमला बोलते हुए उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि जिन लोगों ने अपने शासनकाल में नौकरियां देने के बजाय जंगलराज स्थापित किया, वह अब झूठा श्रेय बिटोरकर जनता को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राजद की सरकार में रोजगार के बदले रिश्वतखोरी का दौर था। लैंड फॉर जॉब घोटाला लालू परिवार की भ्रष्ट राजनीति का सबसे बड़ा उदाहरण है। 15 वर्षों के शासन में सरकारी नौकरियां भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गईं और उद्योग-धंधे चौपट होने से युवाओं को मजबूरन पलायन करना पड़ा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रवैया

इस बार चुनाव जीतने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रवैया इस रूप में सामने आ रहा है, जो पूरी दुनिया को चौंकाता है। कई देशों पर अधिक टैरिफ लगाने की उनकी घोषणा से हलचल मची हुई है। ट्रंप अपने इस कार्यकाल में वे सारे काम करने को उतावले हैं, जो पिछली पारी में नहीं कर पाए थे, लेकिन वह अपने कथनों और फैसलों को लेकर अस्थिर और अविश्वसनीय भी दिख रहे हैं। वह उन सभी देशों पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा कर रहे हैं, जो अमेरिका पर अधिक आयात शुल्क लगाते हैं। इसकी शुरूआत उन्होंने मेक्सिको, कनाडा और चीन से की, लेकिन फिर उन्होंने मेक्सिको और कनाडा पर टैरिफ लगाना एक माह के टाल भी दिया। यह साफ है कि वह व्यापार घाटे को खत्म करने की जल्दी में हैं। उनकी ओर से छेड़े गए टैरिफ वार का शायद चीन पर सबसे अधिक असर पड़ेगा। उसने पलटवार करते हुए अमेरिका पर टैरिफ बढ़ाते हुए कहा है कि वह उसके साथ हर तरह की जंग लड़ने को तैयार है। यदि ट्रंप के टैरिफ बढ़ाने के जवाब में चीन की तरह अन्य देशों ने भी टैरिफ बढ़ाया तो अमेरिका को इन देशों से आने वाली वस्तुएं महंगी मिलेंगी या फिर अन्य किसी देश से खरीदने पड़ेंगी। इससे बेपरवाह ट्रंप यह जताना चाहते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बचाने में वही सक्षम हैं। उनके अड़ियल रवैए से यही लग रहा है कि विश्व भर में स्टाक मार्केट में उथलपुथल का जो दौर शुरू हुआ, वह आगे भी जारी रहेगा। ट्रंप ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में भारत का नाम न जाने कितनी बार ले चुके हैं। गत दिवस उन्होंने फिर भारत को बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने वाला देश बताते हुए यह दावा किया कि भारत टैरिफ में उल्लेखनीय कमी करने को तैयार हो गया है, जबकि भारत की ओर से ऐसी कोई घोषणा नहीं की गई है। वैसे भी अभी टैरिफ के मुद्दे पर दोनों देशों में वार्ता जारी है। इसके पहले ट्रंप ने घोषणा की थी कि वह 2 अप्रैल से भारत पर पारस्परिक टैरिफ लगाएंगे, जबकि प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात में यह तय हुआ था कि दोनों देश शीघ्र ही व्यापार समझौता करेंगे। ट्रंप मूलतः एक व्यवसायी हैं। वह भारत सहित अन्य देशों के रिश्तों को केवल आर्थिक चश्मे से देख रहे हैं। फिलहाल भारतीय उद्योगपति मान रहे हैं कि अमेरिका की ओर से टैरिफ बढ़ाने से भारतीय निर्यात पर अधिक असर नहीं पड़ेगा, लेकिन ट्रंप के मनमाने रवैए को देखते हुए यह कहना कठिन है कि ऐसा ही होगा। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है। पिछले साल दोनों देशों का व्यापार 130 अरब डालर था। दोनों देश 2030 तक इसे 500 अरब डालर तक ले जाना चाहते हैं। दोनों देशों के कारोबारियों ने एक-दूसरे के यहां भारी निवेश कर रखा है। इसके अलावा बड़ी संख्या में भारतीय नौकरी के लिए अमेरिका जाते हैं, लेकिन अनेक ऐसे भी हैं, जो वहां अवैध तरीके से जाते हैं। ट्रंप अपने यहां अवैध रूप से पहुंचे भारतीयों को निकालने में लगे हुए हैं। वैसे तो ऐसे भारतीय पहले भी वहां से निकाले गए हैं, लेकिन इस बार ट्रंप उन्हें बहुत अपमानजक तरीके से निकाल रहे हैं। वे उन्हें हथकड़ी-बेडी लगाकर भेज रहे हैं। माना जाता है कि ऐसा करके वह भारत को यह राजनीतिक संदेश दे रहे हैं कि उसे आर्थिक-व्यापारिक मामले में उनके समक्ष झुकना ही पड़ेगा। देखना है कि भारत उनका सामना किस तरह करता है? ट्रंप यूक्रेन और रूस की लड़ाई अपनी शर्तों पर खत्म करने में भी जुट गए हैं। इससे यूक्रेन असहाय सा दिख रहा है। यह पहली बार नहीं, जब अमेरिका ने किसी देश को पहले सहायता देकर बाद में अधर में छोड़ा हो। ट्रंप और उनके साथियों ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का जिस तरह व्हाइट हाउस में अपमान किया, वह अप्रत्याशित है। ऐसा व्यवहार अमेरिका जैसे देश को शोभा नहीं देता। इस व्यवहार से यही धारणा बनी कि ट्रंप अक्खड़ हैं और उन पर भरोसा करना खतरे से खाली नहीं। ट्रंप और पुतिन के संबंध पहले से ही प्रगाढ़ रहे हैं। यह साफ है कि वह अमेरिका और रूस की तनातनी आगे नहीं बढ़ाना चाहते, लेकिन इस फेर में यूक्रेन का संकट और यूरोप की चिंता तो बढ़ ही रही है, भरोसेमंद देश के रूप में अमेरिका की छवि भी नष्ट हो रही है। ट्रंप कितने अस्थिर हैं, इसका पता इससे चलता है कि अब वह रूस पर भी नए प्रतिबंध लगाने की बात कर रहे हैं। ट्रंप ने बीते 40 दिनों में धड़ाधड़ प्रशासनिक आदेशों के जरिये जो तमाम फैसले लिए हैं, उनमें से अनेक का विरोध हो रहा है और कुछ पर तो अदालतों ने रोक भी लगा दी है। अमेरिकी न्यायपालिका स्वतंत्र और सशक्त है। उसके समक्ष ट्रंप मनमानी नहीं कर सकते। हैरानी नहीं कि उनके कई फैसले अधर में पड़ जाएं। तथ्य यह भी है कि उनके कुछ फैसलों का जब तक संसद से अनुमोदन नहीं होता, तब तक उन पर अमल संभव नहीं। ट्रंप ने खर्च घटाने के लिए जिस सरकारी दक्षता विभाग की कमान कारोबारी एलन मस्क को सौंपी है, उसकी अनुशंसा से वह अमेरिकी एजेंसी यूएसएड के जरिये विश्व के अनेक देशों को दी जाने वाली सहायता पर भी रोक लगा रहे हैं। उन्होंने कई देशों को विभिन्न मदों में दी जा रही अमेरिकी सहायता को लेकर अपने ही लोगों को भ्रष्टाचार में लिप्त बता दिया है। पता नहीं उनके दावों में कितना सच है, लेकिन कई मामलों से यह प्रश्न उठता है कि यूएसएड विभिन्न देशों को सहायता दे रहा था या फिर वहां अनुचित दखल दे रहा था?

लोक रंगों का महापर्व होली

ANALYSIS

मनोज कुमार मिश्र

गुलाबी ठंड, खेत पीले सरसों से भरे पड़े, उस पर मंडराते भौंरे, गेहूं की बालियां, हर तरफ फूल ही फूल, फिजां में मस्ती बिखेरते हैं। अपना देश विविधताओं का देश है। तरह-तरह की भाषा-बोली, पहनावा, खानपान और सैकड़ों पर्व-त्योहारों को हम सभी साल भर मनाया करते हैं। अनेक त्योहार देश के सर्वाधिक राज्यों में उत्साह से मनाया जाता है। होली भी देश के ज्यादातर राज्यों में मनाया जाने वाला त्योहार है। होली की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह हर वर्ग और खासकर गरीब तबके का सबसे लोकप्रिय पर्व है। ब्रज की होली की लोकप्रियता आज भी कायम है। देश-दुनिया से बड़ी तादाद में लोग मथुरा, वृंदावन, बरसाना, नंदगांव और भगवान कृष्ण और राधा-रानी से जुड़ीं जगहों पर आते हैं। इसकी तैयारी महीनों पहले शुरू हो जाती है। किसी अनजान व्यक्ति को यह आश्चर्य लगेगा कि बड़ी तादाद में लोग कृष्ण भक्त गोपियां बनी ब्रज की महिलाओं के साथ होली खेलने और उनके डंडे झेलने (लट्ठमार होली) के लिए दूरदराज से समय और पैसे खर्च करके आते हैं। यह संख्या लाखों में होती है। मान्यता है कि सभी लोग वहां इस अनुभव के लिए जाते हैं कि जैसे उन्होंने राधा-कृष्ण के साथ होली खेल ली।

कहा जाता है कि वसंत ऋतु को ऋतुओं का राजा की मान्यता देने के लिए बाकी पांच ऋतुओं ने अपने में से कुछ-कुछ दिन दे दिए, इसीलिए वसंत ऋतु का आगमन विद्या और कला-संगीत की देवी मां सरस्वती के पूजन यानी वसंत पंचमी के साथ शुरू होता है। कायदे में भारतीय (हिंदू) कैलेंडर के हिसाब से सभी छह ऋतुएं- वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत और शिशिर, दो-दो महीने की होती हैं, लेकिन वसंत करीब ढाई महीने का होता है। महीनों का निर्धारण विक्रमी संवत से होता है। सभी ऋतुओं की पहचान मौसम से होती है। वसंत के आगमन की सूचना वातावरण में मस्ती से होता है और वह फाल्गुन पूर्णिमा को होली (पूर्वांचल में फगुआ और आम बोलचाल में होरी) के दिन शीर्ष पर पहुंच जाता है। वातावरण में फूलों की महक भी वसंत के होने का एहसास कराती है। गुलाबी ठंड, खेत पीले सरसों से भरे पड़े, उस पर मंडराते भौंरे, गेहूं की बालियां, हर तरफ फूल ही फूल, फिजां में मस्ती बिखेरते हैं। अपना देश विविधताओं का देश है। तरह-तरह की भाषा-बोली, पहनावा, खानपान और सैकड़ों पर्व-त्योहारों को हम सभी साल भर मनाया करते हैं। अनेक त्योहार देश के सर्वाधिक राज्यों में उत्साह से मनाया जाता है। होली भी देश के ज्यादातर राज्यों में मनाया जाने वाला त्योहार है। होली की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह हर वर्ग और खासकर गरीब तबके का सबसे लोकप्रिय पर्व है। ब्रज की होली की लोकप्रियता आज भी कायम है। देश-दुनिया से बड़ी तादाद में लोग मथुरा, वृंदावन, बरसाना, नंदगांव और भगवान कृष्ण और राधा-रानी से जुड़ीं जगहों पर आते हैं। इसकी तैयारी महीनों पहले शुरू हो जाती है। किसी अनजान व्यक्ति को यह आश्चर्य लगेगा कि बड़ी तादाद में लोग कृष्ण भक्त गोपियां बनी ब्रज की महिलाओं के साथ होली खेलने और उनके डंडे झेलने (लट्ठमार होली) के लिए दूरदराज से समय और पैसे खर्च करके आते हैं। यह संख्या लाखों में होती है। मान्यता है कि सभी लोग वहां इस अनुभव के लिए जाते हैं कि जैसे उन्होंने राधा-कृष्ण के साथ होली खेल ली। इसके अलावा हर राज्य में अलग-अलग तरीके से होली खेली और

गीत गाए जाते है। अलग-अलग तरह के पकवान खासकर होली के लिए बनाए जाते हैं। इतना ही नहीं, अलग-अलग इलाकों में होली का नाम भी अलग है और मनाने के तरीके भी अलग है। दीपावली की तरह होली भी सालों पहले देश की सीमा पार कर अनेक देशों का बड़ा पर्व बन गया है। नेपाल तो हाल ही तक दुनिया का अकेला हिंदू देश था। वहां तो अपने देश की तरह होली पर सार्वजनिक अवकाश होता है। दुनिया के अन्य देशों में जहां भारतवंशी रहते हैं, वहां होली उत्साह से मनाई जाती है। होली मिलन समारोह भी कई देशों में आयोजित होते हैं। प्रचलित कथा है कि दैत राजा हिरण्यकश्यप अपने को ही भगवान मानता था और अपनी प्रजा से इसे मनवाता था। उसने भीषण तपस्या कर अपने को अमर होने का वरदान पा लिया था। उसे वरदान था कि वह न तो दिन में और न ही रात में, न तो अस्त्र से और न ही शस्त्र से, न तो घर में न ही बाहर, न ही मनुष्य से न ही जानवर से मारा जा सकता है। उससे ठीक विपरित उसका पुत्र प्रह्लाद नारायण भक्त था। वह उसे भगवान मानने को तैयार न था। वह नारायण का भक्त था। उसे मारने के लिए हिरण्यकश्यप ने हर उपाय किए, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। उसने बहन होलिका को प्रह्लाद को मारने के लिए जिम्मेदारी दी। उसे जलती आग में होलिका लेकर बैठी। नारायण ने होलिका को ही जला कर भक्त प्रह्लाद की रक्षा की। बाद में उन्होंने नरसिंह अवतार लेकर हिरण्यकश्प का अंत किया। कहते हैं कि तभी से होलिका को जलाने और उसकी राख से दूसरे दिन होली खेल कर खुशी मनाने की परंपरा चली। होली से भगवान कृष्ण की कथा भी जुड़ी है। वैसे बाद में राख के साथ-साथ रंग और गुलाल से होली खेलने की परंपरा चल पड़ी। कई इलाकों में गुलाब की पंखुड़ियों आदि से भी होली खेली जाती है। रंग के साथ-साथ पानी को कीचड़ के साथ होली खेलने की परंपरा भी चल पड़ी है। दरअसल, होली मेल-मिलाप और संबंधों को बेहतर बनाने का भी त्योहार है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा,असम और पूर्वांचल के राज्यों में होली खेलने की विधिवत शुरूआत वसंत पंचमी यानी सरस्वती पूजा से होती है। सरस्वती पूजा के दूसरे दिन मां सरस्वती की प्रतिमा के विसर्जन में एक दूसरे को खूब गुलाल लगाते हैं। यह परंपरा दुर्गा पूजा, काली पूजा, विश्वकर्मा पूजा के बाद प्रतिमाओं के विसर्जन के दिन भी होता है। वैसे तो बिहार आदि पूर्वांचल के राज्यों में दूल्हे की विदाई ही नहीं किसी किसी रिश्तेदार की विदाई पर भी रंग-गुलाल लगाने की परंपरा है। किसी को विदाई में सफेद कपड़ा देना अपशगुन माना जाता है, इसलिए किसी की विदाई में देने वाले कपड़ों को लाल-पीले रंगों से रंग कर ही देते हैं। तभी तो बिहार के गांवों में होली के दौरान यह भी प्रचलित गीत गाया जाता है- भर फागुन बूढ़ऊ देवर लगी हें। होली में अपने इलाके के वीरों का भी बखान किया जाता है- बाबू हो कुंवर सिंह टेगवा बहादुर बंगला में उड़ेला अबीर। पूर्वांचल (बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश) के गांवों में पूरे फाल्गुन (आम बोलचाल में फागुन) में रात को किसी के दरवाजे पर होली के गीत गाने का रिवाज है। होली के दिन तो सवेरे लोग होली खेलते हैं और दोपहर से अलग-अलग टोलियों में हर दरवाजे जाकर होली गाते और होली मिलन करते हैं। उस दौरान गायकों को सूखे मेवे देने का रिवाज है। बड़े गांवों में तो दरवाजे-दरवाजे जाते हुए आधी रात होने पर लोग चैता (बीतले फगुनवा आहो चैता अइले हो राम) गाने लगते हैं। होली के दूसरे दिन से चैत की शुरूआत होती है। 15 दिन बाद से नया हिंदू संवत या नए साल की शुरूआत होती है। उसी दिन से चैत नवरात्र की शुरूआत भी होती है। पहले दिन यानी होलिका दहन के दिन उपले आदि इकट्ठा करके शाम को उसे जलाते हैं। उस आग में नई फसल गेहूं, जौ, चना आदि को भूनते हैं। होलिका को गाली देने के बहाने गाली गाने का भी रिवाज सालों से चल रहा है। होली के लिए तरह-तरह के पकवान बनने की तैयारी काफी समय से परिवार के लोग और खासकर महिलाएं करती हैं। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब इत्यादि राज्यों में गुजिया बनाने और खिलाने का रिवाज है। पूर्वांचल में चीनी और गुड़ आटा-मैदा से पुआ बनाने और खिलाने का चलन है। पुआ भी कई तरह के बनते हैं। उसके साथ कई इलाकों में कटहल की सब्जी तो मांसाहारी परिवारों में मांसाहार का चलन है। होली में उदंडता बढ़ने का एक बड़ा कारण भांग और शराब का सेवन है। होली मनानेवाले परिवारों में तो शायद ही कोई ऐसा घर होगा, जिसके यहां होली पर पकवान न बनते हों। यह परंपरा तो लोगों ने शहरों में भी निभाई जा रही है। होली के गाने के बोल देशभर में एक ही रहते हैं, भाषा जरूर बदल जाती है। राम खेले होरी लक्षमन खेले होरी, लंकागढ में रावन खेले होली, यह भोजपुरी में है, लेकिन यह हर इलाके और भाषा में अलग टोन से, अलग शब्दों से गाया जाता है। गांवों में तो महीने भर होली गई जाती है, लेकिन शहरों में दिवाली की तरह होली मिलन का आयोजन महीने भर तक चलता रहता है। होली गिले-शिकवे दूर करने का भी त्योहार है। हिंदी सिनेमा के होली के गाने सबसे ज्यादा लोकप्रिय गानों में हैं, बल्कि एक समय सिनेमा के हिट होने का एक फामूर्ला होली के गाने को माना जाता था।

'छावा' ने तमाम भारत भक्तों को किया आकर्षित

सिनेमा दृश्य-श्रव्य माध्यम है। यह करोड़ों को रोजगार देता है और प्रतिभाशाली लोगों को सृजन के अवसर। लेकिन, बड़े पर्दे के सिनेमा के दर्शक घटे हैं। सोशल मीडिया में अनेक रास्तों से फिल्मी दृश्य और गाने सुने-देखे जा सकते हैं। एक तरह से बहुत बड़े हाल में बैठकर अपनों के साथ फिल्म देखने का अवसर अब नहीं रहा। इधर तीन-चार फिल्में ऐसी आईं, जिनमें हिंसा का अतिरेक था। कुछ वेब सीरीज में भी हिंसा और गोलियों की बौछार है। ऐसे कथानक कला का आनंद नहीं देते। सभी कलाएं आनंद मार्गी हैं। गीत-संगीत चित्त में आनंद रस का सृजन करते हैं। कुछ फिल्मों की कहानी भी रुचि पैदा करती है। सिनेमा अभी लाखों दर्शकों को सम्मोहित करता है। इस पर देश के जागरूक लोगों को खुशी मनानी चाहिए कि तमाम आधुनिक उपकरणों और तरीकों के बावजूद सिनेमा अभी भी अपना स्थान पूरी प्रतिष्ठा के साथ बनाए हुए है। इस लिहाज से निर्देशक लक्ष्मण के निर्देशन में बनी फिल्म 'छावा' दर्शकों की वाहवाही लूट रही है। इस वाहवाही के अनेक कारण हैं। केवल फिल्मांकन ही नहीं, यह अभिनय की दृष्टि से भी कमजोर फिल्म नहीं है। कसे संवाद और कलाकारों का अभिनय फिल्म के आकर्षण का कारण है। फिल्म की राष्ट्रीय चर्चा है। इसका मूल कारण औरंगजेब का व्यक्तित्व है। औरंगजेब किसी एक व्यक्ति का नाम भर नहीं है। औरंगजेब का नाम लेते ही लगभग 350-400 साल पहले भारतीय संस्कृति और परंपरा को रौंदने वाले अत्याचारी शासक का चेहरा सामने आ जाता है। कथित सेकुलरों ने औरंगजेब की प्रशंसा में बहुत कुछ लिखा है। वह उसे फकीर और संत सिद्ध करने पर आमादा हैं। औरंगजेब इस देश की संस्कृति को नष्ट करने के लिए ज्यादा जाना गया है। स्वयं ईश्वर की उपासना करता था, लेकिन उसे हिंदुओं को यह छूट देने पर आपत्ति थी। औरंगजेब का एक भाई दारा शिकोह भारतीय संस्कृति और दर्शन का अनुरागी था। अब्बा शाहजहां ने दारा शिकोह के लिए उपनिषद और वेदांत पढ़ने वाले आचार्यों की नियुक्ति की थी। उसके मन में इस संसार को जान लेने की जिज्ञासा थी। पिता ने ऐसी ही व्यवस्था औरंगजेब के लिए भी की थी। औरंगजेब ने अपने अध्यापक आचार्य को चिट्ठी लिखी थी कि मेरे पिता ने आपको मुझे दर्शनशास्त्र पढ़ाने के लिए नियुक्त किया है, जबकि दर्शन में कोई लाभप्रद बात है ही नहीं। जो विषय समझ में नहीं आते जो, समझने और याद करने में क्लिष्ठ होते हैं, वही दर्शन शास्त्र है। अच्छा होता कि आप मुझे शहर में घेरा डालने की विधि समझाते। औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को भी जेल में डाल दिया था। फिल्म छावा में भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण अंश को दशार्या गया है। फिल्म के मुख्य अभिनेता विकी कौशल के अभिनय की भी प्रशंसा हो रही है। औरंगजेब के व्यक्तित्व को पर्दे पर उतारने के लिए अतिरिक्त साहस और बुद्धि की आवश्यकता थी। फिल्म के निर्देशक इस कार्य में सफल हुए हैं। औरंगजेब ने सनातन धर्म के सभी नियमों, आस्था और विश्वास को खत्म करने का काम किया था। काशी का मंदिर ध्वस्तीकरण औरंगजेब के काले कारनामों में से एक है। मूर्ति पूजा और मंदिरों में जाना औरंगजेब की निगाह में अपराध था। हम भारत के लोग औरंगजेब की प्रशंसा नहीं सुन सकते। छत्रपति शिवाजी आराध्य हैं। फिल्म में छत्रपति शिवाजी के पुत्र की भूमिका बहुत अच्छे तरीके से की गई है। फिल्म की कहानी का मूल आधार शिवाजी सावंत द्वारा लिखे गए उपन्यास छावा पर आधारित है। इस फिल्म ने तमाम भारत भक्तों को आकर्षित किया है। इसके अलावा औरंगजेब के मूल चरित्र को भी उजागर किया है। हम भारत के लोग विजय पर्व दशहरा का उत्सव मनाते हैं। रावण के पुतले को आग लगाते हैं। इसलिए कि रावण भारतीय ज्ञान परंपरा में खलनायक माना जाता है। विजयादशमी के दिनों में देश के कोने-कोने रामलीलाएं होती हैं। देश में अत्याचार करने वाले किसी भी आताताई अपराधी की उपासना की अपेक्षा हमसे क्यों की जाती है। औरंगजेब भारतीय मध्यकाल के इतिहास का खलनायक था। लेकिन, सेकुलर समूह औरंगजेब की छवि को लेकर चिंतित दिखाई पड़ते हैं। भारत की संस्कृति सभी कलाओं से भरी पूरी है। भारतीय सिनेमा भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। यूनानी दार्शनिक अरस्तू ने लिखा है कि कला प्रकृति की अनुकृति है। यह सही बात है। अनुसरण से कलाओं का विकास हुआ है। लेकिन, भारतीय कला के शतपथ ब्राह्मण की परिभाषा जान लेने लायक है-यो वे रुपम् तत शिल्पम परम सत्ता सब तरफ रूप रूप प्रतिरूप हो रही है। सिनेमा में तमाम प्रतिभाओं का श्रम जुड़ता है। सिनेमा आकर्षित करता है। सिनेमा के कथानक को लेकर पहले भी विरोध या समर्थन होते रहे हैं। पद्मावत फिल्म के विरोध का किस्सा लोगों को मालूम है। उस समय महारानी की छवि वैसी नहीं दिखाई गई, जैसी वास्तव में है। कश्मीर फाइल्स को पूरे देश ने बहुत ध्यान से देखा था। इस कहानी में कश्मीरी पंडितों के उत्पीड़न को फिल्माया गया था। यहां भी फिल्म के विरोधी कश्मीरी पंडितों के उत्पीड़न के प्रकाश में आ जाने से नाराज थे। द केरला स्टोरी नाम की फिल्म पर लगातार विवाद होता ही रहा है। दरअसल, फिल्म निर्माण के कार्य में प्रतिभाएं सुव्यवस्थित काम करती हैं। बेशक सिनेमा किसी न किसी रूप में समाज का सच दिखाता है। फिल्मकार बेशक इतिहास आधारित फिल्म निर्माण भी करते हैं, लेकिन वह इतिहास से निर्देशित नहीं होते। इतिहास की कथाएं भी इसी तरह की हैं। भारत का अब तक का उपलब्ध इतिहास अतिरेकों से भरा पूरा है। कुछ विद्वानों का कहना है कि इतिहास के पात्रों को हम फिल्म का विषय बनाकर अच्छा नहीं करते। इतिहास भूतकाल की स्मृतिजन्य विरासत है, लेकिन अब तक लिखे गए सभी इतिहासों में तथ्यों को छिपाने या अधिक उजागर करने के आरोप लगाते हैं। भारतीय इतिहास का विरूपण हुआ है।

Social Media Corner

सच के हक में...

वन्यजीव प्रेमियों के लिए आश्चर्यजनक खबर! भारत वन्यजीव विविधता और वन्यजीवों का जश्न मनाने वाली संस्कृति से धन्य है। हम हमेशा जानवरों की रक्षा करने और एक स्थायी ग्रह में योगदान देने में सबसे आगे रहेंगे।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

देश के माननीय उप राष्ट्रपति आदरणीय श्री जगदीप धनखड़ जी के अस्वस्थ होने की खबर मिली। मरांग बुरु से आदरणीय श्री धनखड़ जी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

हेमंत सोरेन की सरकार आदिवासियों के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं दिख रही है। सिरमटोली फ्लाईओवर का निर्माण कई वर्षों से जारी है, जिसके प्रस्तावित रैम्प से सरना स्थल को खतरा है। यदि हेमंत सोरेन वास्तव में आदिवासी समाज के हितों के प्रति प्रतिबद्ध होते, तो पहले ही कोई वैकल्पिक समाधान निकालते। लेकिन वे केवल आदिवासी हितैषी होने का दिखावा करते हैं और आदिवासी हितों के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाते हैं।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

हिंसा पर कब टूटेगी समाज की चुप्पी

देश में कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर बीते कुछ वर्षों में कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मयार्दा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, आधी दुनिया के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है। इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं हो रही है, जिसके वो हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि महज कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने से रहे, जब तक उनका ईमानदारीपूर्वक कड़ाई से पालन न किया जाए। ऐसे मामलों में पुलिस-प्रशासन की भूमिका भी अनेक अवसरों पर संदिग्ध रहती है। पुलिस किस प्रकार ऐसे अनेक मामलों में पीड़िताओं को ही परेशान करके उनके जले पर नमक छिड़कने का कार्य करती है, ऐसे उदाहरण अक्सर सामने आते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों के मद्देनजर अपराधियों के मन में पुलिस और कानून का भय कैसे उत्पन्न होगा और कैसे महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों में कमी की उम्मीद की जाए। जरूरत इस बात की महसूस की जाने लगी है कि पुलिस को लैंगिक दृष्टि से संवदेनशील बनाया जाए, ताकि पुलिस पीड़ित पक्ष को पर्याप्त संबल प्रदान करे और पीडिताएं अपराधियों के खिलाफ खुलकर खड़ा होने की हिम्मत जुटा सकें, साथ ही जांच एजेंसियों और न्यायिक तंत्र से भी ऐसे मामलों में तत्परता से कार्रवाई की अपेक्षा की जानी चाहिए। ऐसी घटनाओं पर अंकुश के लिए समय की मांग यही है कि सरकारें मशीनरी को चुस्त-दुरुस्त बनाने के साथ-साथ प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करें कि यदि उनके क्षेत्र में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों के मामलों में कानून का अनुपालन सुनिश्चित नहीं हुआ तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाए। सामने आती दिनदहाड़े छेड़छाड़, अपहरण, बलात्कार या सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग के समान हैं और यह कहना असंगत नहीं होगा कि महज कड़े कानून बना देने से ही महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगने वाला। आए दिन देशभर में हो रही इस तरह की घटनाएं हमारी सभ्यता की पोल खोलने के लिए पर्याप्त हैं। इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि बलात्कार और छेड़छाड़ के जो मामले सामने आ रहे हैं, उनमें बहुत से ऐसे भी होते हैं, जिनमें पीड़िता के परिजन, निकट संबंधी या परिचित ही आरोपी होते हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों में तो यहां तक कहा जा चुका है कि करीब 97 फीसदी मामलों में महिलाएं अपनों की ही शिकार होती हैं और यह समस्या सिर्फ दिल्ली तक ही सीमित नहीं है, बल्कि महिला अपराधों के मामले में पूरी दुनिया की यही तस्वीर है। जहां देश में हर 53 मिनट में एक महिला यौन शोषण की शिकार होती है और हर 28 मिनट में अपहरण का मामला सामने आता है, वहीं संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में प्रत्येक तीन में से एक महिला का कभी न कभी शारीरिक शोषण होता है। दुनिया में करीब 71 फीसदी महिलाएं शारीरिक मानसिक प्रताड़ना अथवा यौन शोषण व हिंसा की शिकार होती हैं। दक्षिण अफ्रीका में हर छह घंटे में एक महिला को उसके साथी द्वारा ही मौत के घाट उतार दिया जाता है और अमेरिका में भी इसी प्रकार कई महिलाएं हर साल अपने ही परिचितों द्वारा मार दी जाती हैं। जहां तक पीड़िताओं को न्याय दिलाने की बात है, तो इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग काफी समय से उठती रही है, किंतु हमारा सिस्टम कछुआ चाल से रेंग रहा है। ऐसे मामलों में कठोरता बरतने के साथ-साथ त्वरित न्याय प्रणाली की भी सख्त जरूरत है, ताकि महिला अपराधों पर अंकुश लग सके। आज अगर समाज में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के बावजूद महिलाओं के प्रति अपराध और संवेदनहीनता के मामले बढ़ रहे हैं तो हमें यह जानने के प्रयास करने होंगे कि कमी हमारी शिक्षा प्रणाली में है या कारण कुछ और हैं।

विविधता की जरूरत

फरवरी में मासिक सेवा क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के तेजी बढ़कर 59 पर पहुंच जाने से निवेशकों और नीति निमार्ताओं को राहत मिली है। यह राहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा चालू वित्त वर्ष की दिसंबर वाली तिमाही के लिए जारी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के विकास दर में हुई बढ़ोतरी के आंकड़ों के बाद मिली है। सेवा पीएमआई में हुए इस मजबूत सुधार से मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई में हुई गिरावट की भरपाई करने में मदद मिली है। सेवा पीएमआई जनवरी में 25 महीने के न्यूनतम स्तर 56.5 से ज्यादा हो गई है। फरवरी में मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई 14 महीने के न्यूनतम स्तर 56.3 पर आ गई थी। पीएमआई का 50 से ऊपर रहना विस्तार का संकेत देता है, जबकि इससे कम रहना संकुचन का सूचक होता है। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा हर महीने 40 से ज्यादा देशों में किया जाने वाला पीएमआई सर्वेक्षण आर्थिक रफ्तार का एक प्रमुख संकेतक है। यह एक सकारात्मक तथ्य है कि 2010 से भारत के जीडीपी में लगभग 80 फीसदी का योगदान देने वाले मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र विस्तार की स्थिति में बने हुए हैं। भारतीय बाजारों से पूंजी की निकासी के बावजूद यह दृढ़ता कायम है, जो यह दशार्ता है कि देश की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है। दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती का एक और स्पष्ट संकेतक सेंसेक्स की तिमाही आय है। सेंसेक्स भारत का मानक (बेंचमार्क) सूचकांक है, जिसमें बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) की 30 सबसे मूल्यवान और सक्रिय रूप से कारोबार करने वाली कंपनियां शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही (क्यू3एफवाई25) के नतीजे लगभग सभी कंपनियों के शुद्ध लाभ में ठोस वृद्धि की ओर इशारा करते हैं। हालांकि आर्थिक खतरे अभी भी बरकरार हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित पारस्परिक शुल्क (टैरिफ), जो कि अप्रैल से अमल में आने वाला है, का खतरा मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र के लिए एक चुनौती बन गया है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Punjab crisis: AAP & politics of righteousness

While dealing with the Punjab situation, there is a tendency to quickly term it as a crisis. The term crisis with regard to Punjab was popularised in the 1980s when the Sikh militant movement almost halted the development and governance processes in Punjab. It is still in vogue, though the present conditions in Punjab do not warrant it to be called so. Interestingly, the dramatic crash that the stock exchange has recently experienced is still not being treated as a crisis.Corruption is an all-India phenomenon and Punjab is no exception. But understanding how corruption is the root cause of the crisis in the state requires some serious introspection.The AAP's crusade against corruption after it came to power was noticed and there was a dramatic drop in corrupt practices in government offices. But it turned out to be a temporary pause as within six months of its rule, corruption resumed and, at present, there is hardly any government office where there is no corruption.The corrupt practices resumed largely as rumours of some AAP leaders indulging in corruption began to spread in the state.

It is interesting that after two years of AAP's rule, the issue of corruption has almost disappeared from the state. There seems to be a standard pattern in this silence and it is common to many political parties in power in various states.During the initial phase of the government, the people's representatives are given freedom to make money, for without it, elections cannot be won. When it enters the third year, there is a sudden rise in action against corrupt officials.We have witnessed this crackdown recently, though most of the officials acted against are small fish and there is hardly any intent to catch the big fish. The arrest of a tehsildar by the Vigilance Bureau in Ludhiana led to a strike by the tehsildars. But it was quickly withdrawn after the Punjab government hardened its stance against the striking tehsildars.The issue of corruption is much more serious than we generally think. Instead of distancing themselves from the corrupt tehsildar, his fellow officers endorsed his misdeed by going on strike in his support. This is an indication of a serious moral crisis in the society, where corruption is regarded as functional for everybody.A considerable number of people willingly bribe officials to get their work done. As the slogan goes, corruption breeds cooperation. There are two reasons for bribing officials. First, there are certain anomalies in his/her case that the person wants to cover. Second, people want their work done quickly even if their papers are in order. In such situations, corruption becomes a part of the culture and a permanent institutionalised practice.

Agriculture has been regarded as the mainstay of Punjab since the Green Revolution in the late 1960s. However, the Green Revolution has outlived its advantage and now most of the states are producing grains, though Punjab is still the largest contributor to the Centre's kitty. Agricultural practices have moved to monoculture, in which wheat and paddy have become the major crops. The water-intensive cropping pattern has caused havoc to the underground water table. The AAP government has made some positive efforts to extend canal water, but it has to be a long-term effort.

Despite the efforts of the government to convince the farmers to go for diversification of the cropping pattern, they are not doing so due to lack of expertise and the availability of minimum support price for certain crops.According to the 2022-2023 economic survey of Punjab, the gross state value of agriculture and related services is about 29 per cent employing about 25 per cent of the workers, most of whom are migrant labourers. In contrast, the industry's share is about 25 per cent employing 36 per cent of the workers. And, interestingly, services constitute about 46 per cent employing about 38 per cent of workers.

Agriculture and related services have declined progressively over time. Punjab's economy greatly benefits from the Punjabi diaspora who regularly visit the state and spend money in various ways.

Owing to the uneconomical nature of agriculture, the land market in villages has declined considerably and it has become difficult to find buyers.

Giving cricket a communal spin

It's not surprising that Hindutva enthusiasts use an India-Pak match as a pretext to incite hatred

My friend, Mahesh Narayan Singh, whom I meet every morning while doing exercise, was visibly impressed by our Prime Minister's knowledge of Sufi beliefs and practices. MN, as I call him, felt that PM Narendra Modi was very eloquent, enthusiastic and conciliatory during his recent address to a gathering of Muslims. That is a great change in attitude that Modi should share with his followers in India and even abroad.The hate and divisiveness that have been the hallmark of the ruling dispensation since Modi took charge of the government in 2014 will take much time and effort to eradicate. They manifest themselves almost daily in one corner or the other of the country. The earlier intention may have been to win elections and usher in the rule of Hindutva, but Modi, being an intelligent mass leader, has realised that disunity will destroy India in the long run. Lately, he has been trying to correct the imbalance, especially after his numerous visits abroad.I am doubtful if a leopard can change its spots at any time. When it needs the shelter of foliage to hide those spots from its prey, it will adjust its tactics accordingly. Our Prime Minister has introduced the hug, or the embrace, if you want to call it that, as a form of greeting when meeting other heads of state. That form of greeting has gone down well with rulers of Gulf nations that are overwhelmingly Islamic.But the "modus vivendi" that once characterised relations between our Hindu and Muslim compatriots in India has suffered severe jolts in the last decade. In Mumbai, Mohalla Committee members, representing both major communities, continue to meet every month to foster understanding and friendship, but each has noticed the shift in attitudes and thinking of their brethren in their respective communities.That is not surprising. Modi's followers have targeted the minority community where it hurts the most – their very livelihood. Butchers and cattle traders have been put out of business, but even those who sell only vegetables, fruits or other commonly hawked goods have been specifically prevented from doing so at fairs, though they have been frequenting those places for generations.In a small town on the outskirts of Mumbai, a person passing by a house on February 23, when the India-Pakistan cricket match was being played in Dubai, reported to the police as well as to his friends in the locality that a Muslim boy in that house was rooting for Pakistan. That prompted swift action by cops, who are often accused of lethargy.The 15-year-old boy was detained and despatched to the reformatory for 'correction', while his parents were arrested for allegedly abusing the complainant.The punitive action did not end there. The improvised shed which the boy's parents had constructed to keep scrap (the father is a scrap dealer) was demolished by the panchayat without the 15-day notice mandated by the Supreme Court in a recent judgment. So great was the public anger, according to the authorities, that a similar shed constructed by the man's brother was also reduced to rubble.If such instances of rough and ready 'justice' are not manifestations of the new India proclaimed by the BJP, then what are? Wherever the BJP holds sway, the police, who are often slammed for inaction or belated action when children in schools are molested or young women raped, rush in when VHP or Bajrang Dal operatives complain of 'anti-national' activity of Muslim neighbours, as happened in this case.On February 23, I was torn between my love for horse racing and cricket. I chose the latter simply because our team was taking on Pakistan.

On Sundays, my immediate family meets over lunch. I rushed back home from my daughter's dining table to see the first ball being bowled. (Incidentally, I could not reach home in time — one over had been bowled before I switched on the television).On my way from my daughter's home, I found the streets deserted. This happens whenever Indian and Pakistani teams meet on the cricket field. It is satisfying to assert our superiority in sports. The ancient Greeks thought on those lines when they introduced the Olympic Games, with Zeus, their principal god, looking down from heaven as the chief guest. Presumably, residents of Sparta, Crete and Macedonia, all Greek-speaking, were among the participants.In view of the emotions that an India-Pakistan match evokes, it is not surprising that Hindutva enthusiasts, whose dislike of Muslims surpasses their enthusiasm for cricket, misuse the occasion to incite hatred.What is unacceptable is that the police go to the extent of ignoring the law of the land, which has not criminalised the support of a lad for the underdog as an anti-national manifestation. Further, the action of the sarpanch and the officials who participated in the demolition of the irregular construction without following the proper procedure will surely attract "contempt of court" provisions even if it is felt that the police action of arresting the Muslim couple prevented communal riots.The least that the government can do now is to carry forward Modi's new agenda of better inter-community relations by allotting slivers of land to the father and uncle of the boy who was rooting for the losing team.

Tariff tangle

Litmus test for India's play-it-safe diplomacy

India is racing against time to stop or at least slow down Donald Trump's tariff juggernaut. In line with his 'America First' policy, the US President has announced tit-for-tat action from April 2 against India and other nations that have been imposing higher levies on imports from the US. New Delhi is looking to find an amicable solution to the vexing problem under the framework of a mega trade deal with Washington. Commerce Minister Piyush Goyal is already in the US, holding negotiations regarding the deal, which is expected to be finalised by the year-end. The million-dollar question is: Can India delay the inevitable, and for how long?fter their meeting last month, Trump had lauded Prime Minister Narendra Modi as a "better, tougher negotiator", but he also made it clear that India would not be exempted from reciprocal tariffs. His clinching argument was that "nobody can argue with me" on this issue. However, Delhi continues to hope that Team Modi will pull a rabbit out of the hat in the form of a mutually beneficial outcome.India's diplomatic approach is to play it safe and not infuriate Trump, unlike the belligerent stand adopted by countries like Canada and China. Canadian Prime Minister Justin Trudeau has called American tariffs "very dumb" and accused the US President of appeasing Russia, while Beijing has warned that it is ready to "fight till the end" if the US is hell-bent on waging a tariff or trade war. Ukrainian President Zelenskyy's nightmarish experience at the Oval Office has taught India that things can easily go from bad to worse if you are in Trump's bad books. The US was India's largest trading partner in 2022-23, with the bilateral trade amounting to $190 billion; the two sides are keen to raise it to $500 billion by 2030. The long-term picture might prompt Delhi to bite the tariff bullet.

Address IAF's depleting offensive capability

The sheer lack of numbers, capability gaps in long-range air-to-air missiles and other structural deficiencies in the IAF's air defence networks and sensors are a cause for concern.

The IAF today stands at an inflection point. On the one hand, it has articulated a doctrine that is sweeping in its scope and ambitious in its aspiration. On the other hand, the gap between its articulation and the capability to execute is growing ever so wide. The gap merits serious examination through a concerning lens of an erosion in its offensive capabilities.At around 30 fighter squadrons, the IAF is at its lowest strength ever. And what is more alarming is that the pipeline of fighter replacements is restricted for at least the next five years to a trickle from the Tejas Mk IA assembly lines.It has taken Hindustan Aeronautics Ltd (HAL) almost nine years to deliver the first 40 Mk1 jets. Even a dramatic improvement in the production of the Tejas Mk1A, that doubles the delivery numbers (83) in a little over half the time frame (five years), will only cater to the corresponding phasing out of the existing squadrons (the remaining MiG-21s and Jaguars).Even a speedy finalisation of the multi-role fighter aircraft (MRFA) deal of 114 fighter aircraft will, at best, fructify in deliveries commencing by the end of the decade if it is a government-to-government (G2G) deal. If the process continues its present trajectory, ie a global tendering process, it could take almost a decade to result in deliveries.That alarm bells are ringing in New Delhi is quite apparent by the speedy submission of an inhouse report from the MoD on an 'IAF roadmap for expedited capability enhancement.' While the scope of the report is as expansive as the IAF doctrine, it is too early to assess when the deliverables will start flowing in.By any logical assessment, there are no answers in the short and medium term other than impressing upon the US to ensure that the deliveries of the GE 404 and 414 engines are expedited so that at least the light combat aircraft (LCA) programme is on track.The willingness of the political executive to unshackle the IAF over eastern Ladakh and test its coercive capability at Balakot in 2019 were steps in the right direction. But the two episodes also brought into focus the after-effects of coercion in an adversarial environment of parity or near-parity on both the northern and western fronts.

The sheer lack of numbers, capability gaps in long-range air-air missiles that still exist and other structural deficiencies in the IAF's air defence networks and sensors are a cause for concern. To the IAF's credit, it has done its best to plug these gaps, but there is only so much it can do with the dismal decline in the numbers.

The current inventory of offensive multi-role platforms is about 14-15 SU-30 MkI, three Mirage-2000, three MiG-29 and two Rafale squadrons. A few Jaguar, Tejas Mk1 and MiG-21 squadrons make up for the rest of the force.

If this depleted force is to punch above its weight, it must have the following: an 'overweight' complement of air-to-air and air-to-surface weapons; electronic warfare (EW) capability to degrade an extremely dense and sophisticated adversarial air defence network, particularly in the Tibetan Autonomous Region (TAR); a readily available and 'on call' complement of aerial refuellers; airborne warning and control systems (AWACS); and airborne early warning platforms, all of which are as scarce as their fighter brethren.

Considering the reported likelihood of the Pakistan Air Force (PAF) acquiring the multi-role stealth fighter, the JF-35 (export version of the J-31) by the end of this decade, coupled with the speedy operationalisation of an Italian data link network akin to the NATO Link-16, any competitive advantage enjoyed by the IAF over the PAF is speedily getting eroded.Even if one looks at the Chinese fifth generation capability with a pinch of salt and reckons that platforms like the Rafale, with its entire suite of EW and weapons will be a fair match till India acquires or develops its own fifth and sixth generation fighters, any talk of catching up with the People's Liberation Army Air Force (PLAAF) sounds rather far-fetched and the possibility of any leap-frogging seems remote.

What then is the way forward? Considering that several recommendations of the Kargil Review Committee (KRC) of over two decades ago are still unrealised, it is important to assess which of these recommendations attach themselves to the IAF's offensive capability. These should be addressed on priority, with accountability and clear deliverables, a facet that has been missing in our aeronautical development ecosystem.Next is to mitigate the gap created by the continuing shortage of the fixed wing offensive platform. To do this, there is a need to fast-track the induction of systems, such as drone swarms, unmanned combat aerial vehicles (UCAVs) and long-range surface-to-surface missiles of the Brahmos family without succumbing to the false narrative that these would ultimately replace manned aircraft.Policymakers must digest the inescapable reality that so long as full-spectrum threats exist for India along its northern and western borders, the IAF will be compelled to wield a mix of fixed wing, unmanned and surface-to-surface weapons.

On a different plane, after a decade of successfully building its non-kinetic capability (transport and helicopter fleets), which has contributed brilliantly to statecraft and nation-building, it is time for the IAF to concentrate on building credible offensive capability. Notwithstanding several propositions in the air, such as the development of the advanced medium combat aircraft (AMCA) , red herrings like the F-35, the long gestation periods of new acquisitions and the collaborative development of jet engines, the future is largely uncertain.

The IAF will have to be innovative and nimble to harness its depleting offensive assets with a very high quality of training and operational preparedness.

FPIs pull out Rs 24,753 crore from equities in first week of March

The overall trend indicates a cautious approach by foreign investors, who scaled back investments in Indian equities significantly in 2024, with net inflows of just Rs 427 crore

New Delhi. Foreign investors continue to pull back money from the Indian equity market, withdrawing Rs 24,753 crore (about $2.8 billion) in the first week of March amid escalating global trade tensions and lacklustre corporate earnings.This came following an outflow of Rs 34,574 crore from equities in February and Rs 78,027 crore in January.The total outflow by FPIs has reached Rs 1.37 trillion in 2025 so far, data with the depositories showed.According to the data with the depositories, Foreign Portfolio Investors (FPIs) offloaded shares worth Rs 24,753 crore from Indian equities this month (till March 7).This also marks the 13th consecutive week of net outflows. Since December 13, 2024, FPIs have offloaded equity shares to the tune of $17.1 billion. The sustained selling by overseas investors is chiefly due to a combination of global and domestic factors.A major catalyst continues to be the escalation in global trade tensions, which significantly weigh on investor sentiment. Imposition of higher tariffs by the US on countries like Mexico, Canada and China, along with reciprocal tariffs on several countries, including India, has dented market sentiments, Himanshu Srivastava, Associate Director - Manager Research, Morningstar Investment, said.On the domestic front, lacklustre corporate earnings added to the negative sentiment as it failed to meet investor expectations, thereby reinforcing FPIs to exercise caution toward Indian equities, he added.

This uncertainty has been compounded by a weaker rupee, which has also diminished the appeal of Indian assets.

Vaibhav Porwal, co-founder of Dezerv, pointed out that the depreciation of the rupee has eroded returns for FPIs, while India's tax structure, with 12.5 per cent tax on long-term capital gains and 20 per cent on short-term gains, contrasts with alternative markets offering lower or zero tax environments.Moreover, VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, highlighted the growing interest in Chinese stocks, driven by attractive valuations and the Chinese government's recent positive initiatives for large businesses.This has contributed to a remarkable rally in Chinese stocks, with the Hang Seng Index posting a year-to-date return of 23.48 per cent, compared to a negative 5 per cent return for India's Nifty.However, he cautioned that this could be a short-term cyclical trade, as Chinese corporate earnings have consistently underperformed since 2008.Adding another layer of complexity, the recent decline in the dollar index is expected to limit fund flows into the US, further shifting investor focus.Given the growing uncertainty, investors are increasingly gravitating towards domestic consumption-driven sectors such as financials, telecom, hotels, and aviation while moving away from externally linked sectors.On the other hand, they invested Rs 2,405 crore in the debt general limit and withdrew Rs 377 crore from the debt voluntary retention route.

Solar capacity additions to accelerate with 85-90 GW projected for FY26-27: Report

NEW DELHI. Solar capacity additions in India will accelerate in the Financial Year (FY) 2026 and FY27, with 85-90 GW of new solar capacity expected to be added during these two years combined, according to a report by SBI Caps.The report adds that the additions of residential rooftop solar support the sector to drive the expansion.The report further added that the solar additions could double to 30 GW in FY 25, as solar capacity additions have reached unprecedented levels, demonstrating resilience to demand fluctuations.As per the report, annual module demand is forecast at 100 GW.

The report, however, added that the realization of the projections hinges on moderate PPA-PSA gap reduction, PM-SGMBY completion by FY28, and enhanced RPO compliance. Land constraints, ALCM implementation, and restrictive state net metering policies pose downside risks. Conversely, timely schemes (especially PM-KUSUM) and project execution could further augment demand, the report saidMeanwhile, as per the government data, India's solar power sector has witnessed an extraordinary 3450 percent increase in capacity over the past decade, rising from 2.82 GW in 2014 to 100 GW in 2025.As of January 31, 2025, India's total solar capacity installed stands at 100.33 GW, with 84.10 GW under implementation and an additional 47.49 GW under tendering.Solar energy remains the dominant contributor to India's renewable energy growth, accounting for 47 per cent of the total installed renewable energy capacity.

India's M&A market expected to stay resilient despite market correction

New Delhi. India's mergers and acquisitions (M&A) landscape is poised to remain resilient despite the downturn in public markets, with private equity firms and strategic buyers seizing opportunities, industry leaders said. In the first two months of CY2025, 554 deals worth $17.75 billion were announced as against 528 deals worth $12.51 billion in the same period last year. "Typically, short-term market gyrations don't have an impact on M&As as these are longer gestation projects," said Manish Mehta, managing director and Co-CIO, Samara Capital. He, however, acknowledged that sustained market weakness could make some sellers hesitant. "We still think there will be enough opportunities as private equity funds and many sellers do have time pressures to exit. On the other hand, bear markets are great opportunities for buyers who can look beyond the short-term uncertainties and noises," Mehta added.Gopal Jain, managing partner at Gaja Capital, echoed this view, stating that the market correction is opening new avenues for deal-making. According to him, with public markets having declined 16 per cent from their December 2024 peak, traditional M&A activity has softened, but private equity buyouts are gaining traction. "This now represents 30 per cent of over $50 billion deal value over four years, driven by stronger IBC (Insolvency and Bankruptcy Code) enforcement, generational succession challenges, and a growing talent pool for PE-backed leadership," said Jain.

Since September last year, the Nifty 50 index has corrected 15.4 per cent - thus impacting the valuation of assets of unlisted companies too. Several transactions are stuck as the M&A market has now turned into a buyer's market, say bankers.

Despite broader market corrections, deal activity remains strong in certain sectors. Amar Shirsat, co-founder and CTO of Growthpal, a deal sourcing platform, noted that IT services, including data engineering, analytics, machine learning, and generative AI, continued to attract heavy investor interest. "We are not seeing any impact of that, maybe because of the nature or the kind of sectors we operate in," he said.Valuations remain a key challenge, particularly for venture-backed firms, prompting some buyers to favour bootstrapped companies. "Bootstrap companies, there is a bidding war going on," said Shirsat, adding that business process outsourcing (BPO) and knowledge process outsourcing (KPO) firms are facing downward valuation pressure and pivoting towards IT services and AI acquisitions.

Tata Capital to file draft IPO papers after NCLT nod on merger with Tata Motors Fin

New Delhi. Financial services firm Tata Capital is likely to file preliminary papers with markets regulator Sebi to raise USD 2 billion (over Rs 17,000 crore) through an initial public offering (IPO) only after getting final approval from the NCLT for Tata Motors Finance merger with the company, according to sources.At this size, the company is expected to be valued at around USD 11 billion, they said.The final order is awaited from the National Company Law Tribunal (NCLT), which is expected to be closed by the end of this financial year (FY25), sources said.

An email sent to Tata Capital regarding the filing of draft papers remained unanswered.

STORIES YOU MAY LIKE

Sunita Williams and Barry Wilmore set to return to Earth: NASA reveals landing dateNamita Thapar breaks the bank for Shark Tank India pitchers rejected twice on the show, offers whopping Rs 150 crore valuationJayaben Desai: 'Striker in sari' who spoke up for South Asians in UKTata Capital, identified as an upper-layer non-banking finance company (NBFC) by the Reserve Bank of India (RBI), already received its board approval to float the initial share sale.The proposed IPO would comprise 2.3 crore equity shares by way of a fresh issue and an offer of sale (OFS) by certain existing shareholders, according to a disclosure made to stock exchanges.

Apart from the IPO, Tata Capital announced plans to raise funds through a rights issue to further bolster its financial position before the public listing.If successful, this would be one of the biggest initial share sales in the country's financial sector. This would also be the Tata Group's second public market debut in recent years after the listing of Tata Technologies in November 2023.

Mcap Of Seven Of Top-10 Valued Firms Jumps Rs 2.10 Lakh Crore; RIL, TCS Major Winners

New Delhi. The combined market valuation of seven of the top 10 most valued companies surged by Rs 2,10,254.96 crore last week, with Reliance Industries and Tata Consultancy Services emerging as the biggest gainers. Last week, the BSE Sensex climbed 1,134.48 points or 1.55 per cent, and the NSE Nifty rose 427.8 points or 1.93 per cent. The market capitalisation (mcap) of Reliance Industries surged by Rs 66,985.25 crore to Rs 16,90,328.70 crore.Tata Consultancy Services (TCS) market valuation climbed by Rs 46,094.44 crore to Rs 13,06,599.95 crore. With this sharp rise in its market valuation, TCS again rose to the second rank in the top-10 most-valued firms chart.

The mcap of State Bank of India zoomed by Rs 39,714.56 crore to Rs 6,53,951.53 crore and that of Bharti Airtel advanced by Rs 35,276.3 crore to Rs 9,30,269.97 crore.

ITC's market valuation rallied by Rs 11,425.77 crore to Rs 5,05,293.34 crore and that of ICICI Bank surged Rs 7,939.13 crore to Rs 8,57,743.03 crore. Hindustan Unilever added Rs 2,819.51 crore, taking its market capitalisation to Rs 5,17,802.92 crore. However, the mcap of HDFC Bank plunged by Rs 31,832.92 crore to Rs 12,92,578.39 crore and Bajaj Finance's market valuation tanked by Rs 8,535.74 to Rs 5,20,981.25 crore.The mcap of Infosys dipped by Rs 955.12 crore to Rs 7,00,047.10 crore. Reliance Industries remained the most valued company, followed by TCS, HDFC Bank, Bharti Airtel, ICICI Bank, Infosys, State Bank of India, Bajaj Finance, Hindustan Unilever and ITC.

Stock Market Outlook: Holi Break And Trump Tariff Policy Key Triggers For Next Week Including Retail Inflation

Mumbai. The market outlook for next week will be guided by several domestic and international factors such as India's retail inflation data, FIIs activities, dollar to Rupee activity and Trump tariff policy. India's retail and wholesale inflation data will be released on March 12, and the stock market will be closed on March 14 on account of Holi.Last week, the stock market witnessed sharp gains. After three consecutive weeks of decline, Nifty rose by about two per cent to 22,552.50, and the Sensex rose by 1.55 per cent to 74,332.58.Between the March 3 - 7 trading sessions, buying was seen in smallcap and midcap stocks. During this period, the Nifty Midcap 100 index surged 2.66 per cent, and the Nifty Smallcap 100 index rallied 5.47 per cent.Vinod Nair, Head of Research, Geojit Financial Services, said that the domestic market recovered from its oversold levels; however, a decisive upward momentum will be based on the recovery in corporate earnings and an ease in tariff uncertainty.Among the sectoral indices, metal,

energy, media and PSE performers of the week. Nifty Metal surged by 8.61 per cent, Nifty Media railed 7.36 per cent, Nifty PSE increased by 7.36 per cent, and Nifty Energy gave a return of 5.90 per cent.Meanwhile, a sharp decline in the US dollar index, lower crude oil prices, and strength in the Indian Rupee against the greenback provided further support to equities. On the institutional front, Foreign Institutional Investors (FIIs) recorded net outflows of Rs 15,501 crore in the cash segment, whereas Domestic Institutional Investors (DIIs) injected Rs 20,950 crore, offering stability to the market.Puneet Singhania, Director at Master Trust Group, said, "Nifty rebounded nearly two per cent this week from its 100-week EMA at 22,051 after hitting its lowest level since mid-May 2024. The immediate resistance stands at 22,700, aligning with the 21-day EMA, and a sustained move above this level could push Nifty toward 23,100."

Lower GST Rates Coming Soon FM Nirmala Sitharaman Hints At Changes

New Delhi. Finance Minister Nirmala Sitharaman announced on Saturday that GST rates will be reduced further, with the tax rationalisation process now in its final stages. She highlighted that the Revenue Neutral Rate (RNR) has already decreased significantly—from 15.8 per cent in 2017 to 11.4 per cent in 2023—and is expected to drop even more in the near future.To simplify the GST structure, the GST Council formed a Group of Ministers (GoM) in 2021. This group, consisting of finance ministers from six states, was tasked with reviewing tax rates and slabs. At The Economic Times Awards, Sitharaman was asked whether it was time to rationalise GST rates. She confirmed that the process is almost complete.Final Review Before Implementation

"The GoM has done excellent work, but I want to review their recommendations once more before presenting them to the Council for a final decision," she said.She further added that while some refinements are needed, the Council is very close to finalising key changes such as rate reductions, rationalisation, and slab adjustments.

Stock Market Volatility: A Global Concern

When questioned about the fluctuations in the stock market, Sitharaman pointed

to global uncertainties. "It's like asking if the world will be calm—will wars end, will the Red Sea be safer, will there be no sea pirates? These are unpredictable factors," she said, highlighting the impact of geopolitical tensions on financial markets.

Government Encouraging More Retail Investors In Public Sector Banks

Addressing concerns about public sector banks, FM Sitharaman reaffirmed the government's commitment to increasing public float and encouraging more retail investors to participate in these banks.

"We want to have more retail investors in public sector banks," she stated, underlining the government's efforts to make these institutions more accessible to the public. (With PTI Inputs)

FM Nirmala Sitharaman added that while some refinements are needed, the Council is very close to finalising key changes such as rate reductions, rationalisation, and slab adjustments.

Govt Imposes 10 Per Cent Duty On Masur Dal, Extends Duty-Free Yellow Pea Imports Until THIS Date

Earlier, the government had reduced the basic import duty on masur to zero in July 2021, followed by a 10% exemption on the agri-infrastructure cess in February 2022.

New Delhi. The government has introduced a 10 per cent import duty on lentils (masur) while extending the duty-free import of yellow peas for an additional three months until May 31, aiming to boost domestic supply, as per a finance ministry notification.According to the notification, a 5 per cent basic customs duty and a 5 per cent Agriculture Infrastructure and Development Cess (AIDC) on lentils will take effect from March 8. Until now, lentil imports were exempt from any duty.Earlier, the government had reduced the basic import duty on masur to zero in July 2021, followed by a 10% exemption on the agri-infrastructure cess in February 2022. This exemption was extended multiple times and remained valid until March 2024.India primarily imports yellow peas and lentils from Canada, Russia, and Australia. According to sources, the government's latest measures aim to ensure pulses remain affordable while also sending a positive signal to farmers. The Centre had repeatedly extended duty-free imports, citing concerns over lower chana production.In 2017, the government imposed a 50% import duty on yellow peas to boost domestic chana cultivation. However, duty-free imports of yellow peas were first permitted in December 2023 and have since been extended three times, most recently until February 28. The estimates suggest that out of the 67 lakh tonnes of pulses imported in 2024, yellow peas accounted for 30 lakh tonnes. (With PTI Inputs)

Ex-WHO chief scientist on 90-hour workweek: Short sprint, but not sustainable

NEW DELHI. People should listen to their bodies and recognise when they need rest, as prolonged overwork can lead to burnout and reduced efficiency, former WHO chief scientist and health ministry advisor Soumya Swaminathan has said.

While intense work for short periods is possible, as seen during COVID-19, it is not sustainable in the long run, she told PTI in an interview.Swaminathan stressed that productivity depends more on work quality than hours spent.

Asked about the impact of long working hours on human health, the former director general of the Indian Council of Medical Research (ICMR) told PTI: "I know a lot of people who work very hard. So, I think it is an individual thing and your body tells you when you are tired, so then you also have to listen to your body. You can really work hard, let's say for a few months. During COVID, we all did that, right? But could we have continued that for years together? I am not sure.""For those two-three years, we did it. We did not sleep much. We were stressed most of the time, worrying about things, especially the healthcare providers. They were working round-the-clock. There was some burnout. Many people left the profession also after that. But it can be done for short sprints, (but) it is not really sustainable," Swaminathan said.

The renowned global health expert emphasised that mental well-being and rest are crucial for sustained performance.

"The human body has some needs for sleep, and mentally also, I feel that you need a break if you are going to be productive and if your thinking process has to be equal," she said.Swaminathan said it is not just about the number of hours worked but the quality of work done in that time.

"You can sit at your table for 12 hours, but maybe after eight hours, you are not doing that good quality work. So I think all those things also have to be looked at," she said.

Earlier this year, Larsen & Toubro (L&T) Chairman S N Subrahmanyan sparked a debate by saying employees should work 90 hours a week, including Sundays, instead of staying at home.

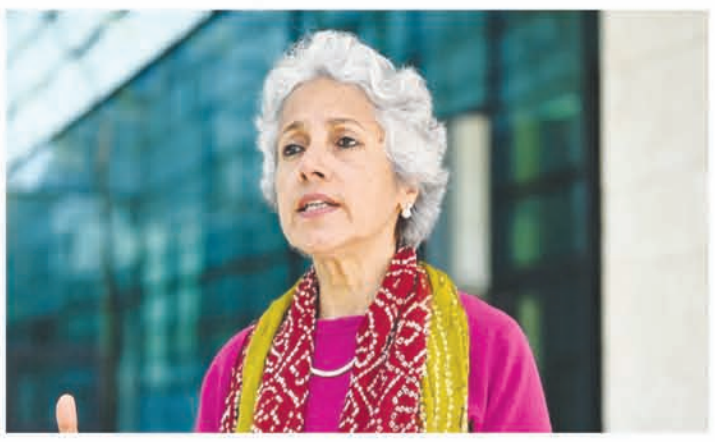

His comments echoed Infosys Co-founder Narayana Murthy's call for a 70-hour workweek.This month, former Niti Aayog CEO Amitabh Kant said Indians need to work hard to achieve the goal of making India a USD 30 trillion economy by 2047.

"I strongly believe in hard work. Indians must work hard, whether it is 80 hours or 90 hours a week.

If your ambition is to move from a USD 4 trillion to a USD 30 trillion economy, you cannot do it through entertainment or by following the views of some film stars," Kant said at Business Standard's Manthan summit.Last month, Union Minister of State for Labour and Employment Shobha Karandlaje told Parliament that the government is not considering any proposal to increase the maximum working hours to 70 or 90 hours a week.

Denied Sick Leave, Odisha Teacher Goes To Work With Saline Drip

Prakash Bhoi claimed this was not the first time his sick leave was denied, alleging that the principal favoured other teachers.

New Delhi. A teacher in Odisha's Balangir district was forced to report to work with a saline drip after being allegedly denied sick leave and "mentally harassed" over repeated requests.Prakash Bhoi, a mathematics teacher at Bhainsa Adarsha Vidyalaya, had travelled on March 6 to attend the last rites of his grandfather. Soon after, he fell ill and applied for sick leave.Bijayalaxmi Pradhan, the school's vice principal and current principal-in-charge, allegedly denied his request and ordered him to report to the District Education Officer (DEO)-cum-District Project Coordinator (DPC) in Balangir.

"After my grandfather died, I was feeling sick and applied for leave. But she denied it and asked me to reach the DPC office. I left despite not being well, both physically and mentally," Mr Bhoi told Odia outlet Kalinga TV.Despite his deteriorating condition, Mr Bhoi followed orders and reached the DPC's office in Balangir.At around noon, his condition worsened, and he sought permission to visit a hospital. "Instead of asking about my health, she asked if I could return by 2 pm for verification," he alleged.

Prakash Bhoi said he tried to visit a hospital despite the principal-in-charge's harsh words but couldn't reach the government hospital as it was too far. Without cash and a working UPI system, he couldn't seek treatment at private clinics either and had to return to the office, where he worked till late evening.

Later that night, he finally managed to seek medical attention but was still allegedly denied leave and ordered to report to school for exam preparations.

"Finding no other means, I had to come to the school this morning. Before coming to the school, I met a doctor who administered saline to me as my health was not well. I reached the school with saline drip as it did not get over by the time I had to leave for the school," Mr Bhoi said.

Upon reaching the school, Mr Bhoi's colleagues rushed him to a hospital."This is not the first time I was denied sick leave," he claimed. "She is doing some partiality when it comes to leave. Other teachers get leaves easily and quickly, but in my case I am either denied or mentally harassed," he alleged.Reacting to the incident, Patnagarh Block Education Officer (BEO) Prasad Majhi assured a probe. Action will be taken against the accused, whoever it may be, he said.

Biggest drug bust in Goa: Man arrested with 11.67 crore hydroponic weed

New Delhi. A man has been arrested in Goa for possessing hydroponic weed valued at Rs 11.67 crore, police said, claiming it is the biggest seizure of drugs in the history of the coastal state.The man was arrested on Saturday from Guirim village, located between Panaji and Mapusa cities, a police crime branch spokesperson said."We seized 11.672 kilograms of hydroponic weed valued at Rs 11.67 crore from him. This is the biggest seizure of drugs in Goa's history. He has been booked under the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances (NDPS) Act," the spokesperson said.

Hailing the police, Chief Minister Pramod Sawant in a post on X on Saturday said, "Congratulations to the Crime Branch Goa Police for Goa's Biggest-Ever Drug Bust!"

"In a major breakthrough, the Crime Branch has successfully busted a drug racket, arresting an individual in possession of 11.672 kg of hydroponic weed worth Rs 11.67 crores. This is a testament to the relentless efforts of our law enforcement agencies in keeping our state drug-free," he said.

The Goa government remains committed to a zero-tolerance policy on drugs, the Chief Minister said, adding that intelligence networks will be strengthened and surveillance enhanced to crack down on such crimes to safeguard the youth and society.

Hydroponics is a type of cultivation without soil in an artificial environment using water-based mineral nutrient solutions.

Trump's tariff plan will ruin India: Congress slams Modi government's 'disastrous' trade policy

NEW DELHI. A day after US President Donald Trump claimed India had agreed to cut their tariffs, Congress launched a blistering attack on the Modi government and sought to know if the Centre had surrendered the country's interests before the US.

On Friday, Trump said India has agreed to cut its tariffs "way down", as he reiterated his claim that the country charges America massive tariffs that make it difficult to sell products there.

Addressing the press, Congress leader Pawan Khera termed the Modi government's trade policy "disastrous" and asked why India could not negotiate on US

reciprocal tariffs if countries like Mexico and Canada could."What does the fresh statement by the US President mean for India where he said "India has agreed to cut their tariffs... way down now because somebody's finally exposing them for what they have done"? Why is this 'deal', if any, shrouded in a veil of secrecy? If countries like Mexico and Canada can negotiate a month pause on US reciprocal tariffs, why couldn't India?" he said adding that India demands answers.

Khera asked if Union minister Piyush Goyal, who is in the US to negotiate a trade deal, buckled under pressure and signed a deal dictated by Trump. "Indians are learning about our government's trade policy from the US President. Has the Centre decided to cut tariffs under pressure from PM Modi's close friend Trump? Has Union minister Piyush Goyal buckled under pressure and signed on the dotted line dictated by Howdy Modi's compatriot Namaste Trump?" he jibed.Khera claimed that the consequences of high US tariffs and reciprocal tariffs, could be disastrous for India.

Bihar Police crackdown on 'vulgar' Bhojpuri songs: Burning social problem

New Delhi. The Bihar Police has ordered a statewide crackdown on the public playing of double-meaning Bhojpuri songs, calling it a "burning social problem" that endangers women's security and has a "perversive effect" on children's minds. The move comes as authorities aim to curb the growing influence of vulgar songs in public spaces, warning of strict action against violators.A circular issued by the state Police Headquarters directs all Inspector Generals (Igs), Deputy Inspector Generals (DIGs), and railway police to take action against those playing such songs in public spaces. "A special drive must be carried out across the state to identify those who indulge in such activities and promote vulgar and double-meaning Bhojpuri songs," the circular stated.

The letter highlights concerns about the impact of these songs on society. "It becomes embarrassing for women when they hear such vulgar and double-meaning Bhojpuri songs at public places, functions, buses, trucks, and auto-rickshaws," it read.

The directive also stressed that such songs create an unsafe atmosphere. "Sometimes they feel insecure also when such songs are played. Strict action should be taken against those who are caught violating the directive in this regard," the circular added.People caught playing such songs in public spaces will face legal action under relevant sections of the Bharatiya Nyay Sanhita.The issue has been a subject of concern in the Bihar Assembly as well. Congress MLA Pratima Kumari had raised the matter two years ago, demanding a crackdown on those promoting vulgar Bhojpuri songs in films and on social media. Responding to the demand, the state government had assured that "strict action would be taken against those who promote obscene and double-meaning Bhojpuri songs."

Man gets out of BMW, urinates at traffic stop in Pune; cops take action

NEW DELHI. A man stepped out of a BMW in Pune and urinated at the traffic stop in Pune, a viral video showed. With the gates of BMW left open in the middle of the road, the man, identified as Gaurav Ahuja, was seen urinating at the traffic stop, in a video shot by a bystander.

The Pune police have detained Gaurav Ahuja in Maharashtra's Satara district. He is being taken to Yerawada police station for further legal proceedings. After completing the formalities of his arrest, he will be presented before the holiday court.Earlier, Ahuja released a video apologising for the incident, saying he would surrender within eight hours.

Meanwhile, Bhagyesh Oswal, who was in the front seat of the luxury car at the time, has also been detained. Police suspect that both he and Ahuja were intoxicated, and Oswal has been sent for medical tests, according to the Press Trust of India.

A video of the incident, which quickly spread on social media, shows one man sitting in the front seat while another urinates at a traffic signal. Moments later, one of them smirks at the person filming.

"We saw a young man urinating in public at Shastrinagar Chowk in Yerawada. After the video circulated widely, we launched an inquiry," said Himmat Jadhao, the deputy commissioner of police.A case has been filed under the Bharatiya Nyaya Sanhita and the Motor Vehicles Act on charges including public nuisance, reckless driving, and endangering public safety.

PAST CASES AGAINST GAURAV AHUJA

The investigation into the incident has revealed that Gaurav Ahuja and his father, Manoj Ahuja, have been involved in gambling-related businesses, including running a poker game and betting on cricket matches.

In 2021, a case of gambling and extortion was registered against Gaurav Ahuja.

He was 20 at the time but was allegedly part of a gang engaged in cricket betting.Ahuja has released a video saying he will surrender within eight hours.

DMK Calls For Nationwide Opposition To Delimitation Exercise

New Delhi. The Dravida Munnetra Kazhagam (DMK) has decided to mobilise political parties across India to oppose the Union government's proposed delimitation exercise. The decision was taken during a meeting of DMK Parliamentarians at the party headquarters, 'Anna Arivalayam,' under the leadership of Tamil Nadu Chief Minister and DMK president MK Stalin.

According to sources within the party, CM Stalin assigned key ministers to visit different states and engage with regional political parties, urging them to join a joint action committee that will scrutinise the implications of the delimitation proposal.State IT Minister Palanivel Thiaga Rajan has been tasked with reaching out to Kerala, while Ministers EV Velu, Kanimozhi Karunanidhi, and TRB Rajaa will travel to Andhra Pradesh, West Bengal, and Odisha, respectively.

Additionally, DMK MPs have been directed to collaborate with other opposition MPs in Delhi to mount a strong challenge against the delimitation exercise in Parliament.

The party has consistently voiced concerns about the issue, alongside its opposition to the Union government's three-language policy.The DMK plans to raise multiple issues in the upcoming parliamentary session. Apart from delimitation and the three-language policy, the party will focus on the delay in the allocation of Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA) funds, the denial of flood relief assistance, and the non-disbursement of funds under the Samagra Shiksha scheme due to Tamil Nadu's rejection of the National Education Policy (NEP).The decision to aggressively push these issues comes amid criticism from opposition parties, including the newly formed Tamizhaga Vetri Kazhagam (TVK), led by actor Vijay, regarding the DMK MPs' performance in Parliament.By taking a proactive stance, the DMK aims to counter these criticisms effectively. Chief Minister Stalin has also criticised what he describes as the Union government's discriminatory allocation of funds for language development.

He highlighted that while Tamil is spoken by approximately eight crore people, only Rs 74 crore has been allocated for its development.In contrast, Sanskrit, which has a significantly smaller number of speakers, has received Rs 1,488 crore.

CM Stalin has been vocal about the BJP-led government's alleged attempts to impose Hindi on Tamil Nadu through the NEP's three-language policy. His opposition extends beyond India, as he recently supported a protest by the Tamil diaspora in the United States against the policy.Tamil Diaspora Protests in the US A group of Tamil protesters in Dallas, US, recently demonstrated against the Union government's language policy, accusing it of undermining Tamil Nadu's long-standing two-language system.

CM Stalin expressed solidarity with the demonstrators by sharing a news report and a video of the protest, using the hashtag #VazhgaTamil.

NEWS BOX

Hindu temple in California defaced with anti-India grafitti

world. The BAPS Shri Swaminarayan Mandir in California's Chino Hill was defaced with anti-India graffiti, less than five months after a similar incident was reported at another Hindu temple in the US state.

Confirming the incident, the official X handle of BAPS in the US said the "Hindu community stands steadfast against hate"."Together with the community in Chino Hills and Southern California, we will never let hate take root. The Britain-based Syrian Observatory for Human Rights said in addition to 745 civilians killed, mostly in shootings from close distance, 125 government security force members and 148 militants with armed groups affiliated with Assad were killed.American Foundation shared images of the defacement on X and called on FBI chief Kash Patel, Director of National Intelligence Tulsi Gabbard and the Chino Hills Police Department to "investigate this latest in a string of anti-Hindu hate crimes on our sacred spaces".On September 25, 2024, the BAPS Hindu temple in California's state capital Sacramento was desecrated with expletive-laden graffiti, saying "Hindus go back". Nearly 10 days before the Sacramento incident, another BAPS Shri Swaminarayan Mandir in Melville, New York, was defaced with hateful messages.

The Consulate General of India in New York strongly condemned the incident and raised the matter with US authorities.Anti-Hindu hate crimes in California have become the second-most reported form of religious bias, a report by the California Civil Rights Department (CRD) released in May last year said.

According to the report, among religiously motivated incidents, anti-Hindu bias ranked second, constituting 23.3 per cent. Anti-Jewish bias or anti-

Prominent Pakistani scholar Mufti Shah Mir shot dead in Pakistan

PESHAWAR. Mufti Shah Mir, a prominent Pakistani scholar, was shot dead by unknown gunmen in Balochistan province, according to a media report.

Mir was targeted in the Turbat town of Kech on Friday when he was leaving a mosque after night prayers, the Dawn newspaper said."Armed men riding motorcycles opened fire on Mufti Shah Mir, leaving him seriously injured," the paper quoted police as saying.He was immediately shifted to Turbat Hospital where he succumbed to his injuries. The deceased received multiple bullet injuries that caused his death.Mufti Shah Mir was close to the Jamiat Ulema-e-Islam-F (JUI-F). He previously survived two attempts on his life. The attack came days after two leaders of JUI-F were shot dead in Khuzdar.

US issues advisory cautioning against travel close to India-Pak border, Balochistan and Khyber Pakhtunkhwa

NEW YORK/WASHINGTON. The US has issued an advisory cautioning against travel to the immediate vicinity of the India-Pakistan border and the Line of Control due to terrorism and the potential for armed conflict and to the provinces of Balochistan and Khyber Pakhtunkhwa.The US State Department issued the travel advisory on Friday. The advisory states that people should "reconsider travel to Pakistan due to terrorism and the potential for armed conflict".The travel advisory asks Americans to not travel to Balochistan and Khyber Pakhtunkhwa, which include the former Federally Administered Tribal Areas (FATA), due to terrorism.

It also cautions against travel to the immediate vicinity of the India-Pakistan border and the Line of Control due to terrorism and the potential for armed conflict.

"Violent extremist groups continue to plot attacks in Pakistan. Terrorist attacks are frequent in Balochistan province and Khyber Pakhtunkhwa province, which include the former FATA. Large-scale terrorist attacks have resulted in numerous casualties, and small-scale attacks are frequent."Terrorism and ongoing violence by extremist elements have led to indiscriminate attacks on civilians, as well as local military and police targets. Terrorists may attack with little or no warning, targeting transportation hubs, markets, shopping malls, military installations, airports, universities, tourist attractions, schools, hospitals, places of worship, and government facilities. Terrorists have targeted US diplomats and diplomatic facilities in the past," the advisory said.

It said Pakistan's security environment remains fluid, sometimes changing with little or no notice. There are greater security resources and infrastructure in the major cities, particularly Islamabad, and security forces in these areas may be more readily able to respond to an emergency compared to other areas of the country, it said.

On advisory related to the "Vicinity of Line of Control – Level 4: Do Not Travel", it said, "Do not travel to the India-Pakistan border, including areas along the Line of Control for any reason. Militant groups are known to operate in the area. India and Pakistan maintain a strong military presence on their respective sides of the border.The only official Pakistan-India border crossing point for persons who are not citizens of India or Pakistan is in the province of Punjab between Wagah, Pakistan, and Atari, India. Travellers are advised to confirm the status of the border crossing prior to commencing travel. An Indian visa is required to enter India, and no visa services are available at the border."On the Balochistan province, the travel advisory is at "Level 4: Do Not Travel".

"Do not travel to Balochistan province for any reason. Extremist groups, including an active separatist movement, have conducted deadly terrorist attacks against civilians, religious minorities, government offices, and security forces," it said.It added that "do not travel to the Khyber Pakhtunkhwa province, which includes the former FATA, for any reason".

Over 1,000 killed in 2 days of clashes between Syrian forces and Assad loyalists

The Britain-based Syrian Observatory for Human Rights said in addition to 745 civilians killed, mostly in shootings from close distance, 125 government security force members and 148 militants with armed groups affiliated with Assad were killed.

Beirut The death toll from two days of clashes between Syrian security forces and loyalists of ousted President Bashar Assad and revenge killings that followed has risen to more than 1,000, a war-monitoring group said Saturday, making it one of the deadliest acts of violence since Syria's conflict began 14 years ago.The Britain-based Syrian Observatory for Human Rights said in addition to 745 civilians killed, mostly in shootings from close distance, 125 government security force members and 148 militants with armed groups affiliated with Assad were killed. It added that electricity and drinking water were cut off in large areas around the city of Latakia.

DEADLY ATTACKS ALONG SYRIA'S COAST

The clashes, which erupted Thursday, marked a major escalation in the challenge to the new government in Damascus, three months after insurgents took authority after removing Assad from power.

The government has said that they were responding to attacks from remnants of Assad's forces and blamed "individual actions" for the rampant violence.

RETRIBUTION KILLINGS BETWEEN SUNNIS AND ALAWITES

The revenge killings that started Friday by Sunni Muslim gunmen loyal to the government against members of Assad's minority Alawite sect are a major blow to Hayat Tahrir al-Sham, the faction that led the overthrow of the former government. Alawites made up a large part of Assad's support base for decades.

Residents of Alawite villages and towns spoke to The Associated Press about killings during which gunmen shot Alawites, the majority of them men, in the streets or at the gates of their homes. Many homes of Alawites were looted and then set on fire in different areas, two residents of Syria's coastal region told the AP from their hideouts.They asked that their names not be made public out of fear of being killed by gunmen, adding that thousands of people have fled to nearby mountains for safety.

RESIDENTS SPEAK OF ATROCITIES IN ONE TOWN

Residents of Baniyas, one of the towns worst hit by the violence, said bodies were strewn on the streets or left unburied in homes and on the roofs of buildings, and nobody was able to collect them. One resident said that the gunmen prevented residents for hours from removing the bodies of five of their neighbors killed Friday at close range.Ali Sheha, a 57-year-old resident of Baniyas who fled with his family and neighbors hours after the violence broke out Friday, said that at least 20 of his neighbors and colleagues in one neighborhood of Baniyas where Alawites lived, were killed, some of them in their shops, or in their homes.Sheha called the attacks "revenge killings" of the Alawite minority for the crimes committed by Assad's government.

Man with Palestinian flag climbs London's Big Ben, refuses to come down

Police said they were first alerted shortly after 0700 GMT and the man has spent the day barefoot on a ledge several metres up the historic structure.

London. A man with a Palestinian flag who climbed London's Big Ben clock tower early on Saturday was still perched on the famous landmark after nightfall, even as emergency crews urged him to come down.Police said they were first alerted shortly after 0700 GMT and the man has spent the day barefoot on a ledge several metres up the historic structure.Crowds have been watching from behind a police cordon, with supporters chanting "Free Palestine" and "You are a hero."Negotiators boarded a fire truck lift and used a megaphone to speak with the man, but footage on social media showed him saying: "I will come down on my own terms."Police closed off the surrounding area including Westminster Bridge and the Houses of Parliament cancelled tours.AFP journalists at the scene earlier said the man appeared to be bleeding from his foot."Officers are at the scene working to bring the incident to a safe conclusion," London Metropolitan Police force told AFP."They are being assisted by the London Fire Brigade and the London Ambulance Service."

Hamas pushes for phase two of Gaza truce talks

PALESTINIAN TERRITORIES. Hamas reiterated on Sunday its insistence on moving directly into negotiating a second phase of the Gaza truce, as Israel announced it would dispatch a delegation to Doha for further talks.Representatives of the Palestinian militant group met with mediators in Cairo at the weekend, emphasising the need for humanitarian aid to re-enter the besieged territory "without restrictions or conditions", according to a Hamas press release.

The high-level delegation also stressed the need for "moving directly to begin negotiations for the second phase" of the deal, which will aim to lay the groundwork for a permanent ceasefire.Hamas's demands for the second phase include a full Israeli withdrawal from Gaza, an end to the blockade, the reconstruction of the territory and financial support, an official told AFP.Hamas spokesperson Abdel Latif Al-Qanoua said indicators were so far "positive".

Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu's office meanwhile said it would send delegates to Doha on Monday.Israel has maintained it wants an extension of

the truce's first phase until mid-April.

That initial period ended on March 1 after six weeks of relative calm that included the exchange of 25 living hostages and eight bodies for the release of about 1,800 Palestinian prisoners held in Israel.The truce largely halted more than 15 months of fighting in Gaza, where virtually the entire population was displaced by Israel's relentless military campaign in response to Hamas's October 7, 2023 attack.It also enabled the flow of vital food, shelter and medical assistance into Gaza.

After Israel turned the pipeline off again, UN rights experts accused the government of "weaponising starvation".Displaced Palestinian widow Haneen al-Dura told AFP she and her children spent a month and a half living on the street "among dogs and rats" before receiving a tent."As the family's provider, it was distressing and I couldn't sleep at all during the night," she said.Last warning'Last week, US President Donald Trump threatened further destruction of Gaza if all remaining hostages are not released, issuing what he called a "last warning" to Hamas leaders.

He also warned of repercussions for all Gazans, telling them: "A beautiful Future awaits, but not if you hold Hostages. If you do, you are DEAD!"

Hamas said Trump's threats would only encourage Israel to ignore the terms of their truce.The Trump administration has also confirmed the start of unprecedented direct talks with Hamas, which Washington had previously refused contact with since designating it a terrorist organisation in 1997.

Panama releases dozens of detained deportees from US into limbo following human rights criticism

PANAMA CITY. After weeks of lawsuits and human rights criticism, Panama on Saturday released dozens of migrants who were held for weeks in a remote camp after being deported from the United States, telling them they have 30 days to leave the Central American nation.It thrust many like Hayatullah Omagh, a 29-year-old who fled Afghanistan in 2022 after the Taliban took control, into a legal limbo, scrambling to find a path forward.

"We are refugees. We do not have money. We cannot pay for a hotel in Panama City, we do not have relatives," Omagh told the Associated Press in an interview. "I can't go back to Afghanistan under any circumstances ... It is under the control of the Taliban, and they want to kill me. How can I go back?"Authorities have said deportees will have the option of extending their stay by 60 days if they need it, but after that many like Omagh don't know what they will do.Omagh climbed off a bus in Panama City alongside 65 migrants from China, Russia, Pakistan, Afghanistan, Iran, Nepal and other nations after spending weeks detained in poor conditions by the Panamanian government, which has said it wants to work with the Trump administration "to send a signal of deterrence" to people hoping to migrate.Human rights groups and lawyers advocating for the migrants were waiting at the bus terminal, and scrambled to find the released migrants shelter and other resources. Dozens of other people remained in the camp.

Among those getting off buses were migrants fleeing violence and repression in Pakistan and Iran, and 27-year-old Nikita Gaponov, who fled Russia due to repression for being part of the LGBTQ+ community and who said he was detained at the U.S. border, but not allowed to make an asylum claim."Once I get off the bus, I'll be sleeping on the ground tonight," Gaponov said.Others turned their eyes north once again, saying that even though they had already been deported, they had no other option than to continue after crossing the world to reach the U.S.The deportees, largely from Asian countries, were part of a deal stuck between the Trump administration and Panama and Costa Rica as the U.S. government attempts to speed up deportations. The administration sent hundreds of people, many families with children, to the two Central American countries as a stopover while authorities organize a way to send them back to their countries of origin.Critics described it as a way for the U.S. to export its deportation process.

The agreement fueled human rights concerns when hundreds of deportees detained in a hotel in Panama City held up notes to their windows pleading for help and saying they were scared to return to their own countries.Under international refugee law, people have the right to apply for asylum when they are fleeing conflict or persecution.

Iran's Khamenei rebuffs US pressure for nuclear deal: Won't be bullied into talks

In an interview with Fox Business, Trump said, "There are two ways Iran can be handled: militarily, or you make a deal" to prevent Tehran from acquiring nuclear weapons.

Dubai. Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei said on Saturday that Iran will not be bullied into negotiations, a day after US President Donald Trump said he had sent a letter to the country's top authority urging Tehran to negotiate a nuclear deal.In an interview with Fox Business, Trump said, "There are two ways Iran can be handled: militarily, or you make a deal" to prevent Tehran from acquiring nuclear weapons.At a meeting with senior Iranian officials, Khamenei said Washington's aim was to "impose their own expectations," Iranian state media reported.The insistence of some bullying governments on negotiations is not to resolve issues. ... Talks for them is a pathway to have new demands, it is not only about Iran's nuclear issue. ... Iran will definitely not accept their expectations," Khamenei was quoted as saying, without directly mentioning Trump.

In response to Khamenei's comments, White House National Security Council spokesman Brian Hughes reiterated almost word for word the choice of negotiations or military action that Trump said he had presented to Iran.

"We hope the Iran Regime puts its people and best interests ahead of terror," Hughes said in a statement.While expressing openness to a deal with Tehran, Trump has reinstated a "maximum pressure" campaign that was applied during his first term as president to isolate Iran from the global economy and drive its oil exports to zero.During his 2017-2021 term, Trump withdrew the United States from a landmark deal between Iran and major powers that had placed strict limits on Tehran's nuclear activities in exchange for sanctions relief.After Trump pulled out in 2018 and re-imposed sanctions, Iran breached and far surpassed those limits.

UN nuclear watchdog chief Rafael Grossi has said that time is running out for diplomacy to impose new restrictions on Iran's activities, as Tehran continues to accelerate its enrichment of uranium to near weapons-grade.Tehran says its nuclear work is solely for peaceful purposes.

Khamenei, who has the last say on Iran's key policies, said there was "no other way to stand against coercion and bullying".

"They are bringing up new demands that certainly will not be accepted by Iran, like our defence capabilities, missile range and international influence," he was quoted as saying.Although Tehran says its ballistic missile programme is purely defensive, it is seen in the West as a destabilising factor in a volatile, conflict-ridden Middle East.

Tehran has in recent months announced new additions to its conventional weaponry, such as its first drone carrier and an underground naval base amid rising tensions with the US and Israel.

NEWS BOX

Djokovic crashes out at Indian Wells as Alcaraz sails through

INDIAN WELLS. Five-time champion Novak Djokovic tumbled out of the Indian Wells ATP Masters on Saturday, falling in his first match to lucky loser Botic van de Zandschulp as two-time defending champ Carlos Alcaraz advanced."No excuses for a poor performance," 24-time Grand Slam champion Djokovic said after 37 unforced errors in a 6-2, 3-6, 6-1 defeat.

"It doesn't feel great when you play this way on the court," he added. "But congratulations to my opponent -- just a bad day in the office, I guess, for me."Djokovic is just the latest in van de Zandschulp's string of superstar victims.He stunned Alcaraz at the US Open last year before beating Rafael Nadal in Davis Cup in what proved the Spanish great's last match.

"I think I kept my cool during the whole match," said van de Zandschulp. "I know if I go into the match and lose my cool, especially against the big players, it's going to be a really tough day. That's always one thing I'm trying to do well."After 14 unforced errors in the first set, Djokovic cleaned things up in the second, grabbing a quick break on the way to a 3-0 lead.Djokovic pumped his fist after belting a forehand winner to the corner for his first

break chance of the match and after consolidating the break nodded his head in satisfaction.The rallies remained tense affairs and Djokovic's frustration was clear at times, but after he was broken when serving for the set he closed it out on his next service game.It was only a brief respite. Van de Zandschulp kept the pressure on both from the baseline and at the net and Djokovic's errors began to pile up again.

Van de Zandschulp took control with a break for 3-1, reeling off the last five games as Djokovic was unable to stop the bleeding.

"The first three games, four games of the third set were quite close," Djokovic, seeded sixth, said. "Had my chances. Was just some awful mistakes."Italian Matteo Arnaldi sprung another upset, beating seventh seed Andrey Rublev 6-4, 7-5. Djokovic and Rublev followed top seed Alexander Zverev and fourth seed Casper Ruud as second-round casualties.

What is Rohit Sharma's legacy in white-ball cricket Deep Dasgupta explains

NEW DELHI. Deep Dasgupta feels that the legacy of Rohit Sharma has been about how he has changed the perception of white-ball cricket in the past few years. Since the 2023 ODI World Cup, Rohit has adopted an aggressive approach which has allowed the rest of the team to step up as well. Rohit's aggressive intent has given India some big starts.

With rumours floating about his future in cricket, Dasgupta was asked about Rohit on Star Sports. The former wicketkeeper said that Rohit has changed the mindset of people when it comes to white-ball cricket. Dasgupta pointed out how Rohit has all been about impact and not about the numbers in the past few years and feels he has led the way for the rest of the team."Change the mindset of how kids in India, the next generation will play white-ball cricket and how we, as viewers, kind of consume ODI cricket or 20-over cricket and the effect of

impact. We've stopped talking about sheer numbers nowadays. If you look at it, we talk about impact now and how impactful an innings was and that's what I think Rohit has done as a leader, as a batter, showing the way to the rest of the guys, and he's been absolutely phenomenal," said Dasgupta.

'India not dependent on top 3 anymore'

Dasgupta pointed out how India is not depending on the top 3 to fire always and the rest of the side is also stepping up. Dasgupta feels that this has only been possible thanks to Rohit's approach.

"For somebody who is known to score those daddy hundreds, double hundreds, to change his game. In 2019, 2020, I still remember India's top three getting something like 65, 67 percent of the runs and we would be dependent on them to score those big runs."

"But it's not about them anymore. It's now become a proper unit where everyone comes in and contributes. Virat Kohli is the glue. Keeps them together, Rohit gives them an explosive start, then Shreyas, Shubman, they all come in. Axar coming in at five and it's phenomenal."

Barcelona vs Osasuna postponed minutes before kickoff after first team staff dies

FC Barcelona vs Osasuna was postponed at the last minute after Barcelona's first team doctor died in the afternoon. Both teams had announced their line-ups and were warming up before the game was called off.

New Delhi. Barcelona's home game against Osasuna was postponed just minutes before kick off after the death of a member of Barcelona's medical staff on Saturday, March 8.. Fans were informed of the decision minutes before the game was scheduled to kick off on Saturday night in Barcelona at Llus Companys Olympic Stadium.Both teams announced the line-up, and the players went in to warm up, before Barcelona declared that the game was postponed via the stadium speakers."FC Barcelona is sorry to announce the sad news of the death of first team doctor Carles Miarro Garcia this Saturday afternoon. As a result, the game between FC Barcelona and CA Osasuna has been postponed until a later date. The FC Barcelona Board of Directors and players wish to express their utmost sympathy to the family and friends of the deceased, and join them in mourning at such a difficult time," the club said in its official statement.

Osasuna also conveyed their condolences via an official statement on Saturday."Club Atltico Osasuna wishes to convey its deepest condolences to the family of Dr. Carles Miarro Garcia and would like to send a warm hug to all the staff of FC Barcelona, as well as to its fans, at this difficult time. May he rest in peace. Goian gebo," Osasuna wrote on X.

We are in a state of shock: Laporta

Barcelona president Joan Laporta said in a video released by Barca that are in a state of shock. Laporta said that it was the best call to postpone the game and they had contacted LaLiga president Javier Tebas and there was a complete understanding.

"We are in a state of shock," Barcelona president Joan Laporta said in a video released by the club. "Carles was loved by everyone. As you can imagine, we are all extremely sad.""He was someone who travelled with the team for every game to look after the players and the staff. He never said 'No' to anyone. He was a great professional and a great medic.""We were quickly in touch with his family. We wanted them to know immediately. Carles leaves behind two kids, Gerard and Anna. His wife, as you can imagine, is deeply upset."

"We offer them our full support in this difficult moment, while asking for the understanding from our supporters and the world of football [for postponing the game].""Out of respect for Carles, his family, the players and the staff, we thought it was best to suspend the match and we took the necessary decision in the moment.""We were in contact with the president of LaLiga [Javier Tebas] and there was complete understanding. Osasuna also behaved extraordinarily; there was comprehension from their president, directors and coach."

Most of the supporters were in the stadium when the decision was made. At first there was uncertainty as the players didn't come out to warm up, with an announcement arriving 20 minutes before the start the game.

Barcelona currently sit at the top of the league table in Spain with 57 points from 26 games. The team made a remarkable recovery after their bad patch in December. The team has won their last 5 matches in the domestic competition, and is coming off a gritty 1-0 win over Benfica in the Champions League.

Beth Mooney: One of the best in the world, by design

New Delhi. There are not many players quite like Beth Mooney in women's cricket. One cannot put her in a box. Since the start of her career in early 2016, she has done what was required for Australia. Be it opening the batting with fellow left-hander Nicole Bolton at the start of her career in ODIs or dropping down the order once team management decided to give Alyssa Healy a go at opening after the 2017 World Cup, Mooney has done it all for the team. Whatever role she has been asked to do, with the bat, in the field, or even behind the stumps, Mooney has not just accepted it but she has excelled at that.

Maybe it has all been by design and not just something that happened accidentally. Kirby Short, one of Mooney's close friends and her captain at Brisbane Heat, knows this better than anyone else. She remembers meeting the teenager walking into the Queensland setup. "The first time I met Beth, she was a teenager who had been brought into the Queensland Fire set up by our coach, Andy Richards," she told this daily.Despite proving herself as a genuine performer in the domestic setup and making it to the Australian squad, for almost two years, Mooney ran drinks as Australia won the 2014 T20 World Cup. She was part of the squad that had some of the best players in the world for specific roles. The likes of Meg Lanning, Alex Blackwell, Alyssa Healy and Jess Cameron meant Mooney had the slimmest of chances to make it the playing XI. It was only in January 2016 that the

window of opportunity opened, and she made her international debut against India.

Short believes that the wait game played a role in making Mooney the player she is. A clear message from then head coach Matthew Mott to work on her fitness pushed the left-hander to be her best. "Seems like a lifetime ago when she wasn't sure if she'd 'make it.' It was actually a big decision for her to stop studying and quit her part-time job at a grocery store and work hard, particularly on her fitness, to try and create an opportunity for herself. She flipped a switch during that period," Short added.And even after all of this, given the superstars in that Australian squad, Mooney does go under the radar. Short believes that is also by design. "She definitely likes flying under the radar; it suits her personality! Given her extensive skill set, she's able to play multiple roles, which makes her valuable for the team she's in. Added to that, she enjoys the challenge of getting better and evolving her game. Ultimately, she just wants to contribute to and feel valued by any team she is in," Short mentioned.Mooney's fitness, ability to play the role she is required to and a complete mastery over her skills were on full display in the recently concluded women's Ashes when she not only took over wicket keeping duties from captain Healy but also scored 409 runs across seven innings, the most by any in the multi-format series, including a century in Test at the iconic Melbourne Cricket Ground. With that, she became the first Australian woman to score centuries in all three formats. "It was special. I have played a little bit of Test cricket but not a lot of it. I was pretty pumped to have gotten over the line there. More importantly, I was glad that we got over the line as a group in the fashion that we did," Mooney told this daily after the series.

Sharath Kamal, the relentless paddler who built Indian table tennis from the ground up

New Delhi. It's difficult to quantify phrases like 'giving back to the community' from a sporting context. One athlete, though, satisfies the phrase. A Sharath Kamal, the ace Indian paddler who will step away from the table following this month's World Table Tennis Star Contender event at Chennai.

For nearly two decades, Sharath was the past, present and future of the sport in India. An ever-present like the seasons, he was – it still feels weird writing about the 42-year-old in the past tense – there, doing his thing across competitions.A national? He would invariably occupy the top-step of the podium. A Commonwealth Games? His neck would be adorned with multiple medals once every four years. Asian Games? A history-writing double in 2018. The Olympics? From a country still struggling to produce athletes capable of qualifying for the Games on merit, the Tamil Nadu man has been to five of these... an outlier any which way you want to look.

His greatest legacy though? It's in multiple ways. When he came into the sport, forget a ceiling. Even a floor didn't exist. He literally built a house, showing Indians it was possible to make a name in the sport. In 2025, there's a floor, a ceiling and a steady stream of players who all cite 'Sharath anna' (elder brother) as the reason for them picking table tennis as their calling.Away from the table, he also told Indians it was possible to lose with grace. In an interview he gave to this daily after coming back from the Birmingham Games in 2022, Sharath, unlike a lot of other athletes, spoke about why it was okay to be overlooked for the Khel Ratna award. "It's the Khel Ratna alone which is missing," he had said. "It's for the best sportsperson across all sport. So, when you look at a Srikant Kidambi, World No 1... I'm World No 30. Then, Neeraj Chopra. Even before his gold at the Olympics, he had won Commonwealth Games, World juniors. So, how can I compare myself with them?

"When I look at (PV) Sindhu coming and telling me 'anna, what you have done is fantastic' or a Gopichand 'man, I don't understand how you have done it'... it shows I have truly earned my spot among the best sportspersons True. But he also constantly kept at it as he kept reinventing himself.

Salah fires Liverpool 16 points clear, Forest beat Manchester City

LONDON. Premier League leaders Liverpool needed two Mohamed Salah penalties to beat bottom-of-the-table Southampton 3-1 on Saturday, while Nottingham Forest took a giant step towards the Champions League with a 1-0 win over Manchester City.

Liverpool stretched their lead at the top to a massive 16 points, despite a lethargic first 45 minutes.Fresh from a smash-and-grab 1-0 Champions League victory over Paris Saint-Germain, Liverpool boss Arne Slot made just three changes.However, the Dutchman was forced into making three half-time alterations to kickstart the champions-elect."The manager was like going for us – but that's something you need sometimes. Because first half, the game was sloppy," said Salah.outhampton have taken just nine points from 28 games all season, but stunned Anfield when Will Smallbone fired the visitors in front in first-half stoppage time.

Alisson Becker was Liverpool's hero at the Parc des Princes on Wednesday but the Brazilian and Virgil van Dijk got in each other's way to allow Smallbone to roll into an unguarded net.Slot turned to Harvey Elliott, Alexis MacAllister and Andy Robertson at the break, and the changes had the desired effect with two goals in three minutes before the hour mark.Darwin Nunez levelled with a sharp near-post finish from Luis Diaz's cross.Nunez was then upended inside the area and Salah converted from the spot.The Egyptian slotted home a second penalty two minutes from time to take his tally for the season to 32 goals.

Second-placed Arsenal have two games in hand on the leaders, the first of which comes away to Manchester United on Sunday.

But it appears a matter of when not if Liverpool will clinch just their second league title in 35 years.

Trust the process: India's post-2022 approach has yielded strong results

India's fearless resurgence under Rohit Sharma has redefined their cricketing identity, turning past heartbreaks into stepping stones for success. As they face New Zealand in the Champions Trophy final, their attacking philosophy remains unwavering.

New Delhi. India's fearless resurgence under Rohit Sharma has redefined their cricketing identity, turning past heartbreaks into stepping stones for success. As they face New Zealand in the Champions Trophy final, their attacking philosophy remains unwavering.

Rohit Sharma: Leading from the front

At the heart of this transformation is Rohit Sharma. As captain, he has made it a priority to set the tempo right from the opening slot, ensuring that India's intent is clear from the start. Since the disappointment of the 2022 World Cup, Rohit has put the team's ultimate objective of winning titles above personal milestones or statistical achievements. His leadership has fostered a mentality where aggression is not just encouraged but expected."We've made it very clear after the T20 World Cup in Dubai, where we didn't qualify for the finals, that we felt there needed to be a change in our attitude and approach in how we play our game," Rohit told Star Sports after the 2022 T20 World Cup."If the message is clear from the captain and the coach about where the team is trying to head, then the individuals will definitely try to do that. For that to happen, they need freedom and clarity, and that's what we are trying to do. We are trying to give them as much freedom as possible," he added.

Across all formats; ODIs, Tests, and T20Is, Rohit has championed a consistent approach. His willingness to take calculated risks at the top of the order has not only lifted the pressure off the middle order but has also emboldened the entire batting unit to play with greater freedom. It is this philosophy that has propelled India to yet another ICC final, reinforcing their dominance in international cricket.

Fearless cricket, unshaken by setbacks

India's aggressive intent was on full display throughout the 2023 ODI World Cup, where they remained unbeaten until the final. However, their crushing defeat to Australia in Ahmedabad was a bitter pill to swallow. Many speculated that such a setback would force India to reconsider their attacking approach, potentially leading to a more cautious style in future tournaments. Yet, Rohit Sharma's side refused to compromise on their intent.Instead of retreating into a more conservative game plan, India doubled down on their approach. This mindset bore fruit when they clinched the 2024 T20 World Cup, showcasing their ability to stay committed to an aggressive philosophy even in high-pressure situations. Now, just months later, they stand on the brink of another ICC title, proving that their fearless style is not just a temporary shift but a long-term blueprint for success.

Manushi Chhillar

DENIES Dating Veer Pahariya, Calls Him A 'Good Friend'

Manushi Chhillar has denied dating Veer Pahariya, calling him a "good friend." The former Miss World addressed the rumors, stating that many things written about her personal life are false.

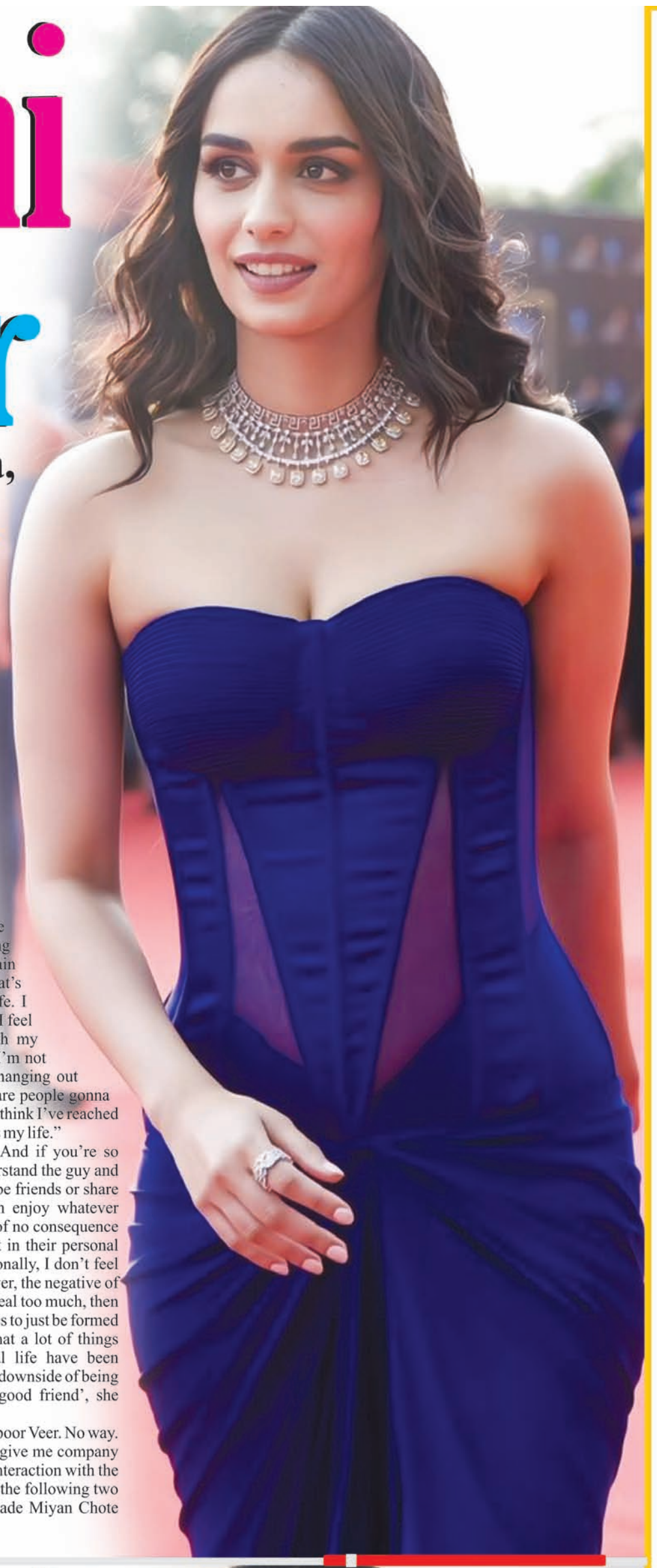

Of late, Bollywood's rumour mill has been buzzing with whispers of a romance between Prithviraj actress Manushi Chhillar and Veer Pahariya. But wait, hold your horses—Manushi has set the record straight now once and for all. In a recent interaction, the former Miss World politely but firmly denied dating Veer, calling him a "good friend." The two have been spotted together on multiple occasions, sparking speculation about a brewing romance. But according to Manushi, there's no love story here—just a solid friendship.Manushi Chhillar had recently walked the ramp for designer Tarun Tahliani wearing a bridal look. She told Bombay Times, "A lot of things written about my personal life have been completely false." The 27-year-old talked about the speculations about her dating life and said, "There's a certain interest people have as to what's going on in your personal life. I have guy and girl friends and I feel if I hang out too much with my girlfriends, does it look like I'm not interested in boys or if I'm hanging out with any of my guy friends, are people gonna think we're dating? But now I think I've reached a stage where I'm okay. This is my life."

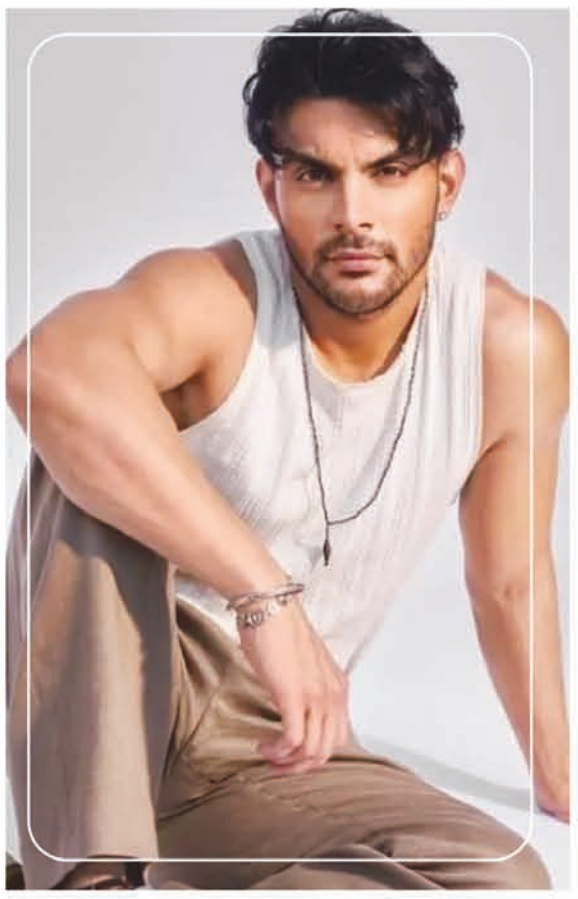

"I'm going to live my life. And if you're so archaic that you don't understand the guy and that a guy and girl can just be friends or share common interests, you can enjoy whatever entertainment you get. It's of no consequence knowing who's doing what in their personal life. I just live with it. Personally, I don't feel the need to (clarify). However, the negative of it is that when you don't reveal too much, then it gives more space for stories to just be formed out of thin air. I can say that a lot of things written about my personal life have been completely false. That's the downside of being a little private." 'He is a good friend', she added.

When asked about the rumours of her dating actor Veer Pahariya, she said, "Oh, my God, poor Veer. No way. No (we are not dating), absolutely not. He's a good friend. He was lovely enough to give me company during a wedding where I didn't know anyone. That's pretty much it. That's my only interaction with the boy."Manushi made her debut with the historical drama Samrat Prithviraj in 2022. In the following two years, she had two Hindi movie releases – The Great Indian Family (2023) and Bade Miyan Chote Miyan(2024).

Sophie Choudry

Calls Out Swiggy After Delivery Rider Hits Her Car And Flees: 'Is This What Your Guys Do?'

Actress and singer Sophie Choudry recently took to social media to share a distressing experience she had on the roads of Mumbai. She revealed that a Swiggy delivery rider hit her car and fled the scene without taking responsibility. Expressing her frustration, Sophie criticized the food delivery giant on X (formerly Twitter).In her post, she wrote, "Hey @Swiggy @SwiggyCares, one of your riders has hit my car badly and run away at 1:15 PM right here on my road in Khar West. It's completely his fault, and it's absolutely disgusting that he just ran off!! I'm a regular Swiggy customer, but is this what your guys do on the road??!!"

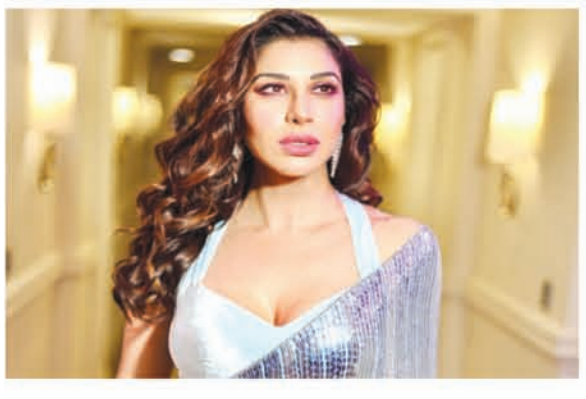

Responding to her complaint, Swiggy acknowledged the incident, stating that they sincerely regret what happened and understand how upsetting the situation must be. Their reply emphasized that "safety and accountability are of utmost importance" and urged Sophie to share further details via DM.

The actress, in turn, responded, "Safety and accountability should be of utmost importance. I have messaged you in DM. Awaiting a reply and expect you to resolve this situation."Since then, Sophie has not provided any updates on whether the issue has been resolved. However, many netizens supported her stance, calling for Swiggy to take stricter action against reckless driving by delivery personnel. One user wrote, "We understand that delivery partners face immense pressure—late deliveries can mean penalties or loss of earnings—but that doesn't justify reckless behavior on the road. Please address this ASAP." Another user shared their experience, stating, "They don't care, Soph! I have gone through the same with them in the past. Do you have a photo of the biker or the bike?"

On the professional front, Sophie was last seen in Love Sex Aur Dhokha 2, where she made a cameo appearance as a reality show judge. Last year, she also released a song titled Lips, which she both sang and featured in.

Amitabh Bachchan Told Aamir Khan Lagaan Would Flop: 'Films With My Voiceover Never Work'

Aamir Khan, who is set to turn 60 next week, recently reflected on key moments from his career, sharing intriguing anecdotes about his iconic film Lagaan. At a recent event, the actor revealed that lyricist Javed Akhtar and megastar Amitabh Bachchan both warned him that the film might not work.In a conversation with India Today, Aamir described Lagaan as a "very scary" project to undertake. His concerns escalated when Javed Akhtar called him and bluntly questioned, "Why are you making this film? This will not work." Javed then listed several reasons why he believed the film was doomed—sports films rarely succeeded, cricket-themed movies had never clicked, and using Awadhi as the language of the film would alienate audiences. He also pointed out that Bollywood was embracing glamorous foreign locations and high-fashion costumes, while Lagaan was set in a rustic village with actors clad in dhotis.

Adding to Aamir's worries, Javed also remarked that Amitabh Bachchan's involvement as a narrator was a bad omen. "He said, 'Every film Mr. Bachchan has narrated so far has flopped. And now that you've brought him in, it's confirmed—your film won't work,'" Aamir recalled.Even Amitabh Bachchan himself echoed this sentiment. When Aamir approached him for the voiceover, the veteran actor responded, "I'll do it, I don't mind. But just so you know, every film I have narrated has flopped. So, you better be aware of that."

Despite these warnings, Lagaan, directed by Ashutosh Gowariker, defied expectations and became a monumental success. Not only did it perform exceptionally well at the Indian box office, but it also earned a nomination for Best Foreign Language Film at the 74th Academy Awards. The epic drama, which ran for 3 hours and 42 minutes, was released in the same year as Aamir's modern classic Dil Chahta Hai, directed by Farhan Akhtar.

Is 'Like Jennie' More Like Alia Bhatt's 'Rani' Theme Song? The Plagiarism Controversy Explained

K-Pop band BLACKPINK's Jennie has just released her new song, which has caught the attention of netizens and Bollywood lovers for all the wrong reasons, with many blaming her for copying a popular character theme song from a Bollywood film.The controversy erupted after several BLACKPINK and Bollywood fans took note of a striking similarity between Jennie's new song and the intro theme featuring Alia Bhatt as Rani in 'Rocky Aur Rani Kii Prem Kahaani'.

Some believe it's just a coincidence, while others aren't so convinced.

WHAT's THE CONTROVERSY?

While K-Pop fans are grooving over 'Like Jennie', Bollywood lovers have taken an offence over the song's similarity with the 'Rocky Aur Rani Kii Prem Kahaani' song.

It all began on March 4, when Jennie dropped a teaser of the song, which was officially released three days later, on March 7.

Interestingly, the music of Karan Johar's 'Rocky Aur Rani Kii Prem Kahaani' was composed by Pritam Chakraborty, who has himself been subjected to a number of plagiarism accusations in the past.While Jennie was yet to respond to such claims, the music composer defended her, saying that such similarities were only natural.

PRITAM's 'MINOR SIMILARITIES' TAKE ON THE CONTROVERSY

In a post on Instagram, Pritam wrote, "Rani and Jennie are names that rhyme, so a similar flow in one phrase doesn't make it a copy.""In music, minor similarities are bound to happen—whether through rhymes, phrasing, or even within the same genre," he added, as he backed Jennie.

"Instead of focusing on tiny details, it's important to see the bigger picture. In today's interconnected world, where artists share the same platforms, no one is deliberately trying to copy someone else's work," Pritam wrote."Creating a song takes immense effort, and if an artist truly resonates with an idea, they can simply collaborate (sic)," he added.

Pritam also requested all to celebrate artists and their work rather than just 'tearing' them down. He also wished Jennie the best for her new album."Music is about creativity, unique artistic perspective, influence, and sometimes pure coincidence especially when artists exist on the same creative wavelength.